आज का मौसम
32.0⁰ अधिकतम तापमान
26.0⁰ न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 05.57
सूर्यास्त 06.18

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

आश्विन कृष्ण पक्ष अष्टमी 03:06 उपरांत नवमी विक्रम संवत 2082

रविवार, 14 सितंबर 2025, वर्ष 6, अंक 295, पृष्ठ 14+4 मूल्य 6 रुपये

हिमाचल प्रदेश में बादल फटने से वाहन मलबे में दबे खेतों को भारी क्षति-10

उच्चतम न्यायालय ने कहा कि घर खरीदारों की रक्षा करे केंद्र सरकार - 10

नेपाल के राष्ट्रपति ने भंग की संसद मार्च में होंगे नए चुनाव, राजनीतिक दलों ने की आलोचना- 11

भारत का पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप मैच में पलड़ा भारी- 12

CENTURION DEFENCE ACADEMY
जयो मे सत्य आहितः
लखनऊ | देहरादून

CENTURION DEFENCE ACADEMY
रक्षा क्षेत्र की पुख्ता तैयारी के लिए प्रख्यात

THE ABSOLUTE LEADER

गर्व का वर्ष - देश को समर्पित 150+ सैन्य अधिकारी

NDA | 11TH & 12TH NDA FOUNDATION | CDS | MNS | AFCAT | SSB INTERVIEW

लगातार AIR- 1,2,3 सिर्फ ड्रीम नहीं, डेस्टिनेशन तक – सेंचूरियन डिफेंस एकेडमी

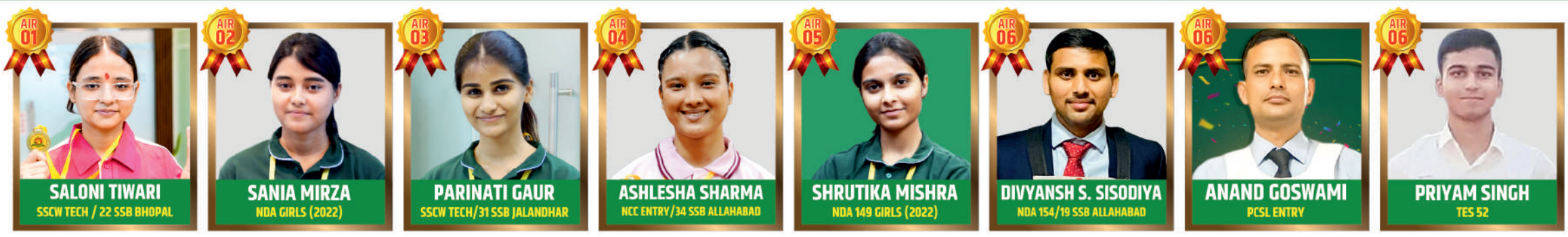

भारतीय सेना के शीर्ष नेतृत्व के सामने शिशिर दीक्षित सर की ऐतिहासिक घोषणाएँ

शहीद परिवारों, सैनिकों और युवाओं के भविष्य को नई दिशा

CENTURION ADVANTAGES

- **गर्ल्स के लिए विशेष प्रगति बैच :** हर चौथी NDA चयनित छात्रा सेंचूरियन से।
- **ब्रह्मोस बैच:** हिंदी माध्यम के छात्रों को सफलता की ओर अग्रसर करना।
- **फाउंडेशन बैच एक्सीलेंस:** हर बार सबसे अधिक फाइनल चयन।
- **2025 में 100+ प्रामाणिक चयन:** और गिनती जारी है।
- **सतत चैंपियंस:** टॉपर्स की पहली पसंद- लगातार AIR-1,2,3
- **सेंचूरियन प्रेप एडवांटेज:** अतिरिक्त तैयारी के लिए एयर लाइब्रेरी और कंप्यूटर लैब।
- **विशेषज्ञ मेंटरशिप:** भारत की सबसे अनुभवी टीम द्वारा लिखित व SSB इंटरव्यू की तैयारी।
- **सीमलेस हाइब्रिड लर्निंग:** सेंचूरियन डिजिटल ऐप के साथ।
- **व्यक्तिगत सफलता:** व्यक्तिगत मार्गदर्शन और विशेष फीडबैक पाएं।
- **सच्चा मेंटर vs अम्पायर:** हमारे मुख्य रक्षा परीक्षा मेंटर शिशिर दीक्षित सर के साथ श्रेष्ठ अनुभव।
- **रणनीतिक कंटेंट:** हमारी R&D टीम द्वारा तैयार की गई सेंचूरियन पब्लिकेशन तक पहुंच।
- **डिफेंस डिवोशन:** हमारी प्रतिबद्धता सिर्फ रक्षा क्षेत्र के लिए है।
- **असली परिणाम:** हमारे पोस्टर पर दिखने वाला हर चेहरा वास्तव में सेंचूरियन स्टूडेंट है, कोई स्टॉक इमेज नहीं।
- **प्रमाणित और विश्वसनीय:** भारत की सबसे उच्च वास्तविक चयन दर — सभी फाइनल चयन केवल हमारे ऑफलाइन बैच से।
- **ट्रेनिंग टाइटंस:** भारत का सबसे बड़ा फिजिकल फिटनेस और GTO ग्राउंड लखनऊ और देहरादून में।
- **सत्य, सेना एवं संस्कार** पर आधारित फिजिकल ट्रेनिंग में मानक एवं अनुशासन से कोई समझौता नहीं।

लखनऊ, 10 सितम्बर 2025: परमवीर चक्र विजेता शहीद अब्दुल हमीद के 60वें बलिदान दिवस पर सेंचूरियन फाउंडेशन ने भारतीय सशस्त्र बलों, शहीद परिवारों और वीरता पुरस्कार विजेताओं के लिए कई ऐतिहासिक घोषणाएँ कीं। इस अवसर पर आयोजित भव्य समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में लेफ्टिनेंट जनरल आनंद्या सेन गुप्ता (PVSM, UYSM, AVSM, YSM) उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में श्री नीरज सिंह (अध्यक्ष, FICCI उत्तर प्रदेश), मंत्री श्री दानिश आज़ाद अंसारी (वेलफेयर एवं वक्फ बोर्ड, उत्तर प्रदेश) और GOC मेजर जनरल सलील सेन, शामिल रहे। सेंचूरियन फाउंडेशन के चेयरमैन श्री शिशिर दीक्षित ने भारतीय युवाओं को सशक्त बनाने और शहीदों के परिवारों को सम्मान देने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण घोषणाएँ कीं। इन घोषणाओं को लेफ्टिनेंट जनरल आनंद्या सेन गुप्ता, (PVSM, UYSM, AVSM, YSM) और GOC मेजर जनरल सलील सेन ने औपचारिक रूप से स्वीकार किया और इसकी सराहना की।

देश के हज़ारों भावी सैन्य अधिकारियों को तराशने वाले प्रेरणास्रोत गुरु

दीक्षित सर, सेंचूरियन डिफेंस एकेडमी (लखनऊ और देहरादून) के संस्थापक और चेयरमैन हैं। वे भारत के रक्षा क्षेत्र में सर्वाधिक सफलताओं के लिए प्रसिद्ध हैं, और रक्षा परीक्षाओं व एसएसबी इंटरव्यू में लगातार ऑल इंडिया रैंक 1, 2, 3, 4, 5, 6 दिलाकर रिकॉर्ड स्थापित कर चुके हैं। उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री एवं उत्तराखंड के राज्यपाल भी उन्हें सर्वाधिक चयन दर के लिए कई बार सम्मानित कर चुके हैं।

चीफ़ डिफेंस एग्ज़ाम मेंटर दीक्षित सर ने "प्रोफाइल मैपिंग" जैसी अनूठी मेंटरिंग तकनीक विकसित की है। वे व्यक्तिगत मार्गदर्शन और कस्टमाइज्ड फीडबैक के लिए पूरे देश में लोकप्रिय हैं। साथ ही वे वंचित और विपरीत सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि से आने वाले छात्रों को प्रेरित व मार्गदर्शन देने में अग्रणी हैं, और ऐसे कई परिवारों से सेना के अधिकारी तैयार कर चुके हैं जिनका विकासात्मक इतिहास चुनौतीपूर्ण रहा है।उनकी अकादमी देश में एनडीए में सर्वाधिक बालिकाओं का चयन सुनिश्चित कर रही है, और हज़ारों आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को स्कॉलरशिप देकर सशक्त बना रही है। उन्हें कई केंद्रीय मंत्रियों और राज्य के शीर्ष नेतृत्व से सम्मान प्राप्त है। उनका मिशन है: भारत के हर परिवार से कम से कम एक सदस्य सेना में सेवा करे।

श्री शिशिर दीक्षित सर
संस्थापक एवं चेयरमैन,
सेंचूरियन ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट्स,
चीफ डिफेंस एग्जाम मेंटर, लेखक

Trust the process and involve into the process.

प्रमुख घोषणाएँ :

- **100% छात्रवृत्ति –** भारतीय सेना, वायुसेना और नौसेना के शहीद परिवारों के पात्र रक्षा अभ्यर्थियों को, ऑनलाइन या ऑफ लाइन माध्यम से, रक्षा परीक्षाओं की तैयारी हेतु शत-प्रतिशत छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी।
- **100% छात्रवृत्ति –** सभी गैलेंट्री अवार्डीज़ (Gallantry Awardees) के पात्र पारिवारिक रक्षा अभ्यर्थियों को भी, ऑनलाइन या ऑफलाइन माध्यम से, रक्षा परीक्षाओं की तैयारी हेतु पूर्ण छात्रवृत्ति दी जाएगी।
- **₹5000 SSB Prep Aid –** प्रत्येक पात्र अभ्यर्थी को, जो SSB इंटरव्यू में सम्मिलित हो रहा है, सेंचूरियन फाउंडेशन द्वारा भारत के सर्वश्रेष्ठ SSB कोचिंग मार्ग दर्शन हेतु ₹5000 की तैयारी सहायता प्रदान की जाएगी। इसकी वैधता 1 वर्ष होगी, यानी यदि कोई उम्मीदवार पहले प्रयास में सेलेक्ट नहीं होता, तो वह अगले 1 वर्ष के भीतर पुनः निःशुल्क प्रशिक्षण प्राप्त कर सकेगा।
- **डिजिटल पैनल स्थापना –**सेंट्रल कमांड, लखनऊ HRDC क्लास रूम में एक समर्पित डिजिटल पैनल स्थापित किया जाएगा, जिसके माध्यम से SSB इंटरव्यू प्रेप, स्पोकन इंग्लिश तथा ऑनलाइन सत्र संचालित किए जाएंगे।
- **'रणनीति' पुस्तक की 100 प्रतियाँ –SSB Interview** तैयारी हेतु **'रणनीति'** पुस्तक की 100 प्रतियाँ सेंट्रल कमांड की सभी आर्मी लाइब्रेरीज़ को प्रदान की जाएंगी।
- **निःशुल्क 6-दिवसीय SSB कैप्सूल सत्र –**प्रत्येक 6 माह में, SSB इंटरव्यू विशेषज्ञों द्वारा, लखनऊ HRDC में 6 दिवसीय कैप्सूल ऑफलाइन सत्र निःशुल्क आयोजित किए जाएंगे।

ADMISSIONS OPEN
For Classroom Course And Centurion digital App

Head Office, Lucknow (UP)
Near Phoenix Mall, Opp. Police Station
Alambagh
+91 9795977776

Indira Nagar Center (UP)
Faizabad Road, Indira Nagar
Lucknow
+91 9795977776

Dehradun Center (UK)
General Mahadev Singh Road, Near IMA, Ballupur Chowk,
Satya Vihar, Kailashpuri, Dehradun
+91 9795977779

BE INSPIRED, BE INFORMED
Watch Our Real Results on

न्यूज ब्रीफ

अयोध्या के दीपोत्सव में होगी ग्रीन आतिशबाजी

अमृत विचार, लखनऊ : अयोध्या में दीपोत्सव-2025 के दौरान 19 अक्टूबर को प्रदूषणमुक्त ग्रीन आतिशबाजी शो आयोजित किया जाएगा। सरयू घाटों पर 26 लाख से अधिक मिट्टी के दीप प्रज्वलित होंगे और पूरा शहर झिलमिलाती रोशनियों से आलोकित होगा। कोरियोग्राफ्ड ग्रीन एरियल आतिशबाजी शो का मुख्य आकर्षण होगा। यह जानकारी पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने शनिवार को दी। उन्होंने बताया कि ग्रीन एरियल फायर क्रैकर्स शो में संगीत और आधुनिक तकनीकों का अद्भुत मिश्रण होगा। दीपोत्सव की शाम सरयू नदी के तट पर आतिशबाजी की औसत ऊंचाई कम से कम 200 मीटर होगी। पर्यटन मंत्री ने बताया कि पर्यावरण को बिना नुकसान पहुंचाए ग्रीन एरियल फायर क्रैकर्स शो को कई किलोमीटर दूर से भी देखा जा सकता है।

नशे में बस चलाने वाले की सेवा समाप्त

अमृत विचार, लखनऊ : परिवहन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दया शंकर सिंह के निर्देश पर चालक वीरेश की जमा की गई प्रतिभूति धनराशि जब्त कर अनुबंध निरस्त कर दिया गया है। साथ ही, समयपाल विनोद कुमार पांडेय (वरिष्ठ लिपिक) को भी ड्यूटी में लापरवाही बरतने के आरोप में निलंबित किए जाने की कार्रवाई की जा रही है। यह जानकारी प्रबंध निदेशक मासूम अली सरवर ने शनिवार को दी। प्रबन्ध निदेशक ने बताया कि हरदोई डिपो की वाहन संख्या यूपी 78 एलएन 7576, 12 सितंबर 2025 की रात हरदोई बस स्टेशन से कानपुर के लिए रवाना हुई, जिसमें चालक वीरेश नशे की हालत में उक्त बस चला रहा था। यात्रियों द्वारा विरोध करने पर चालक ने यात्रियों के साथ अभद्रता की उक्त घटना के क्रम में तत्काल प्रभाव से चालक वीरेश संविदा समाप्त कर दी गई है।

सपा प्रमुख खुद परखेंगे संभावित प्रत्याशी

अमृत विचार, लखनऊ : वर्ष 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर सपा ने रणनीति के तहत काम करना शुरू कर दिया है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने मथुरा, आगरा व गौतमबुद्ध नगर की समस्याओं को लेकर विशेष एजेंडा बनाने की घोषणा से स्पष्ट कर दिया है कि उनके लिए हर जिला महत्वपूर्ण हैं, उक्त क्रम में उन्होंने प्रदेश के हर जिले में दौरा करने की रणनीति पर काम शुरू कर दिया है। हर जिले में दौरे के पीछे मकसद संभावित प्रत्याशियों की परख करना है।

सीबीआई जांच सुस्त, मौज में यूपीपीएससी की भ्रष्ट टीम

2012-17 के बीच हुई 600 परीक्षाओं की जांच अटकी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : यूपीपीएससी की भर्तियों में भ्रष्टाचार की कालिख सिर्फ पिछली सरकार पर नहीं थी, बल्कि वर्तमान प्रशासनिक निष्क्रियता भी इसका हिस्सा बन चुकी है। सीबीआई यदि निष्पक्षता से जांच कर पाई, तो कई बड़े चेहरों की कलई खुल सकती है। लेकिन जिस तरह से आयोग मौन है और सीबीआई थकी हुई है, उससे साफ है कि भ्रष्ट टीम अभी भी मौज में है।

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएसी) की सपा सरकार में हुई करीब 600 भर्ती परीक्षाएं आज भी संदेह के घेरे में हैं। बसपा सरकार में जारी एपीएस-2010 परीक्षा को सपा सरकार में अंतिम रूप देने से अनियमितताओं की शुरूआत हुई थी। जो निरंतर वर्ष 2016 में स्वास्थ्य विभाग में एक्स-रे टेक्नीशियन भर्ती तक निर्बाध जारी रही। अभ्यर्थियों ने भारी अनियमितताओं के गंभीर आरोप लगाए, तो वर्ष 2017 के चुनाव में यह बड़ा मुद्दा भी बना। सरकार बनते ही वर्ष 2018 में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सीबीआई जांच की सिफारिश की।

सीबीआई ने 2019 में जांच शुरू की थी। अब तक आयोग को 14 से अधिक पत्र भेजे जा चुके हैं, जिनमें एपीएस-2010, पीसीएस-2015 और अन्य प्रमुख परीक्षाओं से जुड़े दस्तावेज मांगे गए थे। लेकिन हर बार आयोग की ओर से या तो देरी से जवाब आया या फिर अधूरे कागज भेजे गए। सीबीआई के अनुसार, भर्ती प्रक्रिया में सिस्टम एनालिस्ट, अनुभाग अधिकारी और समीक्षा अधिकारी की संदिग्ध भूमिका सामने आई तो 2021 में तीन अधिकारियों के खिलाफ पीसी अधिनियम की धारा 17-ए के तहत अभियोजन की अनुमति मांगी गई थी, जो 2025 में मिली, लेकिन सेवानिवृत अधिकारियों के खिलाफ आज भी टालमटोल हो रही है।

सपा शासनकाल की यादव लॉबी पर लगे थे आरोप

2012-2016 के बीच यूपीपीएससी अध्यक्ष रहे डॉ. अनिल यादव पर जातीय पक्षपात और भाई-भतीजावाद के गंभीर आरोप लगे थे। 2017 के चुनावों में भाजपा ने इसे प्रमुख चुनावी मुद्दा बनाया था, जिसके चलते विपक्ष पर सवाल उठे और सत्ता परिवर्तन हुआ। लेकिन आज भी न्याय की प्रक्रिया अधूरी है।

- अभिलेख देने में आयोग के अफसर बने रोड़ा

ग्रेटर नोएडा की ऊंची इमारत से मां-बेटे ने कूदकर की आत्महत्या

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी: जिला गौतमबुद्धनगर परिक्षेत्र ग्रेटर नोएडा के बिसरख थाना क्षेत्र की रेसिडेंशियल इमारत सोसाइटी नामक ऐस सिटी के तेरहवीं मंजिल से एक महिला और उसके 11 पुत्र ने कूदकर आत्मदाह कर लिया। सोसाइटी में मां (37) व बेटे (11) की आत्मदाह अथवा गिरने खबर जैसे ही सोसाइटी निवासियों को लगी तो हड़कंप मच गया और घटनास्थल पर सुरक्षा गार्ड सहित सोसाइटी निवासियों की भीड़ एकत्रित हो गई।

जैसे ही लोगों ने जमीन पर पड़े मां-बेटे के मृत शरीर को देखा तो वहां मौजूद महिलाओं में और आस-पास के लोगों में चीख पुकार मच गई। इस वीभत्स घटना से मृत महिला के पड़ोसी सहित अन्य सदमे में हैं । घटना की जानकारी निवासियों द्वारा ही पुलिस को दी गई जिसके बाद पुलिस के आला अधिकारी सहित फॉरेंसिक टीम घटनास्थल पहुंची और मां बेटे दोनों के शव को कब्जे में लेकर पंचायत नामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

नेपाल से फरार चार कैदी भारत में घुसते पकड़े गए

एसएसबी जवानों की गिरफ्त में नेपाल से फरार हुए कैदी।

संवाददाता, पिथौरागढ़

अमृत विचार : नेपाल के हालिया आंदोलन के दौरान जेल तोड़कर फरार हुए चार कैदियों को अंतर्राष्ट्रीय सीमा से भारत में घुसते ही 55वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के सजग जवानों ने दबोच लिया। इनमें से तीन कैदी दुष्कर्म जैसे गंभीर अपराध के दोषी हैं तो जबकि चौथे पर हत्या का मामला है। इन सभी को नेपाल की अदालतों द्वारा दीर्घकालीन कारावास की सजा सुनाई गई थी।

एसएसबी के अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि चार लोग रबर ट्यूब की सहायता से काली नदी पार कर देवताल के रास्ते भारतीय सीमा में प्रवेश कर रहे थे। एसएसबी के गश्ती जवानों ने उन्हें देख तत्परता से कार्रवाई करते हुए पकड़ लिया। प्रारंभिक पूछताछ में स्पष्ट हुआ कि ये चारों युवक नेपाल की विभिन्न जेलों से फरार कैदी हैं। नेपाल पुलिस से यह सूचना साझा कर अपराधियों की सूची से इनकी पहचान का मिलान किया।

पूछताछ में यह भी सामने आया कि ये सभी अपराधी भारत के रास्ते से अन्य देशों में भागने की योजना बना रहे थे।

हरियाणा पुलिस की हरिद्वार में मुठभेड़ दरोगा को गोली लगी

हरिद्वार, अमृत विचार : जींद से पीछा करते हरिद्वार पहुंची हरियाणा पुलिस ने बदमाश को रोडवेज बस अड्डे पर घेर लिया। सरेशाम हुई मुठभेड़ में बदमाश ने दरोगा को गोली मार दी। गंभीर रूप से घायल दरोगा को एम्स ऋषिकेश में भर्ती कराया गया है। नगर में सघन चेकिंग अभियान चलाकर फरार बदमाश की खोजबीन की जा रही है।

पुलिस के अनुसार, यह सनसनीखेज घटना शनिवार शाम की है। हरियाणा के जींद जिले का निवासी एक बदमाश हरियाणा के ही एक पुलिस अधीक्षक (एसपी) को कथित तौर पर धमकी देने के मामले में वांछित चल रहा है। जींद पुलिस को सूचना मिली कि यह बदमाश हरिद्वार की तरफ भागा है।

बदमाश का पीछा करते हुए हरियाणा पुलिस भी हरिद्वार पहुंच गई और नगर कोतवाली क्षेत्र में रोडवेज बस अड्डे पर घेर लिया। इस दौरान बदमाश ने दरोगा सुरेंद्र प्रकाश पर सीधे पिस्टल से फायर झोंक दिया। गोली उनकी की कोहनी में लगी। बदमाश मौका पाकर फरार हो गया।

मां ने बाहर से लगाई कुंडी कमरे में बेटे ने फंदा लगाया

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- मुरादाबाद में 11 वर्षीय कृष्णा कक्षा छह का छात्र था

अमृत विचार: कोतवाली क्षेत्र में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। घर से बाहर खेलने न जाए पाए, इसके लिए मां ने अपने 11 वर्षीय बेटे को कमरे में अकेला छोड़कर बाहर से दरवाजे की कुंडी लगा दी। गुस्से में बच्चे ने कमरे में फंदा लगाकर जान दे दी। शाम को मां काम से लौटी तो बेटे को फंदे पर लटका देख बेसुध हो गई। परिजन और पड़ोसी उसे निजी अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। परिवारवालों में कोहराम मच गया। मां रो रोकर बेसुध हो गई। उन्हें संभालते हुए लोगों की आंखें भी छलक आई। घटना से मातम पसरा है।

कोतवाली के मानपुर निवासी सुनील का 11 वर्षीय बेटा कृष्णा शहर के हिंदू मॉडल स्कूल में कक्षा छह का छात्र था। पिता मजदूरी करते हैं, जबकि मां निशा घरों में खाना बनाने का काम करती है। शनिवार को स्कूल से लौटने के बाद कृष्णा नानी के घर जाने की जिद कर रहा था, लेकिन मां ने पढ़ाई करने को कहा। उसी बीच मां को काम पर जाना था। बेटे के जिद करने पर उसने उसे कमरे में बंद कर बाहर से कुंडी लगा दी। कृष्णा ने दरवाजा खोलने के लिए मां से गुहार लगाई, लेकिन मां ने अनसुना कर दिया और काम पर चली गई। इसी दौरान गुस्से में बच्चे ने कमरे में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली।

शाम करीब छह बजे मां काम से लौटी और दरवाजा खोलकर देखा तो कृष्णा फंदे पर लटका मिला। शोर सुनकर आसपास के लोग इकट्ठा हो गए और बच्चे को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। निजी अस्पताल से पुलिस को घटना की सूचना दी गई।

राजा भैया के पूर्व पीआरओ की संपत्ति कुर्क करने का आदेश

प्रतापगढ़, एजेंसी: प्रतापगढ़ के जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी ने 'गैंगेस्टर एक्ट' के तहत राजा भैया के पूर्व जन संपर्क अधिकारी (पीआरओ) समेत दो आरोपियों की अवैध रूप से अर्जित की गई 87 लाख रुपये की संपत्ति कुर्क करने का आदेश दिया है। अपर पुलिस अधीक्षक (पश्चिमी) संजय राय ने शनिवार को बताया कि जिलाधिकारी ने मानिकपुर थाने में पंजीकृत मुकदमे में गैंगस्टर एक्ट की धारा 2/3 के तहत आरोपी राजू यादव उर्फ़ राजीव यादव द्वारा आपराधिक कृत्यों और अवैध स्रोतों से अर्जित 82 लाख रुपये की चल-अचल संपत्ति को कुर्क करने का शुक्रवार को आदेश दिया। उन्होंने बताया कि पूर्व में विधायक रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया के जनसंपर्क अधिकारी (पीआरओ) रहे राजू यादव के विरुद्ध विभिन्न थानों में गंभीर अपराध, हत्या आदि के कुल 16 मुकदमे दर्ज हैं।

राममंदिर में पहुंच रहे 90 के दशक से तराशे पत्थर

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : राम मंदिर निर्माण कार्यशाला में रखें पत्थरों को भी परिसर में स्थान मिलेगा। 90 के दशक में राम भक्तों की आस्था और मंदिर निर्माण के संकल्प को पूरा करने के लिए आकर्षक नक्काशीदार पत्थरों को तैयार किया गया था। जिन्हें सफाई करने के बाद राम जन्मभूमि परिसर में स्थान देने के लिए पहुंचाया जा रहा है।

500 वर्षों बाद जन्मभूमि पर भव्य मंदिर निर्माण कर 22 जनवरी 2024 में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की गई। अब राम भक्तों की उस आस्था को भी सम्मानित स्थान देने का कार्य किया जा रहा है, जिसे बाबा अभिराम दास द्वारा 1949 में राम जन्मभूमि परिसर के गर्भगृह स्थल पर भगवान श्री रामलला की मूर्ती स्थापित कराकर लिया गया था। भव्य मंदिर निर्माण की तैयारी को लेकर हिंदू समाज में आंदोलन शुरू किया था। मंदिर निर्माण लिए श्री राम जन्मभूमि न्यास का गठन कर देश के सबसे बड़े आर्किटेक्ट चंद्रकांत सुनपुरा के द्वारा मंदिर की डिजाइन को तैयार किया गया। वहीं दूसरी ओर करोड़ों राम भक्तों के द्वारा सितंबर 1990 में निर्माण कार्यशाला भी प्रारंभ कर दी गई। जहाँ राजस्थान के पत्थरों पर नक्काशी की गई। 20 वर्षों में लगभग एक लाख घन फिट पत्थरों पर कारीगरों के द्वारा नक्काशी का कार्य संपन्न कराया गया था। विश्व हिंदू परिषद के प्रांतीय मीडिया प्रभारी शरद शर्मा ने शनिवार को बताया कि कार्यशाला में रखे इन पत्थरों को राम जन्मभूमि परिसर में उचित स्थान दिए जाने के लिए श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट कार्य कर रहा है।

मंदिर निर्माण कार्यशाला में रखे पत्थर। अमृत विचार

इन पत्थरों से करोड़ों राम भक्तों की भावना जुड़ी है। इसके लिए राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने कार्यशाला में तराशे गए पत्थरों को लगाए जाने का निर्णय लिया है, यह स्वागत योग्य है। उन्होंने कहा कि इस मंदिर निर्माण के लिए लाखों लोगों ने अपने प्राणों को बलिदान दिया था। आज उन सभी शहीद कारसेवकों के संकल्प को ट्रस्ट पूरा कर रहा है।

- 20 वर्षों में कारीगरों ने राजस्थान से आए एक लाख घन फिट पत्थरों पर की थी नक्काशी

हनुमान चालीसा का निरन्तर 11 घंटे पाठ

अयोध्या, अमृत विचार : उत्तर आंध्र प्रदेश के पश्चिमी गोदावरी जिले की शक्तिसाधकों की टोली ने शनिवार को निरन्तर 11 घंटे श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर की यज्ञशाला में हनुमान चालीसा पाठ किया। श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर ट्रस्ट की ओर से ऐसे आयोजनों के सहयोगी शैलेन्द्र शुक्ल के अनुसार 25 महिलाओं की इस टोली ने सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक निरन्तर पाठ किया। सभी ने प्रभु श्रीरामलला का दर्शन- पूजन और आरती कर पुण्य अर्जित किया।

मधुमक्खियों के हमले में किसान की मौत

महोबा , एजेंसी : जिले के श्रीनगर क्षेत्र में शनिवार को मधुमक्खनियां के हमले में एक किसान की मौत हो गई जबकि छह अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस उप अधीक्षक रविकान्त गौड़ ने बताया कि पवा गांव में 35 वर्षीय किसान सुभाष कुछ अन्य लोगो के साथ अपने खेत पर काम कर रहा था. तभी वहां स्थित एक पेड़ में मधु मक्खियायों के छत्ते में किसी ने छेड़छाड़ कर दी. जिससे मधु मख्खीयां भड़क गयी और उन्होंने हमला बोल दिया। लेकिन चपेट में आ जाने पर मख्खीयों ने सुभाष को बुरी तरह जख्मी कर दिया।

शुभम की पत्नी बोलीं- भारत और पाकिस्तान का मैच न देखें देशवासी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- पहलगाम के हमले में मारे गए थे ऐशन्या के पति शुभम

अमृत विचार: पहलगाम में आतंकी हमले में मारे गए कानपुर के शुभम द्विवेदी की पत्नी ऐशन्या ने लोगों से कहा है कि देशवासी भारत-पाकिस्तान के मैच को नहीं देखें। 14 सितंबर को भारत-पाक के मध्य दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में क्रिकेट मैच होने जा रहा है। पहलगाम हमले में ऐशन्या की आंखों के सामने उनके पति शुभम द्विवेदी को गोली मार दी गई थी।

ऐशन्या।

ऐशन्या ने कहा है कि पाकिस्तान के साथ मैच खेलना उन 26 शहीदों के परिजनों के साथ मजाक है।

पहलगाम में आतंकी हमले के बाद बड़ी-बड़ी बातें की गई थीं कि पाकिस्तान के साथ कोई संबंध नहीं रखेंगे लेकिन अब मैच होने जा रहा है। लगता है कि बीसीसीआई को शहीदों के परिवारवालों से कोई हमदर्दी नहीं हैं।

विवादित बयान देने वाला मौलाना गिरफ्तार

बलिया, एजेंसी : जिले में पुलिस ने विवादित बयान देने के लिए शनिवार को प्राथमिकी दर्ज कर एक सरकारी मदरसे में तैनात मौलाना को गिरफ्तार कर लिया। मौलाना शहाबुद्दीन के विवादित बयान का वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित होने के बाद शनिवार को मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। रसड़ा के सीओ आलोक गुप्ता ने बताया कि सोशल मीडिया पर शुक्रवार को एक वीडियो सामने आया था, जिसकी जांच की गयी। जांच में यह तथ्य प्रकाश में आया कि पांच सितंबर को जामा मस्जिद के मौलाना और सरकारी मदरसा के शिक्षक शहाबुद्दीन ने भाषण दिया था।

रुद्रपुर के डॉक्टर को झांसा देकर हड़पे 6.60 लाख रूपये

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: शहर के चिकित्सक को लिफ्ट लगाने के कॉन्ट्रैक्ट की आड़ में लाखों रुपये हड़पने का मामला सामने आया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार भदईपुरा निवासी डॉ. दीपक कुमार भट्ट ने बताया कि उसका कॉलोनी में एक क्लीनिक है। 17 अप्रैल 2024 को अजमत अली प्रोपराइटर टाइटन एलीवेटर प्रेमनगर देहरादून क्लिनिक पर आया और लिफ्ट की कोटेशन दिखाते हुए अनुरोध करने लगा। लिफ्ट लगाने का खर्च 6.60 लाख रुपये बताया गया। इस दौरान अनुबंध के अनुसार लिफ्ट संचालन के बाद 12 माह की वारंटी भी दी गई। 22 से 26 अप्रैल तक 6.60 लाख का भुगतान हुआ, जबकि 2.70 लाख का भुगतान खुद कर्मचारी द्वारा देहरादून जाकर किया। भुगतान और अनुबंध के दस्तावेज भी मुहैया कराए। आरोप था कि भुगतान होने के बाद भी लिफ्ट का संचालन नहीं हुआ और अभियुक्त ने संपर्क करना भी छोड़ दिया। डॉक्टर का आरोप था कि अभियुक्त ने वादाखिलाफी करते हुए 6.60 लाख रुपये हड़प लिए।

सरकारी अस्पतालों में तीमारदारों को भी दें सुविधाएं : धामी

देहरादून, अमृत विचार : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार देर शाम राजकीय दून मेडिकल कॉलेज चिकित्सालय का औचक निरीक्षण कर अस्पताल में उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं, उपचार की गुणवत्ता तथा व्यवस्थाओं का गहन जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने अस्पताल में उपचार रत विभिन्न मरीजों से भेंट कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली तथा उन्हें अस्पताल द्वारा प्रदान की जा रहीं चिकित्सीय सुविधाओं के बारे में पूछा। मरीजों और उनके परिजनों से संवाद के माध्यम से मुख्यमंत्री ने चिकित्सा सेवाओं की गुणवत्ता को प्रत्यक्ष रूप से समझा तथा आवश्यक निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री ने अस्पताल परिसर में मौजूद वेटिंग एरिया (प्रतीक्षालय) में तीमारदारों के लिए भी समुचित सुविधाएं उपलब्ध कराने के स्पष्ट निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि मरीजों के साथ आने वाले तीमारदारों को भी सुविधा मिलनी चाहिए।

मंगल ग्रह पर मिले सूक्ष्म जीवन के संकेत उत्साह को बढ़ाने वाले

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार : नासा ने लाल ग्रह मंगल की धरती पर जीवन की तलाश में पहली बार ऐसा सबूत खोज निकाला है, जो मंगल के अतीत में रहे जीवन के संकेत देता है। नासा ने इस खोज का खुलासा किया है। दूसरे ग्रहों पर जीवन की तलाश में जुटे वैज्ञानिकों के लिए यह खोज उत्साहित करने वाली है।

हमारे सौर मंडल के किसी ग्रह पर जीवन की प्रबल संभावना जताई जाती हैं तो वह मंगल ग्रह है। दरअसल मंगल और पृथ्वी के बीच कई मायनों में अनेक समानताएं हैं। कभी वहां समुद्र हुआ करते थे तो नदियां भी बहा करती थी। झील और पोखर मंगल की धरती पर मौजूद थे। ऑक्सीजन भी है और पृथ्वी के समान पर्वत शिखरों की लंबी फेहरिस्त है जिस कारण जीवन की तलाश में मंगल ग्रह दुनियाभर के वैज्ञानिकों के अध्ययन का केंद्र रहा है। अभी तक दर्जनों अभियान इस ग्रह पर चलाए जा चुके हैं। कई दशकों के लंबे संघर्ष के बाद पहली बार धरती वासियों को सूक्ष्म जीवन के संकेत मिले हैं, जो न केवल वैज्ञानिकों को उत्साहित करते हैं, बल्कि भविष्य में मंगल की धरती पर जीवन बसाने के सपने को बल देता है। जीवन के पहले सबूत नासा के पर्सिवियरेंस रोवर ने खोजे हैं। रोवर ने मंगल के चेयावा फाल्स नामक स्थान में सूक्ष्म जीव के रूप में यह खोज की है। नासा ने बीते बुधवार को इसकी जानकारी सार्वजनिक की। नासा का मानना है कि यह खोज बताती है कि मंगल पर जीवन रहा होगा।

मंगल पर जीवन के सबूत मिलना बड़ी खोज

नैनीताल : आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) नैनीताल के वरिष्ठ खगोल वैज्ञानिक डॉ. शशिभूषण पांडे कहते हैं कि लंबे समय बाद मंगल की धरती पर सूक्ष्म जीवन के सबूत मिलना बड़ी खोज है। इससे यह पता चलता है कि अतीत में मंगल पर जीवन रहा होगा। यह खोज मंगल के अध्ययन के जुटे वैज्ञानिकों को उत्साहित करने वाली है। कहा जा सकता है कि भविष्य में मंगल पर जीवन के और भी सबूत मिलेंगे। साथ ही मंगल पर जीवन बसाने की धरतीवासियों का सपना साकार होने में मदद मिलेगी।

आज का मौसम
32.0⁰ अधिकतम तापमान
26.0⁰ न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 05.57
सूर्यास्त 06.18

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

आश्विन कृष्ण पक्ष अष्टमी 03:06 उपरांत नवमी विक्रम संवत 2082

रविवार, 14 सितंबर 2025, वर्ष 6, अंक 295, पृष्ठ 14+4 ■ मूल्य 6 रुपये

■ हिमाचल प्रदेश में बादल फटने से वाहन मलबे में दबे खेतों को भारी क्षति-10

■ उच्चतम न्यायालय ने कहा कि घर खरीदारों की रक्षा करे केंद्र सरकार - 10

■ नेपाल के राष्ट्रपति ने भंग की संसद मार्च में होंगे नए चुनाव, राजनीतिक दलों ने की आलोचना- 11

■ भारत का पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप मैच में पलड़ा भारी- 12

इस बार के रविवारीय संस्करण 'लोक दर्पण' में, जन, संपर्क और व्यवहार हिन्दी भाषा का आधुनिक संदर्भ व अन्य विषयों पर विशेष सामग्री दी जा रही है।

☞ www.amritvichar.com

प्रिय पाठकों, लोक दर्पण आज अंदर देखें। -संपादक

ब्रीफ न्यूज

वक्फ पर 15 सितंबर को अंतरिम आदेश

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट 15 सितंबर को तीन प्रमुख मुद्दों पर अंतरिम आदेश सुनाएगा, जिसमें अदालतों द्वारा वक्फ, उपयोगकर्ता द्वारा वक्फ या विलेख द्वारा वक्फ घोषित संपत्तियों को गैर-अधिसूचित करने की शक्ति शामिल है। ये बिंदु वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं की सुनवाई के दौरान सामने आए थे। पीठ ने 22 मई को इन मुद्दों पर अंतरिम आदेश सुरक्षित रख लिया था।

बारिश के कारण वैष्णो देवी यात्रा फिर स्थगित

जम्मू। माता वैष्णो देवी मंदिर की तीर्थयात्रा लगातार बारिश होने के कारण अगले आदेश तक फिर से स्थगित कर दी गई है। श्राइन बोर्ड ने शनिवार को यह जानकारी दी। माता वैष्णो देवी मंदिर की तीर्थयात्रा 19 दिन तक स्थगित रहने के बाद रविवार को फिर से शुरू होने वाली थी। मार्ग पर भूस्खलन के बाद यात्रा 26 अगस्त को स्थगित कर दी गई थी।

पद्म विभूषण छन्नू लाल मिश्र अस्पताल में भर्ती

मिर्जापुर। भारतीय शास्त्रीय संगीत के मर्मज्ञ पद्म विभूषण छन्नू लाल मिश्र को उपचार के लिए यहां राम कृष्ण मिशन अस्पताल में भर्ती कराया गया। उपशास्त्रीय संगीत गायन में मशहूर पद्म विभूषण से सम्मानित छन्नू लाल मिश्रा (89) को हीमोग्लोबिन की कमी और 'बेड सोल' की समस्या के कारण उपचार की जरूरत पड़ी। मां विंध्यवासिनी मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. संजीव कुमार के नेतृत्व में विशेषज्ञ चिकित्सकों की एक टीम छन्नू लाल मिश्रा की देखभाल कर रही है।

चेन्नई में होगा पांचवां तटरक्षक सम्मेलन

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय समुद्री सहयोग के क्षेत्र में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका को आगे बढ़ाते हुए भारत वर्ष 2027 में चेन्नई में पांचवें तटरक्षक वैश्विक शिखर सम्मेलन की मेज़बानी करेगा। रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को यहां बताया कि 11 और 12 सितंबर को इटली में चौथे तटरक्षक वैश्विक शिखर सम्मेलन में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया।

मणिपुर में लाएंगे शांति और समृद्धि

प्रधानमंत्री मोदी ने राज्य के विभिन्न संगठनों से हिंसा छोड़ने का किया आग्रह

● कहा-केंद्र सरकार राज्य के लोगों के साथ दृढ़ता के साथ खड़ी

इंफाल/चूड़ाचांदपुर, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को मणिपुर में विभिन्न संगठनों से हिंसा छोड़ने का आग्रह करते हुए कहा कि उनकी सरकार राज्य के लोगों के साथ दृढ़ता के साथ खड़ी है और इस हिंसाग्रस्त प्रांत को शांति व समृद्धि का प्रतीक बनाने की दिशा में काम कर रही है। मई 2023 में जातीय हिंसा भड़कने के बाद राज्य की अपनी पहली यात्रा के दौरान कुकी बहुल चूड़ाचांदपुर जिले में जनसभा को संबोधित करते हुए मोदी ने मणिपुर को आशा और आकांक्षा की भूमि बताया और कहा कि 'दुर्भाग्य से हिंसा ने इस खूबसूरत क्षेत्र पर अपनी छाया डाल दी' है। उन्होंने कहा कि कुछ देर पहले, मैं एक राहत शिविर में प्रभावित लोगों से मिला। उनसे मिलने के बाद, मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि मणिपुर में आशा और विश्वास के एक नया सवेरा का उदय हो रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि किसी भी जगह विकास की जड़ें जमाने के लिए शांति जरूरी है। पिछले 11 सालों में पूर्वोत्तर में कई संघर्ष और विवाद सुलझ गए हैं। लोगों ने शांति का रास्ता चुना है और विकास को प्राथमिकता दी है। लंबे समय से जारी जातीय हिंसा के बावजूद राज्य का दौरा ना करने को लेकर विपक्ष की तीखी आलोचना झेल रहे प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि केंद्र के प्रयासों के नतीजे मिलने लगे हैं। उन्होंने कहा कि हमने देखा है कि हाल ही में पहाड़ी और घाटी में... विभिन्न समूहों के साथ समझौतों पर बातचीत हुई है। ये भारत सरकार के संवाद, सम्मान और आपसी समझ को महत्व देते हुए शांति स्थापित करने के प्रयासों का हिस्सा हैं। मैं सभी संगठनों से शांति के मार्ग पर आगे बढ़ने और अपने सपनों को साकार करने की अपील करता हूँ। मैं आपके साथ हूं... भारत सरकार मणिपुर के लोगों के साथ है। हम मणिपुर को शांति, समृद्धि और प्रगति का प्रतीक बनाने के लक्ष्य की दिशा में काम कर रहे हैं।

राज्य के विकास के लिए अपनी सरकार द्वारा उठाए गए विभिन्न कदमों का उल्लेख करते हुए मोदी ने कहा कि पहले दिल्ली में लिए गए फैसलों को यहां तक पहुंचने में दशकों लग जाते थे, लेकिन अब मणिपुर देश के बाकी हिस्सों के साथ-साथ प्रगति कर रहा है। उन्होंने कहा कि पहले पहाड़ी और आदिवासी इलाकों में अच्छे स्कूल और अस्पताल सिर्फ एक सपना हुआ करते थे।

और छलक पड़ा दर्द... मणिपुर के चुराचांदपुर में हिंसा प्रभावित लोगों से मिलते नरेंद्र मोदी, इस दौरान लोग भावुक हो उठे।

विस्थापित लोगों से मिले, केंद्र की ओर से हर संभव मदद का दिया भरोसा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को मणिपुर की राजधानी इंफाल के ऐतिहासिक कांगला किला परिसर में जातीय हिंसा के कारण विस्थापित हुए लोगों के एक वर्ग से बातचीत की। मोदी ने आंतरिक रूप से विस्थापित व्यक्तियों (आईडीपी) की चिंताएं सुनीं और उन्हें राज्य में शांति एवं सामान्य स्थिति बहाल करने में केंद्र सरकार से हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। अधिकारियों के मुताबिक, इससे पहले प्रधानमंत्री ने चूड़ाचांदपुर के पीस ग्राउंड में आंतरिक रूप से विस्थापित व्यक्तियों से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि कुछ समय पहले, मैंने एक राहत शिविर में हिंसा प्रभावित लोगों से मुलाकात की। उनसे मिलने के बाद, मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि मणिपुर में आशा और विश्वास की एक नई सुबह उभर रही है।

कई विकास परियोजनाओं की रखी आधारशिला

मोदी ने इस समारोह में 7,300 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं की आधारशिला रखी। उन्होंने कहा कि ये परियोजनाएं मणिपुर के लोगों खासकर पहाड़ी इलाकों में रहने वाले लोगों के जीवन को और बेहतर बनाएंगी। मोदी ने कहा कि मणिपुर नाम में ही 'मणि' है और यही वह रत्न है जो आने वाले समय में पूरे पूर्वोत्तर में चमकेगा। केंद्र सरकार मणिपुर को विकास के पथ पर आगे ले जाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसी प्रयास के तहत, मैं आज आप सभी के बीच उपस्थित हूं। प्रधानमंत्री ने कहा कि इंफाल से सड़क मार्ग से लगभग 60 किलोमीटर दूर चूड़ाचांदपुर जाते समय उन्हें जो प्यार मिला, उसे वह कभी नहीं भूल सकते।

वोटर लिस्ट बनाना बदलना हमारा काम

निर्वाचन आयोग बोला

● एसआईआर पर सुप्रीम कोर्ट के निर्देश हमारे कामकाज में दखल

नई दिल्ली, एजेंसी

निर्वाचन आयोग (ईसी) ने उच्चतम न्यायालय से कहा है कि पूरे देश में नियमित अंतराल पर मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) करने का कोई भी निर्देश आयोग के विशेष अधिकार क्षेत्र पर अतिक्रमण होगा। शीर्ष अदालत में दायर एक जवाबी हलफनामे में आयोग ने कहा कि किसी अन्य प्राधिकरण के हस्तक्षेप के बिना संशोधन की नीति पर उसका पूर्ण विवेकाधिकार है। आयोग ने कहा कि बिहार को छोड़कर, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के सभी मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (सीईओ) को संबोधित अपने 5 जुलाई, 2025 के पत्र के माध्यम से 1 जनवरी, 2026 को अर्हता तिथि मानते हुए मतदाता सूचियों के एसआईआर के लिए तत्काल पूर्व-संशोधन गतिविधियां शुरू करने का निर्देश दिया है।

हलफनामे में कहा गया है कि आयोग को मतदाता सूची की तैयारी और संशोधन की निगरानी के लिए संवैधानिक एवं वैधानिक शक्तियां प्राप्त हैं। इसमें कहा गया कि देश भर में नियमित अंतराल पर एसआईआर आयोजित करने का कोई भी निर्देश आयोग के विशेष अधिकार क्षेत्र पर अतिक्रमण होगा। हलफनामा अधिवक्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय की याचिका पर दायर किया गया है, जिन्होंने आयोग को पूरे भारत में विशेष रूप से चुनावों से पहले, नियमित अंतराल पर मतदाता सूचियों का एसआईआर कराने का निर्देश देने का अनुरोध किया है।

न्यायालय ने 8 सितंबर को निर्देश दिया था कि बिहार में मतदाता सूचियों की एसआईआर प्रक्रिया में मतदाताओं के पहचान प्रमाण के रूप में आधार कार्ड को अनिवार्य रूप से शामिल किया जाए। न्यायालय ने 9 सितंबर तक इस आदेश को लागू करने का निर्देश दिया था। अपने जवाब में आयोग ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत संसद और प्रत्येक राज्य की विधानसभा के चुनावों के सिलसिले में मतदाता सूची तैयार करने और उनकी निगरानी, निर्देशन आयोग पर निर्भर है। यह भी कहा गया कि उक्त संवैधानिक प्रावधान मतदाता सूची तैयार करने और चुनाव कराने से संबंधित सभी मामलों में आयोग के पूर्ण अधिकार का आधार है।

नेपाल के पूर्व पीएम ओली के खिलाफ एफआईआर

काठमांडु, एजेंसी

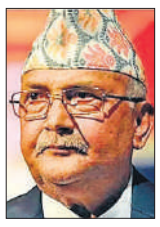

● ओली पर प्रदर्शनकारियों पर गोली चलवाने का आरोप
● आज अंतरिम सरकार के कैबिनेट विस्तार की संभावना

नेपाल की पूर्व प्रधान न्यायाधीश रहीं सुशीला कार्की के नेतृत्व में अंतरिम सरकार के अस्तित्व में आने के बाद जेन जी पीढ़ी के युवाओं द्वारा किए जा रहे विरोध प्रदर्शन पर गोलीबारी का आदेश देने के आरोप में निवर्तमान प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया है। नेपाल की प्रतिनिधि सभा के पूर्व सदस्य और कांग्रेस सांसद अभिषेक प्रताप शाह ने कपिलवस्तु के मुख्य जिला अधिकारी दिल कुमार तमांग के माध्यम से मेट्रोपॉलिटन पुलिस सर्कल, न्यू बनेश्वर में शिकायत दर्ज कराई है।

इस बीच नेपाल की अंतरिम सरकार की प्रधानमंत्री सुशीला कार्की रविवार को कैबिनेट का विस्तार कर सकती हैं। शनिवार को वह दिनभर जेन जी प्रतिनिधियों और अन्य लोगों के साथ विचार-विमर्श में जुटी रहीं। कार्की के करीबी सूत्रों का कहना है कि रविवार तक मंत्रिमंडल सहयोगियों के नाम पर फैसला होने के बाद कल ही शपथग्रहण कराया जा सकता है। स्कूलों को जल्द खोलने का फैसला लिया गया है, खासकर उन स्कूलों को जिसे कोई नुकसान नहीं पहुंचा है, उनमें कल से पढ़ाई शुरू होगी। इस बीच कार्की ने साफ किया है कि वह अपने कैबिनेट सदस्यों को चुनाव लड़ने से नहीं रोकेंगी। संभव है कि उनकी कैबिनेट में कुलमन घीसिंग, बालेंद्र शाह बालेन और सुमाना श्रेष्ठ को शामिल किया जाए।

सरकार विरोधी प्रदर्शन में न्यायिक रिकॉर्ड नष्ट

काठमांडू। नेपाल के उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि न्यायिक इतिहास का हिस्सा रहे महत्वपूर्ण दस्तावेज छात्रों के नेतृत्व वाले सरकार विरोधी प्रदर्शनों में लगभग नष्ट हो गए। न्यायालय ने जल्द कामकाज फिर से शुरू करने का संकल्प जताया है। प्रधान न्यायाधीश प्रकाशमान सिंह राउत ने कहा कि हम हर परिस्थिति में न्याय के मार्ग पर अडिग और दृढ़ हैं। समाचार पोर्टल माय रिपब्लिका में शनिवार को प्रधान न्यायाधीश के हवाले से कहा गया कि हम जल्द से जल्द अदालती कामकाज फिर से शुरू करने का संकल्प लेते हैं।

पीएम पद की दौड़ में बिजली बोर्ड के पूर्व सीईओ घीसिंग और काठमांडू के मेयर बालेन भी शामिल थे। सुमाना पूर्व शिक्षा मंत्री हैं। कहा जा रहा है कि अंतरिम सरकार में जेन जी का कोई प्रतिनिधि नहीं होगा। हालांकि जेन जी ने कहा कि वह अंतरिम सरकार के कामकाज पर कड़ी निगाह रखेंगे।

डेविस कप : भारत ने लिखा नया अध्याय

बील (स्विट्जरलैंड)। भारत ने डेविस कप इतिहास में शनिवार को यहां नया अध्याय लिखा, जब सुमित नागल ने विश्व ग्रुप एक टाई के पहले उलट एकल रबर में युवा हेनरी बर्नेट को सीधे सेटो में हराकर 3-1 की निर्णायक बढ़त के साथ ही मेहमानों की यूरोपीय दिग्गज स्विट्जरलैंड पर ऐतिहासिक जीत सुनिश्चित की और उन्हें डेविस कप क्वालीफायर में स्थान दिला दिया। 1993 के डेविस कप क्वार्टर फाइनल में लिएंडर पेस व रमेश कृष्णन की अगुआई में फ्रांस के खिलाफ जीत के बाद से किसी यूरोपीय टीम पर विदेशी कोर्ट पर भारत की यह पहली जीत है। भारत को यूरोपीय टीम के खिलाफ पिछली सफलता 2022 में दिल्ली के ग्रास कोर्ट पर खेले गए घरेलू मुकाबले में डेनमार्क के खिलाफ मिली थी। डेविस कप क्वालीफायर का पहला दौर जनवरी 2026 में होना है। (विस्तृत खेल पेज)

सुमित ने स्विट्जरलैंड पर दिलाई ऐतिहासिक जीत

वीडियो बनाने को लेकर कांग्रेस पर प्राथमिकी

नई दिल्ली। कांग्रेस की बिहार इकाई द्वारा अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट किए गए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी मां के एआई निर्मित डीपफेक वीडियो को लेकर एक भाजपा कार्यकर्ता की शिकायत पर दिल्ली पुलिस ने शनिवार को प्राथमिकी दर्ज की।

प्रदेश भाजपा चुनाव प्रकोष्ठ के संयोजक संकेत गुप्ता ने शुक्रवार को नॉर्थ एवेन्यू पुलिस थाने में इस सिलसिले में एक शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने शिकायत में आरोप लगाया कि वीडियो ने प्रधानमंत्री की छवि को धूमिल किया है तथा कानून, नैतिकता का उल्लंघन किया गया और महिलाओं की गरिमा को ठेस पहुंचाई है। यह वीडियो क्लिप 10 सितंबर को कांग्रेस की बिहार इकाई के एक्स हैंडल पर पोस्ट की गई थी। अधिकारियों ने बताया कि अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 336 (जालसाजी), 340(2) (जाली दस्तावेज़ या इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड बनाना और उसे असली के रूप में इस्तेमाल करना), 352 (जानबूझकर अपमान करना), 356(2) और 61(2) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

● प्रधानमंत्री मोदी, उनकी दिवंगत मां का एआई के जरिए बनाई थी वीडियो

औद्योगिक प्लॉटों में एससी और एसटी को मिलेगा 10% आरक्षण

लखनऊ। नई औद्योगिक प्रबंधन नीति में राज्य सरकार ने औद्योगिक प्लॉटो और शेड्स के आवंटन में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति वर्ग के उद्यमियों को 10 प्रतिशत आरक्षण देने का निर्णय लिया है। प्लाट का आरक्षित मूल्य पश्चिमांचल में सबसे ज्यादा और सबसे कम पूर्वांचल व बुंदेलखंड में तय किया गया है। प्रदेश सरकार ने सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के लिए नई औद्योगिक प्रबंधन नीति 2025 में एससी और एसटी वर्ग के लिए आरक्षण का लाभ सभी क्षेत्रों पश्चिमांचल, मध्यांचल, पूर्वांचल और बुंदेलखंड में समान रूप से लागू किया है।

पीटीआर के जंगल में चीतल का शिकार, 4 शिकारियों को दबोचा

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

● चीतल का मांस, खाल और सींग समेत बाइक बरामद

अमृत विचार : पीलीभीत टाइगर रिजर्व (पीटीआर) में चीतल का शिकार करने पर वन विभाग की टीम ने चार शिकारियों को पकड़ लिया, जबकि उनके तीन साथी अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकले। शिकारियों के पास से चीतल का मांस, खाल, सींग और एक बाइक बरामद हुई है।

माला रेंज के वन दरोगा सुमित कुमार, वन रक्षक सचिन सिंह और ह्रदेश कुमार पटेल शुक्रवार शाम करीब 7.30 बजे भैरो बीट के माला कंपार्टमेंट 128 सी में गश्त कर रहे थे। इसी दौरान टीम को मुखबिर से शिकारियों द्वारा अवैध शिकार करने की सूचना मिली। टीम ने घेराबंदी कर चार शिकारियों को पकड़ लिया, जबकि तीन भाग निकले। पकड़े गए शिकारियों से चीतल का मांस, बांका और कुल्हाड़ी बरामद की गई। दो बैगों में 500-500 ग्राम चीतल का मांस बरामद हुआ।

आरोपियों ने अपने नाम शिव कुमार उर्फ छोटे पुत्र गिरधारी, भूरा पुत्र गयाप्रसाद निवासी गांव भैरोकलां थाना माधोटांडा, रीतराम पुत्र भोलेराम निवासी गांव संडई, थाना माधोटांडा और रामपाल पुत्र राम विलास निवासी गांव हरनाई थाना खुटार जनपद शाहजहांपुर बताया।

ब्रिटेन में सिख युवती के साथ दरिंदगी

लंदन। ब्रिटेन में 20 साल की सिख युवती के साथ दरिंदगी का करने मामला सामने आया है। ओल्डबरी में दो पुरुषों ने उसके साथ रेप किया और उसे नस्लीय गालिया दीं। उसे अपने देश वापस चली जाओ की धमकी भी दी गई। पुलिस ने इसे नस्लीय हमला मानते हुए जांच शुरू की है। अधिकारियों ने बताया कि यह वारदात बीते मंगलवार को सुबह लगभग 8.30 बजे के करीब टेम रोड के पास हुई। ब्रिटेन पुलिस ने दुष्कर्म के बारे में सूचना देने के लिए शुक्रवार को एक अपील जारी की। पुलिस ने इस घटना के बारे में कहा कि इसे 'नस्ली रूप से उकसाया गया हमला' माना जा रहा है।

स्वास्थ्य | मुख्यमंत्री ने राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान के स्थापना दिवस पर दी कई सौगातें

राष्ट्रहित में लिया गया निर्णय ही हमारी संस्कृति : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

● कहा-काल की गति से दो कदम आगे चलें, वरना समय पीछे छोड़ देगा

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राष्ट्र और जनहित में लिया गया निर्णय ही हमारी असली संस्कृति है। यदि कोई व्यक्ति अथवा संस्थान व्यापक दृष्टिकोण से समय के अनुरूप निर्णय लेता है, तो वह सिर्फ प्रगति नहीं करता, बल्कि समाज के लिए दिशा-निर्देशक बनता है।

डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान (आरएमएल) इसका जीवंत उदाहरण है। जिसने 19 वर्षों में 20 बेड से बढ़कर 1375 बेड का विस्तार किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में संस्थान के स्थापना दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे।

इस अवसर पर उन्होंने 298 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इनमें 50 करोड़ की गामा नाइफ मशीन और प्रदेश के पहले एडवांस्ड न्यूरो साइंसेज सेंटर की शुरुआत भी शामिल रही। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश और व्यक्ति की गति काल की गति है। यदि हम काल की गति से दो कदम आगे नहीं चलेंगे, तो काल की चपेट में आ जाएंगे। उन्होंने कहा कि आरएमएल संस्थान ने पांच वर्षों में यूपी के टॉप तीन चिकित्सा संस्थानों में स्थान बनाया है। जहां केजीएमयू 110 वर्ष पुराना है, एसजीपीजीआई चार दशकों से कार्यरत है, वहीं आरएमएल ने सिर्फ कुछ वर्षों में यह मुकाम पाया है। इससे स्पष्ट होता है कि नेतृत्व और दिशा सही है। सीएम ने कहा कि आज के युग के अनुरूप हमें हर क्षेत्र में खुद को तैयार करना होगा। सेवा पखवाड़ा के दौरान पीएचसी, सीएचसी में आरोग्य मेले लगेंगे। आरएमएल को भी इसमें हिस्सा लेना चाहिए। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, राज्य मंत्री मयंकेश्वरण शरण सिंह, प्रमुख सचिव चिकित्सा स्वास्थ्य एवं शिक्षा पार्थ सारथी सेन शर्मा, संस्थान के निदेशक प्रो. सीएम सिंह आदि उपस्थित थे।

आरएमएल संस्थान के 5वें स्थापना दिवस पर चिकित्सक का सम्मान करते मुख्यमंत्री योगी।

अमृत विचार

बरेली , रविवार,14 सितंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

कार ने बाइक में मारी टक्कर, एक की मौत

भमौरा, अमृत विचार : बिनावर थाना क्षेत्र के गांव रसूलपुर निवासी रामवीर उर्फ कल्लू शनिवार देर शाम गांव से भमोरा की तरफ आ रहा था कि सिरोही एक भट्टे के समीप पीछे से आ रही तेज रफ्तार कार ने बाइक में टक्कर मार दी जिससे बाइक सवार रामवीर डिवाइडर से टकरा गया। हेलमेट ना पहनने से उसके सिर में गंभीर चोट आ गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने वाहनों को कब्जे में लेकर घायल को अस्पताल भेजा रास्ते में अस्पताल ले जाते समय रामवीर ने दम तोड़ दिया।

पांच बाइकों सहित तीन चोर गिरफ्तार

बहेड़ी, अमृत विचार : रात में गश्त के दौरान बहेड़ी पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए चोरी की बाइकों के साथ तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें एक बुलेट बाइक का मिस्त्री और बाइकों की बिक्री करने वाला भी शामिल है। गिरफ्तार आरोपियों में वासिफ निवासी मंडनपुर, मोहम्मद सगीर निवासी मंडनपुर जनूबी और पप्पू उर्फ मोहम्मद आरिफ निवासी मोहल्ला शेखूपुर शामिल हैं। तीनों आरोपियों को सिविल कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। बहेडी पुलिस की टीम इस कार्रवाई में पुलिस टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

आंवला में वाटर फ्रीजर का हुआ शुभारंभ

आंवला, अमृत विचार : पालिका ने घेर मोहम्मद खां वार्ड नंबर 12, वार्ड नंबर 11 नालापार मदरसे के पास और मिर्जापुर पक्का तालाब पर चेयरमैन सय्यद आबिद अली ने वाटर फ्रीजर का शुभारंभ किया गया। इस दौरान राम बहादुर प्रजापति, अख्तर जाफरी, फैजान खान, कारी रजा हुसैन, छोटे खान, बंटी, दयाराम मौर्य, जितेंद्र शर्मा, प्रशांत शर्मा, आदिल शेख, किशोर सागर आदि मौजूद रहे।

98 ग्रामीणों की जांच हुई

फतेहगंज पश्चिमी : गांव धन्तिया में लगाए स्वास्थ्य शिविर में 98 ग्रामीणों की जांच कर उन्हें आवश्यक दवाएं वितरित की गई। शिविर में मलेरिया, टीबी, हैपेटाइटिस बी सहित अन्य बीमारियों की जांच भी की गई।

राजपुर कला में जमीनी विवाद में फायरिंग, 5 घायल

जिले में मारपीट की घटनाओं में 24 लोग घायल, 19 के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज, अलीगंज में हमलावर वारदात के बाद फरार, जांच जारी

संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : जिले मे अलग अलग छह क्षेत्रों में हुए भूमि विवाद में फायरिंग और मारपीट की घटनाओं में 21 लोग घायल हुए हैं।पुलिस ने 17 लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

अलीगंज। थाना अलीगंज क्षेत्र के गांव राजपुर कला में शनिवार को जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों में करीब पौन घंटे तक ताबड़तोड़ फायरिंग हुई। इसमें दोनों पक्षों के पांच लोग घायल हो गए। सूचना के एक घंटे बाद जब पुलिस पहुंची तब तक दोनों पक्षों के लोग फरार हो चुके थे। पुलिस ने एक ट्रैक्टर बरामद किया है।

अलीगंज–सिरौली मार्ग पर पेट्रोल पंप के सामने स्थित 44 बीघा जमीन को लेकर यह विवाद वर्षों से चल रहा है। जमीन स्वर्गीय प्यारेलाल उर्फ वफ़ा साहब की थी। जमीन पर लंबे समय से दो पक्षों के कब्जे का दावा चला आ रहा है। एक पक्ष दौलतराम व उनके पुत्र रामू के नाम वसीयत दिखाकर 40–45 वर्षों से कब्जे में है, जबकि दूसरा पक्ष (प्यारे लाल के परिजन—सुरेंद्र सिंह, रविंद्र सिंह, वीरेश पाल सिंह, बालू सिंह, प्रेम

हमले में घायल सुरेश। ● अमृत विचार

सिंह पाल सिंह) ने कोर्ट में दावा किया और उनके नाम खतौनी में दर्ज भी हो गया। इसके बावजूद कब्जा सूरजपाल सिंह के परिजनों के पास ही रहा।

शनिवार को दूसरे पक्ष के लोग जमीन जोतने पहुँचे। इसे रोकने के लिए प्रथम पक्ष के लोग भी पहुँच गए। दोनों पक्षों में फायरिंग हो गई, जिसमें पाँच लोग घायल हो गए। जिसमे राहुल (26 वर्ष) अतुल यादव (33 वर्ष) सुरेश सिंह (62 वर्ष) वीरेश सिंह (70 वर्ष) अनूप सिंह (24 वर्ष) घायल हुए हैं।

सूचना पर आंवला सीओ नितिन कुमार और अलीगंज थाना प्रभारी रजित राम पुलिस बल के साथ मौके पर पहुँचे। समाचार लिखे जाने तक कोई तहरीर नहीं दी थी।

बिजली को लेकर दो पक्षों में मारपीट, सात घायल

भमौरा, अमृत विचार : ट्रांसफार्मर से बिजली का बार बार फेज बदलने को लेकर हुई मारपीट में सात लोग घायल हो गये हैं। मारपीट का मुकदमा दर्ज किया गया है। थाना क्षेत्र के गांव मिलक मझारा निवासी सोहन पाल बताया कि गांव का एक बिजली ट्रांसफार्मर खराब चल रहा है। दूसरे ट्रांसफार्मर से गांव की बिजली चल रही है। तीन चार दिन से गांव निवासी दिनेश पूर्व मे संविदा पर लाइनमैन था बार-बार फेस चेंज कर दे रहा था। शुक्रवार शाम शिकायत करने पर गांव निवासी दिनेश आपने साथ देवेंद्र, बबलू, राम सिंह, बाबूराम, पन्नालाल, पंकज, धारासिंह, अजय सिंह, राम श्री के साथ कुछ अज्ञात लोग घर पर आ गाली गलौज करने लगे विरोध करने पर भाई लाला राम, ओम प्रकाश, महेंद्र पाल, आशा व ईश्वर वती को मारपीट कर घायल कर दिया। दूसरे पक्ष के देवेंद्र के भी चोटे आई है। थाना पुलिस ने सभी घायलों को उपचार के लिए भेजा। एसओ भमोरा सनी चौधरी ने बताया कि सोहनपाल की तरफ से मुकदमा दर्ज कर लिया गया है वहीं देवेंद्र की तहरीर पर जांच की जा रही है। जेई भमोरा विजय प्रताप सिंह ने बताया कि दिनेश कोई संविदा कर्मी नहीं है।

दबंगों ने दिव्यांग व भाई को पीटा, चार पर रिपोर्ट

कैंट, अमृत विचार : गांव जल्लापुर रामदयाल निवासी होरीलाल ने बताया, कि वह दिव्यांग हैं। उनके खेत में धान लगा है। खेत में बाढ़ का पानी भरने से उसमें मछलियां आ गई हैं। शुक्रवार को गुलाब नगर झिंगरी निवासी पप्पू, जमुना प्रसाद, पूरन, नन्हे उनके खेत में मछलियां पकड़ रहे थे। जिससे उनकी फसल को नुकसान हो रहा था। उन्होंने मछलियां पकड़ने से मना किया तो दंबगों ने उन्हें पीट दिया। बचाने आए उनके भाई बृजेश को भी पीट दिया। चार लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

उधार के रुपये मांगने पर दो पक्षों में मारपीट

भोजीपुरा, अमृत विचार : । गांव भूड़ा निवासी राहुल साहू के गांव के ही राहुल जाटव पर उधार के 8000 आ रहे थे। राहुल साहू अपने रुपये मांगने गया तभी राहुल जाटव ने रुपये देने से इंकार कर दिया और गंदी गंदी गालियां देने लगा। पीड़ित का आरोप है कि जब उसने गालियां देने पर विरोध जताया तो आरोपी ने परिवार की महिला के साथ लाठी डंडों से मारना शुरू कर दिया।मां गंगादेई व बहन राधा बचाने पहुंची तो हमलावरों ने उनकी भी पिटाई कर दी। पुलिस ने राहुल जाटव व महिला नन्ही देवी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

उपले थोपने में हुए विवाद में एक का पैर तोड़ा

फतेहगंज पश्चिमी, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव औंध में उपले थोपने की जगह को लेकर भगवान दास और ठाकुरदास के बीच चल रहे विवाद में शनिवार को बड़ा रूप ले लिया। शनिवार की सुबह भगवान दास मजदूरी के लिए परसाखेड़ा जा रहे थे, तभी ठाकुरदास, पत्नी पिंकी व उज्जवल ने उन्हें रास्ते में घेर लिया। गालियां देने के बाद भगवान दास पर लाठी-डंडों से बर्बर हमला कर दिया। हमले में भगवान दास गंभीर रूप से घायल हो गए और उनका एक पैर टूट गया। घायल भगवान दास ने बताया कि आरोपियों ने उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी थी। यदि गांव के अन्य लोग प्रभु दयाल, कमलेश, प्रेम बिहारी राजू न आते, तो उनकी हत्या कर दी जाती। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

अस्पताल में भर्ती घायल।

किराना दुकानदार पर हमला, रिपोर्ट दर्ज

आंवला, अमृत विचार : किराना दुकानदार पर गांव के ही एक व्यक्ति ने अज्ञात लोगों के साथ हमला कर दिया। मामला दो समुदाय का होने के कारण सूचना पर भारी संख्या में पुलिस बल पहुंच गयी। पुलिस ने मामले को शांत कर पीड़ित की ओर से एक नामजद और अज्ञात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।मनौना गांव निवासी इमरान ने बताया कि शुक्रवार की रात्रि करीब 8 बजे वह अपनी किराने की दुकान पर बैठा था। इसी बीच गांव के जगमोहन सिंह उर्फ कल्लू, अज्ञात व्यक्तियों के साथ लाठी, हॉकी और तमंचे के साथ उसकी दुकान पर आ गये। उन्होंने उसके साथ मारपीट की। उसे बचाने गांव का ही सद्दाम आया तो तमंचे लहराते हुए जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गये। पुलिस ने शिकायत के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच आरम्भ कर दी है।

शाम को लापता हुआ युवक, सुबह पहुंचा घर

मीरगंज, अमृत विचार: थाना क्षेत्र के गांव धन्तिया के मझरा खुदागंज निवासी ओमपाल वर्मा शुक्रवार शाम सात बजे मोबाइल की दुकान बंद करके घर नहीं पहुंचे। अनहोनी जानकर परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। शुक्रवार की रात में ही थाना पुलिस ओमपाल वर्मा की तलाश में जुट गई। शनिवार को वह सुबह नौ बजे वह अचानक अपने घर आ गया।

सिरौली चौराहे पर मोबाइल रिपेयरिंग की दुकान चलाने वाले ओमपाल ने बताया कि शुक्रवार शाम 7 बजे दुकान बंद करके वह मोबाइल का सामान लेने बरेली जा रहा था। सिंधौली चौराहे से वह गाड़ी में बैठा। उसमें पहले से एक महिला पुरुष बैठे थे। वह बरेली किला पहुंचे। वहां उन्होंने रास्ते में ओमपाल से पानी की बोतल का ढक्कन खोलने को कहा तो उसने ढक्कन खोल दिया।

ढक्कन खोलते ही ओमपाल बेहोश हो गए। उनके पास रखे दस हजार रुपए निकल गये थे। मोबाइल उसी की जेब में रहा। उसके बाद उसे कुछ नहीं पता चला। सुबह जब उसकी आंख खुली तो वह किला के आसपास मिला। वहां से अपने घर के लिए वाहन में बैठा और घर पहुंचा।

सांड़ के हमले में युवक की मौत, पत्नी घायल

संवाददाता, नवाबगंज/रिठौरा

अमृत विचार : ससुराल जा रहे पति-पत्नी की बाइक आवारा सांड से टकरा गई जिसमें पति की मौके पर ही मौत हो गई पत्नी भी गंभीर रूप से घायल हो गयी जिसे शहर के अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती करवाया गया है।

मृतक अशफाक।

थाना हाफिजगंज के गांव कुंवरपुर बंजरिया निवासी अशफाक शुक्रवार रात 9 बजे बाइक से कस्बा सेंथल से सटे गांव लाडपुर उस्मानपुर जा रहे थे। उनके साथ में पत्नी गुलनाज भी थी। हाफिजगंज से निकलते ही कर्बला के समीप आवारा सांडों का झुंड था। अचानक सांड सड़क पर दौड़े तो बाइक उससे टकरा गई। एक सांड ने अशफाक को सींग से टांक कर घुमा दिया। सांड का सींग अशफाक के शरीर के आरपार हो गया। राहगीरों की मदद से बुरी तरह घायल हुए दंपति को शहर अस्पताल भिजवाया जहां डाक्टरों ने अशफाक को मृत घोषित कर दिया। जबकि पत्नी गुलनाज की हालत नाजुक बनी हुई है।

अशफाक की पहली पत्नी की दो वर्ष पूर्व मौत हो चुकी थी। पहली पत्नी से उन्हें 5 वर्षीय बेटा और 3 वर्ष की बेटी है। एक साल पहले लाड़पुर गांव से दूसरी शादी की थी। घटना के बाद बंजरिया गांव और आसपास के क्षेत्रों में शोक का माहौल है।

बहेड़ी व नबावगंज मिल को गन्ना नहीं देंगे किसान

संवाददाता, भोजीपुरा

● सहकारी गन्ना समिति की एजीएम में गन्ना किसानों का विरोध खुलकर आया सामने

अमृत विचार : सहकारी गन्ना विकास समिति की एजीएम में किसानों का ग़ुस्सा खुलकर सामने आया। गन्ना मूल्य का भुगतान न देने वाली नबावगंज व बहेड़ी की चीनी मिलों को इस बार गन्ना नहीं देंगे। किसानों ने संबंधित क्रय केंद्रों को अन्यत्र चीनी मिलों को ट्रांसफर करने का मुद्दा उठाया।

बैठक में किसानों ने गन्ना घटतौली का मुद्दा उठाते हुए मामले में प्रभावी कार्रवाई की मांग की। बैठक में आए मीरगंज चीनी मिल के प्रबंधक ने भोजीपुरा गन्ना समिति से चार गन्ना क्रय केंद्रों को देने की मांग की। एल एच के चीनी मिल पीलीभीत के उपाध्यक्ष केवी शर्मा ने कहा वह प्रत्येक सप्ताह में गन्ना मूल्य का भुगतान करते हैं। मिल की ढाई करोड़ कुंतल की क्षमता है। उन्हें दो करोड़ कुंतल गन्ना मिलता है। उन्होंने भी चार गन्ना क्रय केंद्रों की मांग रखी।

फरीदपुर चीनी मिल के एजीएम केन उपेंद्र उपाध्याय ने मिल की विशेषता बताते हुए चार गन्ना क्रय केंद्रों की मांग की। नबावगंज चीनी मिल से कोई प्रतिनिधि बैठक में शामिल नहीं हुआ। इस अवसर पर सांसद छत्रपाल गंगवार ने कहा किसान दृढ़ संकल्प करें कि बहेड़ी और नबावगंज को गन्ना किसी कीमत नहीं देंगे। उन्होंने कहा सेमीखेड़ा सहकारी चीनी मिल है। यहां घटतौली करके किसानों का आर्थिक शोषण किया जाता है। बैठक में जिला गन्ना अधिकारी व सेमीखेड़ा चीनी मिल के प्रधान प्रबंधक के न आने पर सांसद ने कहा इन दोनों का कुछ दिनों नशा उतारना पड़ेगा। विधान परिषद सदस्य बहोरन लाल मौर्य ने कहा बहेड़ी चीनी मिल की जब नीलामी की नौबत आई तो गन्ना मूल्य की बकाया धनराशि का कुछ भुगतान किया है। जिलाध्यक्ष सोमपाल शर्मा ने कहा कि चीनी मिलें उन्नत प्रजातियों के बीज रोगों की रोकथाम के लिए बेहतर दवाएं भी किसानों को दें। 17 प्रस्ताव पारित किये गये।

कैंट में बंद मकान के ताले तोड़कर लाखों के जेवरात व नकदी चोरी

कैंट, अमृत विचार : बंद मकान का ताला तोड़कर चोरों ने लाखों के जेवरात और नगदी पर हाथ साफ कर दिया है। सीसीटीवी में घटना कैद हो गई है। महिला ने पड़ोसी शोभित व उसके अज्ञात साथियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

थाना क्षेत्र कांधरपुर स्थित गोकुलधाम कॉलोनी निवासी सोनी श्रीवास्तव ने बताया कि वह 11 सितंबर की शाम घर में ताले लगाकर दातागंज गई थीं। अगले दिन पड़ोसी ने घर के ताले टूटने की सूचना दी। यहां आकर देखा तो अंदर चैनल का ताला टूटा था, सारा सामान बिखरा पड़ा था। घर में रखी 22 हजार की नकदी, दो तोला सोने की चेन, दो सोने की अंगूठी, मंगलसूत्र सहित काफी जेवरात पति की पासबुक गायब थी। सीसीटीवी कैमरे चेक किए। तो पता चला, कि पड़ोस में रहने वाला शोभित तथा उसके साथ एक अज्ञात व्यक्ति फुटेज में नजर आ रहे हैं। महिला ने शुक्रवार देर रात रिपोर्ट दर्ज कराई है।

तालाब की भूमि पर अवैध निर्माण, चला बुलडोजर

मीरगंज, अमृत विचार: शीशगढ़ में सरकारी तालाब पर अवैध कब्जा कर कराये गये निर्माण पर शनिवार को तहसील प्रशासन ने बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया।

राजस्व रिकार्ड में दर्ज तालाब के 40 वर्ग मीटर हिस्से पर कस्बा निवासी वसीम ने कब्जा कर चौहददी का निर्माण करा दिया था। अतिक्रमण के मामले में गिरधरपुर के एक व्यक्ति ने उच्च न्यायालय में रिट दायर की थी।

कोर्ट ने वादी पक्ष की दलीलें स्वीकार करते हुए बेदखली के आदेश दिए थे। शनिवार को हाईकोर्ट के निर्देशों के तहत तहसीलदार आशीष कुमार सिंह, राजस्व निरीक्षक जुगेंद्र पाल सिंह ने पुलिस फोर्स के साथ पहुंचकर तालाब की भूमि की नपाई की और अतिक्रमण वाले क्षेत्र पर बुलडोजर चलाया।

अवैध निर्माण ध्वस्त कराया।

फेरी से लौट रहे युवक पर हमला

नवाबगंज: बरखना गांव निवासी धनदेई पत्नी दुर्जन लाल मे थाने मे दी तहरीर बताया कि पुरानी रंजिश के चलते फेरी से घर लौट रहे पति दुरजन सिंह पर दबंगों ने जानलेवा हमला कर दिया। आरोपियों ने पहले रास्ते में रोककर पीटा और फिर घर में घुसकर लाठी-डंडों व धारदार हथियारों से मारपीट की। युवक को बाल पकड़कर घसीटा भी गया।

बाढ़ से कटी सड़क को शीघ्र बनवाएं अफसर

नगरिया कलां गांव में बाढ़ से कटी पक्की सड़क का निरीक्षण करते सांसद छत्रपाल सिंह गंगवार एवं एमएलसी बहोरन लाल मौर्य। ● अमृत विचार

संवाददाता, शेरगढ़

● सांसद ने कहा कि सड़क की ओर मुड़ रही नदी को पुल की ओर मोड़ने की योजना तैयार कराएंगे

अमृत विचार : क्षेत्रीय सांसद छत्रपाल सिंह गंगवार ने बाढ़ प्रभावित गांव नगरिया कलां का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने किसानों की समस्याओं को सुना तथा अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए।

शनिवार को एमएलसी बहोरन लाल मौर्य तथा चेयरमैन बुद्धसेन मौर्य के साथ क्षेत्र के दौरे पर निकले क्षेत्रीय सांसद छत्रपाल सिंह गंगवार ने गांव नगरिया कलां स्थित शिव मंदिर पर ग्रामीणों की समस्याओं को सुना। इस दौरान किसानों ने बाढ़ के दौरान भू-कटान में बर्बाद हुई गन्ना आदि फसल का मुआवजा की मांग रखी।

उन्होंने लेखपाल दीपक गंगवार को बाढ़ से प्रभावित फसलों का सर्वे कर रिपोर्ट प्रेषित करने को कहा। उन्होंने नगरिया कलां-कमालपुर गांव के बीच बाढ़ से कटी पक्की सड़क का निर्माण कराने के निर्देश दिए। सांसद छत्रपाल सिंह गंगवार ने कहा कि सेतु निगम द्वारा निर्मित रोड की ओर मुड़ रही नदी को पुनः पुल की ओर मोड़ने के लिए योजना तैयार कराई जाएगी ताकि नदी का रुख पुल की ओर मुड़ सके और पक्की सड़क को दूसरे छोर से नदी के कटान में समाने से बचाया जा सके।

इस अवसर पर पूर्व मंडलाध्यक्ष ठाकुर वीरपाल सिंह, बलवंत सिंह गंगवार, रमेश गंगवार, चंद्रपाल गंगवार, प्रेम शंकर मौर्य, उग्रसेन राठौर, बाबू राम गंगवार, सत्यपाल मौर्य, भानु प्रताप श्रीवास्तव, आकाश गंगवार, नवनीत मौर्य, प्रदीप सिंह, लक्ष्मन शर्मा आदि रहे।

दाँतों में तकलीफ
अब कोई चिन्ता नहीं!

ग्लोबल डेन्टल हॉस्पिटल एण्ड इम्पलान्ट सेन्टर
डॉ० एम.बी. गौतम
बी.डी.एस.
(वरिष्ठ मुख एवं दन्त रोग विशेषज्ञ)
उपलब्ध सुविधायें
- शादी से पहले स्माईल डिजाइन अवश्य करायें।
- दांतों की सफाई विदेशी तकनीक द्वारा (Ultrasonic scaler)
- हिलते हुए दांतों को जाम करना।
- दांतों की नसों का इलाज Root Canal Treatment, (Single Siting RCT)
- मसूड़ों से खून आना/बदबू आना व पायरिया का इलाज।
- दांतों में ठण्डा व गर्म पानी लगने का इलाज।
- सड़े गले दांतों को बना तकलीफ के निकालना (Laser Filling)
- टेड़े-मेढ़े, ऊँचे-नीचे दांतों का इलाज। (Fix Braces)
- डेन्टल इम्प्लांट द्वारा दांत लगाना। (Zirconia Crown/ Bridges)
- मुलायम जबड़े की बत्तीसी (Flexible/RPD)
- गुटखे की वजह से मुंह कम खुलने का इलाज।
- एक्सीडेन्टल टूटे जबडे व अक्कल दाढ़ की सर्जरी की सुविधा
सम्पर्क करें:-
9997317000, 0581-4508701
स्थान परिवर्तन
प्रभा टाकीज के सामने वाली रोड, महाजन स्क्वायर 35/के रामपुर गार्डन, जीवन ज्योति अस्पताल के बराबर में, बरेली

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY
अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005

बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ
- 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
- बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
- आयुष्मान/सीजीएचएस/ ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
- कैशलेस ईलाज

हर्षिल हॉस्पिटल
क्रिटिकल केयर एण्ड पेन सेन्टर
डॉ. हिमांशू वर्मा
MBBS, MD, FICM, FIPM
क्रिटिकल केयर एवं पेन फिजिशियन
Advanced ICU & OT 24x7 Emergency Operation | TPA/कैशलेस की सुविधा उपलब्ध
पताः- प्लाट नं. 4 राघव पेट्रोल पम्प के सामने, बुखारा, बरेली
Mob : 9458702280, 8937810741

ADITYA आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें
बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा
अल्ट्रासाउण्ड द्वारा पर्दे की जांच की सुविधा उपलब्ध
IOL Master 700 द्वारा लेंस का नम्बर
लेजर द्वारा आँख की झिल्ली हटाने की सुविधा उपलब्ध
बी-स्कैन द्वारा पर्दे की जाँच उपलब्ध
OCT द्वारा काला पानी एवं पर्दे की जाँच व उपचार
8077344353
समय :- प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री ऑपरेशन की सुविधा
80000 से अधिक आँखों के ऑपरेशन का अनुभव
TPA सुविधा उपलब्ध

डॉ. आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS, DNB, MNAMS
CARARACT, REFRACTIVE & GLAUCOMA SURGEON
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
7906732664, 8445507002

आवश्यकता है
कक्षा N.C. से VIIIth हेतु अनुभवी फीमेल टीचर्स की (सैलरी योग्यतानुसार)
Interview
15 सितम्बर 2025
समय सुबह 11 बजे से 1 बजे तक
एल.बी.एस. कॉन्वेंट स्कूल
निकट होली चौराहा, संजय नगर, बरेली।
7060189500, 8533037097

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाबालिग पुत्र सक्षम श्रीवास्तव आधार संख्या 8053 8853 6941 आयु 14 वर्ष को मैंने अपनी स्वेच्छा से बिना किसी जोर-जबरदस्ती, दबाव या प्रलोभन के सिख धर्म अपनाने का निर्णय लिया है। अब मेरे पुत्र का नाम दिलजीत सिंह होगा। मनजीत कुमार श्रीवास्तव पुत्र श्री राम रतन निवासी मोहल्ला देशनगर निकट आई.टी.आई. जिला पीलीभीत।

स्वामी शुकदेवानन्द कॉलेज
मुमुक्षु आश्रम, शाहजहाँपुर-242226
आवश्यकता है
स्ववित्तपोषित योजनान्तर्गत निम्न विषयों के असि0 प्रोफेसर की योग्यता एवं अनुभव यू0जी0सी0 एवं एम0जे0पी0 रूहेलखण्ड विश्व विद्यालय के नियमों के अनुसार विज्ञापन की तिथि से 02 सप्ताह के अन्दर पंजीकृत डाक द्वारा अथवा स्वयं उपस्थित होकर समस्त अभिलेखों की 02 सत्यापित प्रतियों सहित आवेदन करें।
बी0सी0ए0 02
एम0एस0सी0 गणित 02
सचिव
प्रबन्ध समिति

सूचना
मैंने अपने सगे भाई हरीमोहन एवं सगी बहन सुनीता पत्नी स्व. गौरीशंकर से उनके गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण उनसे अपने सम्बन्ध विच्छेद कर लिये हैं। भविष्य में उनके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य का मुझसे व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य से कोई सरोकार नहीं होगा। सुनील कुमार पुत्र स्व. श्री राम लाल निवासी 56 किशोर बाजार, बिहारीपुर कोतवाली, जिला बरेली (उ.प्र.)

REQUIREMENT
Senior Accountant
having perfect knowledge of Tally, GST, TDS, Income Tax
Salary negotiable as per expertise.
Contact :
7037715555, 9045052110

श्री महंत सुखदेवपुरी डिग्री कालेज
विलन्दपुर अशोक, पूरनपुर, पीलीभीत (उ.प्र.)
सभी को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त कॉलेज की प्रबन्ध समिति का चुनाव दिनांक 17.09.2025 को होना सुनिश्चित किया गया है।
सोनिया चौहान
सचिव

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र बाबू व उसकी जेवा को उनके गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण उन्हें अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उनके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य का मुझसे व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य से कोई सरोकार और वास्ता नहीं होगा। इदरीश वर्ष पुत्र इम्तयाज निवासी- ग्राम खिरवारा सिरासौल पट्टी तहसील बिल्सी, बदायूं

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

अमृत विचार

लोक दर्पण

रविवार, 14 सितंबर 2025 www.amritvichar.com

हिन्दी दिवस पर विशेष

जन, संपर्क और व्यवहार
हिन्दी भाषा का आधुनिक संदर्भ

अनुराग पाण्डेय
शिक्षक

भाष्यते इति भाषा अर्थात् जो बोला जाए वह भाषा। इस कथन से स्पष्ट है कि प्रथमत : भाषा का वाणीरूप जिसे मौखिक भाषा कहते हैं, की महत्ता लिखित भाषा से ऊपर है। उपनिषदों में अक्सर ऋषि कहते हैं या ऋषि का कथन है से किसी तथ्य या सत्य का उद्घाटन और प्रस्फुटन होता है। स्वाधीनता प्राप्त भारत के लिए जो प्रश्न सबसे ज्यादा उलझाऊ और माथे पर शिकन लाने वाले रहे, उनमें भाषा का प्रश्न सर्वोपरि रहा है। भाषा के विवाद और बिखराव से अनेक बार क्षेत्रीय विप्लव उपद्रव भी हुए और राज्यों का विभाजन तथा निर्माण भी। भाषाई आधार पर राज्यों का निर्माण इस भाषा-विडंबना की सशक्त गवाही है। भारत के विस्तृत और घने क्षेत्र की भाषा हिंदी, भारत की जनवाणी या कहें बोलचाल की हिंदी ही जनसामान्य की व्यवहृत भाषा रही है और अंतत : जनता की भाषा हिंदी ही है। भारत का सामान्य नागरिक अपनी पीड़ा और आनंद दोनों सबसे अधिक हिंदी में व्यक्त करता है। प्रसार और प्रभाव की दृष्टि से भारत में सीधे-सीधे एक दर्जन राज्यों में हिंदी अधिकांश जनता की भाषा है।

सुव्यवस्था का आधार है भाषा

संपूर्ण मानव इतिहास से लेकर आजतक, समकालीन विश्व सबसे सुगठित एवं सुसंगठित व्यवस्था में है। इस सुव्यवस्था का आधार है भाषा और राज्य। राज्य में जन और भूमि के साथ संप्रभुता के जितने भी अस्तित्व और प्रशस्ति के जीवंत प्रतीक तथा प्रमाण हैं, उनमें भाषा सबसे सजीव प्रमाण है। भाषा जल ही जीवन की तर्ज पर मानव की समस्त गाथा है। भाषा जीवन है। राज्य यूं तो भूमि और जन से बनता है, किंतु राज्य की समस्त परिभाषाओं में राजभाषा शायद ही कभी राज्य के अंग के रूप में सम्मिलित रही हो। हालांकि राज्य के अर्थ, विचार, परिभाषा, विमर्श में भाषा के बिना भला कोई क्या कह या बता सकेगा? आज के विश्व मंच पर राज्य की पहचान भाषा से भी हो रही है और भाषा तथा मुद्रा के प्रसार तय कर रहे हैं कि राज्य कितना प्रभाव संपन्न और शक्तिशाली है। देखा जाता है कि जब विकसित देशों की बातें होती हैं तो उसमें उनकी अपनी भाषा का वर्णन अवश्य आता है जैसे स्पेन, जापान, रूस, फ्रांस, जर्मनी और चीन आदि देशों ने जो उन्नति प्रगति की है और जिस तरह वे विश्व के अग्रणी विकसित देशों की पंक्ति में सुशोभित हैं, उसमें उनका अपनी भाषा में शिक्षण, ज्ञानार्जन और तकनीकी तथा विज्ञान शोध का होना है। ये देश अपनी भाषाओं में अपने प्रशासन और व्यवस्था को बखूबी चलाते आए हैं। साथ ही दुनिया के प्रत्येक क्षेत्र में अपनी भाषाओं के प्रभाव और शब्दावली का लोहा मनवाया है। इसके पीछे इनके प्रयास और स्वाभिमानी अंतर्दृष्टि तथा अदम्य इच्छाशक्ति रही है। किसी भाषा की उन्नति में उसका आधुनिक संदर्भ में प्रासंगिक और उपयोगी होना मुख्य है। यदि भाषा अत्याधुनिक विश्व व्यवस्था और विज्ञानपरक, तकनीकी दक्षता तथा नागरिक संदर्भों को सकुशल व सक्षम तरह से पूर्ण करने में सफल है तो उसे आधुनिक कहा जाएगा। राजभाषा का आधुनिक होना तो और भी आवश्यक है, क्योंकि नित्य राजकीय कार्य में अनेक नए-नए पड़ाव आते हैं, जिनमें भाषा की दक्षता के विविध रूप उपयोग में लाए जाते हैं। अनेक समझौते और संधियां, शासन तथा प्रशासन के कार्य जनता के बीच कैसी भाषा में पहुंचते हैं और कितने सरल ग्राहय हैं, यह राजभाषा की आधुनिक दक्षता को प्रकट करते हैं। हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी समवेत स्वर में बधाई और अभिनंदन के पात्र हैं कि वे विदेशों में अपने समकक्ष राष्ट्र प्रमुखों, कार्यकारियों के साथ सदैव हिंदी में अपनी बात रखते हैं। प्रधानमंत्री की इस समर्पित भाषाई दृढ़ता से भारत का मान बढ़ा है और देश में हिंदी के प्रति स्वीकार्यता बढ़ी है। दुनियाभर में व्हाइट हाउस से लेकर फ्रांस-रूस चीन समेत अनेक देशों के सत्ताकेंद्रों और राजधानियों में हिंदी स्वर की गर्जना हुई है।

संपूर्ण भारत में लगभग नब्बे करोड़ लोग सीधे हिंदी भाषा का प्रयोग प्राथमिक भाषा के रूप में करते हैं। मनोरंजन के क्षेत्र में तो हिंदी फिल्मों, हिंदी गीतों और हिंदी धारावाहिकों, साहित्य कथा कहानी नाटकों धारावाहिकों ने भारतभर में अपनी उपस्थिति और धूम मचाई। कोई बता सकता है कि श्याम बेनेगल के "भारत एक खोज" जैसा धारावाहिक, बुनियाद जैसा, तामस जैसा कोई धारावाहिक अंग्रेजी में भारत की जनता के बीच प्रचलित या लोकप्रिय हुआ है। पंजाब, बंगाल, उत्तर-पूर्व, जम्मू-कश्मीर, महाराष्ट्र समेत भारत के अधिसंख्य प्रदेशों में हिंदी सरल व्यवहृत और सहज स्वीकृत भाषा बन चुकी है। हिंदी का थोड़ा बहुत यत्र-तत्र विरोध एकाधिक प्रदेश में क्षेत्रीय दंभ और पहचान के कारण है, जो लगभग उपेक्षनीय और निःसंदेह हिंदी हमारे देश की सार्वत्रिक व्यापक जनभाषा है। जनभाषा को अंग्रेजी में लिंगुआफ्रांका कहते हैं।

राष्ट्रभाषा बनाने में एआई की मदद

भारत में अक्सर यह प्रश्न उठाया जाता है कि भारत की कोई भी राष्ट्रभाषा नहीं है यद्यपि हिंदी भारत की राष्ट्रभाषा है, किंतु लोग इसे राजभाषा कहकर, जो कि संविधान इसे घोषित करता है। इसके राष्ट्रभाषा स्वरूप पर सवाल उठाते हैं। राष्ट्रभाषा के रूप में देवनागरी लिपि को अपनाते हुए हमें एक बड़ा अभियान चलाना होगा। यह राष्ट्रभाषा अभियान भारत की समस्त भाषाओं को संस्कृत और हिंदी की परिधि में समाहित करके एक व्यापक और विस्तृत राष्ट्रभाषा स्वरूप की रचना के रूप में सफल किया जा सकता है। ऐसा अभियान विगत दस वर्षों से एक भारत श्रेष्ठ भारत के माध्यम से भारतीय भाषा उत्सव के आयोजन से किया जा रहा है। यदि समस्त भारतीय भाषाओं को एक-एक करके राष्ट्रभाषा का स्वरूप तय किया जाए तो वह विश्व की सबसे सक्षम भाषा हो सकती है, क्योंकि समस्त भारतीय भाषाओं को मिलाकर हिंदी और संस्कृत के साथ लगभग डेढ़ करोड़ शब्दों का शब्दकोश तैयार होगा, जिसके सामने विश्व की कोई भी भाषा नहीं ठहरती है। ध्यान रहे अंग्रेजी के अब तक के प्रकाशित किसी भी शब्दकोश में 10 लाख से अधिक शब्द नहीं हैं। आज के तकनीक संपन्न युग में जबकि कृत्रिम बुद्धिमता या आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से न जाने कितने असंभव कार्यों को संभव किया जाने लगा है। ऐसे में यह दिलचस्प होगा की समस्त भारतीय भाषाओं को मिलकर भारत की राष्ट्रभाषा बनाई जाए। यदि भारत ऐसा करने में सक्षम हो पाया तो राष्ट्रभाषा का प्रश्न सदैव के लिए हल किया जा सकता है। इस फैसले में हमें दृढ़ इच्छाशक्ति और राजनीतिक रूप से भारत के जनता को एक सूत्र में बांधने की जरूरत होगी। सभी की हिस्सेदारी जब हमारी राष्ट्रभाषा में होगी तो वह सबको स्वीकृत होगी। जैसे राष्ट्रगान और राष्ट्रीय प्रतीक चिन्ह में अंकित हमारे शब्द और बोध वाक्य या ध्येय कथन मोटेतौर पर सर्वस्वीकृत हैं। हिंदी को हमें जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में स्थान देना चाहिए।

संस्कृत प्रसूत हिन्दी हमारे संस्कार की भाषा

संस्कृत प्रसूत हिंदी हमारे संस्कार की भाषा है। जब-जब हमें अपने अस्तित्व और कृतित्व के परिष्कार की आवश्यकता महसूस होती है तब तक हम संस्कृत की ओर लौटते हैं। हमारे भारत देश का नाम संस्कृत में है। भारत की जनता के अधिकतर नाम संस्कृत में भारत के प्रदेशों, नगरों और स्थानों तथा भौगोलिक स्थलों के नाम संस्कृत में हैं। हमारे देश का नाम भारतवर्ष है। सहज ही प्रश्न उठाना चाहिए कि भारतवर्ष में वर्ष का क्या अर्थ है? भारत का अर्थ तो अक्सर हमारे प्रतापी पूर्वज शकुंतला और दुष्यंत के पुत्र राजा भरत के नाम पर बताया जाता है, किंतु नामकरण के साथ हमारे समस्त अस्ति-प्रशस्ति की पहचान जुड़ी है। कार्यालयों, प्रतिष्ठानों चाहे वे सरकारी हों या निजी क्षेत्र के सभी जगह पर्याप्त और प्राथमिक रूप से हिंदी के देवनागरी प्रचार-प्रसार को स्थान मिलना ही चाहिए। राजभाषा मुख्यत : दो तरह से सामान्य भाषा से अलग होती है। एक तो अपनी पारिभाषिक शब्दावली में और दूसरे अपने संक्षिप्त रूपों में। राजभाषा में मानकीकरण की व्यवस्था इसीलिए की गई ताकि एक ही शब्द या शब्दांश, वाक्य या वाक्यांश के अलग-अलग एवं भ्रमित कर देने वाले अर्थ न हों। इस दिशा में पारिभाषिक शब्दावली का निर्धारण एवं भाषा का मानकीकरण बड़ी भूमिका अदा करता है। पारिभाषिक शब्दावली और वह भी आधुनिक संदर्भ में जिसमें नित्य नए शब्दरूप समाहित हो रहे हों कोई आसान काम नहीं है। हिंदी की पारिभाषिक शब्दावली का विकास हुआ है और इसमें किए गए प्रयास सराहनीय हैं। आज लगभग सभी प्रकार का पत्राचार, कार्यालय-कार्य राजभाषा हिंदी में संपन्न हो पा रहा है तो इसका एक बड़ा श्रेय राजभाषा की पारिभाषिक शब्दावली एवं उसके मानकीकरण के महत्वपूर्ण कार्य को जाता है। राजभाषा हिंदी केवल उन्हीं प्रदेशों के लिए नहीं जहां की मातृभाषा या राज्य भाषा हिंदी है, बल्कि उन प्रदेशों और क्षेत्र के लिए भी है, जहां की मातृभाषा या राजभाषा हिंदी नहीं है अपितु कोई अन्य भारतीय भाषा है। ऐसे में राजभाषा हिंदी को और अधिक लोकप्रिय लोकग्राहय होने के लिए आधुनिक होने की जरूरत होगी। इस आधुनिकीकरण की प्रक्रिया में भारतीय भाषाओं की शब्दावली को भी राजभाषा को अपने में समाहित करना होगा। देखा जाए तो समस्त भारतीय भाषाओं के शब्दों और संस्कृति तथा हिंदी के शब्दों को जोड़कर यदि कोई संयुक्त भाषा कोष बनाया जाए, जिसे राजभाषा के कार्यों में मानकीकरण के बाद इस्तेमाल किया जाए तो यह विश्व की सबसे बड़ी भाषाई निधि साबित होगी। आज आभासी दुनिया में अनेक नए-नए साधन राजभाषा प्रयोग को सरल बना रहे हैं। जैसे एआई संचालित अनुवाद और प्रारूपण, जिसमें समय और श्रम भी बचता है और कार्य की गुणवत्ता भी सुधरती है। आज पलक झपकते ही हम पत्राचार करते हैं, ई-मेल और संदेश लिखते हैं तथा ई-ऑफिस की मदद से कार्यालय काम-काज में वृहत्तर तेजी और पारदर्शिता आई है।

यूं तो संविधान का कथन है कि हिंदी का विकास प्राथमिक रूप से संस्कृत और उसके शब्द भंडार से किया जाए। इस विकास में हिंदी की अपनी प्रकृति और शैली का विशेष ध्यान रखा जाए, किंतु निरंतरता और आवश्यकता के अनुरूप अब विश्व की अन्यान्य भाषाओं के शब्दों को भी जैसे अरबी, फारसी, अंग्रेजी आदि के शब्दों को हमें अपनी राजभाषा में प्रयोग करने का अभ्यास करना होगा। भाषा की आधुनिक प्रकृति में आज के तकनीकी और सूचना प्रौद्योगिकी के साधन भी आते हैं। कंप्यूटर, मोबाइल, इंटरनेट आदि के प्रयोग में भाषा का पल्लवन होता है और अंतत : भाषा विकसित भी होती है। आज तो तकनीकी उन्नति एवं प्रगति ने तत्काल वास्तविक समय अनुवाद की सुविधा दी है, जो चलते फिरते अनुवाद और शब्द प्रयोग की क्षमता और शक्ति एक आम आदमी के हाथों में दे रहा है। कार्यालय के रूप भी बदलने लगे हैं और आभासी दुनिया में भी एक कार्यालय चलता रहता है। आभासी रूपों में भाषा के नए शब्द और नए निहितार्थ गढ़े रचे जा रहे हैं। हिन्दी अपने व्यापक सरोकारों और संदर्भों में आधुनिकता को समाहित करने, स्वीकार करने और अपनाने में सक्षम है। हमारे देश के उदीयमान रूपों में हमारी राजभाषा का भी बड़ा योगदान है। दुनिया के सबसे बड़े जनसंख्या समूह के देश हैं। हम और हमारी भाषा में आधुनिक संदर्भों, प्रसंगों, परिस्थितियों, नीतियों तथा कार्यों को निष्पादित करने की शक्ति है। हमारी शक्ति ही राजभाषा की शक्ति है। हमारी इच्छाशक्ति और अभिरुचि ही हमारी राजभाषा की शक्ति व प्रभाव है। अब आधुनिकता का बोध जीवन के हरेक क्षेत्र में सतत अनवरत गतिमान है। ठहराव आधुनिकता के प्रति विरोधी भाव होगा अत : राजभाषा हिंदी के आधुनिक कार्यालय प्रयोगों में आधुनिक राजभाषा रूप का विकास और आवश्यकता के अनुसार नवीन शब्दों के निर्माण का मार्ग तथा विधियों को खोजना होगा। एक सामान्य जन के लिए सबसे अच्छा सहयोग होगा, उसका अपना हस्ताक्षर सदैव हिंदी में करना, किसी भी सभा और बैठक में आग्रहपूर्वक हिंदी में बोलना। भारत का संविधान केवल सरकार या सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों पर लागू नहीं होता अपितु भारत के संविधान की उद्देशिका अपने प्रथम वाक्य में घोषित करती है कि हम भारत के लोग ...अर्थात संपूर्ण संविधान आद्योपांत भारत के प्रत्येक नागरिक द्वारा आपनाया गया है। अधिनियमित किया गया है और आत्मार्पित किया गया है। अत : अनुच्छेद 343 से लेकर अनुच्छेद 351 तक हिंदी को लेकर किए गए समस्त उपबंध और प्रावधान भारत के प्रत्येक नागरिक पर लागू होते हैं और उनका पालना अनुपालन हमारा राष्ट्रीय कर्त्तव्य है। कहा गया है ..भाषा चलते रहने की सबसे प्रकट क्रिया है। हिंदी चलेगी तो हम चलेंगे, हम चलेंगे तो देश चलेगा। यही चलते रहना ही जीवन है।

जन स्वीकृति की हिन्दी कब होगी राष्ट्रभाषा

संजय पंकज
वरिष्ठ साहित्यकार

हिंदी भाषा है। जैसे संसार की बहुत सारी भाषाएं हैं। हर देश की अपनी एक सर्वमान्य भाषा होती है, लेकिन भारत के लिए सर्वमान्य और सर्वस्वीकृत हिंदी नहीं है। यहां मातृभाषा और राजभाषा की बातें होती हैं। अलग-अलग जनपदों की जो अपनी बोलियां हैं, उसी को तर्क और कुछ हद तक विवेक से भाषा का जामा पहना दिया गया है। लोक में प्रचलित जो बोली है, उसे ही कालक्रम में उसकी व्यापकता के कारण भाषा के रूप में स्वीकार्यता मिली है। तुलसीदास जैसी विराट रचनात्मक प्रतिभा के महाकवि जब अवधी भाषा में रामचरितमानस जैसा कालजई महाकाव्य सृजित करते हैं तो अवधी बोली न रहकर भाषा का रूप ले लेती है। वैसे ही कोई सूरदास सूरसागर जैसा वैभवशाली ग्रंथ प्रस्तुत करता है तो उसकी व्यापकता ब्रज की बोली को ब्रजभाषा के सिंहासन पर समादृत कर देती है। लोक- प्रचलन की बोली ही अनुशासन और शिष्टाचार में प्रभावशाली होती हुई लोकभाषा हो गई है। बोली मौखिक होती है और जब बोली साहित्य में आ जाती है तो वह भाषा हो जाती है।

भारत विविधताओं का बड़ा देश है। इसके अलग-अलग अनेक जनपद हैं। हर जनपद की अपनी बोली या भाषा है। बोलियों की एकरूपता के लिए व्याकरण लिखते हुए रचनात्मक विद्वानों ने उसे भाषा का दर्जा दे दिया है। इसे मातृभाषा कहकर गौरवान्वित किया गया। भारत के कई राज्यों में कई-कई मातृभाषाएं हैं। बिहार राज्य में प्रमुख रूप में भोजपुरी, मैथिली, अंगिका, बज्जिका, मगही जैसी मातृभाषाएं हैं। इसके क्षेत्रों की सीमा भी है, मगर सीमांत पर एक दूसरे से मिलकर भाषा का स्वरूप हर जगह बदलता चला गया है। इसके अतिरिक्त भी आदिवासी क्षेत्र की अपनी भाषा है। वह कहीं संथाली है तो कहीं नगपुरिया है। खोरठा, पंचपरगनिया भी बिहार के क्षेत्र विशेष की बोलियां हैं। अन्य राज्यों में भी ऐसी ही कई बोलियां हैं।

कई राज्यों की बोलियां जो मातृभाषा के रूप में जानी जाती हैं, वे हिंदी की उपभाषाएं हैं। सभी जानते हैं कि मेरठ के एक छोटे से क्षेत्र से खड़ी बोली के रूप में हिंदी का उदय हुआ और वह आगे बढ़ता चला गया। उसका विस्तार हुआ तो उसमें अनेक जनपदों की शब्दावलियां समाहित होती चली गईं। उदारता के साथ अभिव्यक्ति के लिए किसी भी भाषा या बोली के शब्द को स्वीकार करने में हिंदी ने परहेज नहीं किया। आज हिंदी की व्यापकता भारत के अलावे भी कई देशों में पहुंच गई है और इसका निरंतर प्रसार तथा फैलाव हो रहा है। अंग्रेजी दासता से मुक्ति के लिए जिस पराधीन भारत ने हिंदी को पूरे देश में संपर्क भाषा के रूप में स्वीकार करते हुए स्वतंत्रता के लिए औजार की तरह इस्तेमाल किया उसी स्वतंत्र भारत में हिंदी को आज तक राष्ट्रभाषा राजकीय या सरकारी का सम्मान नहीं दिया गया। हिंदी भारत सरकार की राजभाषा है, जबकि जन स्वीकार्यता और लोक संस्कृति में यह प्रचलित रूप से राष्ट्रभाषा के रूप में स्वीकृत और गौरवान्वित है। राजनीतिक कारणों से एक-आध प्रांत के क्षेत्रीय नेताओं का विरोध है। वे हिंदी को राष्ट्रभाषा के रूप में स्वीकार नहीं करते हैं, जबकि उस प्रांत के लोगों का हिंदी से कोई भी स्वाभाविक विरोध नहीं है। वे भारत के दूसरे प्रांतों में कौटुंबिक, शैक्षणिक या व्यापारिक कारणों से आते-जाते रहते हैं। उनके यहां भी दूसरे प्रांतों के, विशेष रूप से हिंदी भाषा-भाषी लोग आते-जाते रहते हैं। हिंदी फिल्मों तथा रामकथा और श्रीमद्भागवत कथा के विद्वान संतों एवं प्रवचनकर्ताओं के भक्ति-भाव के प्रभाव में अहिंदी भाषा-भाषी लोगों की बड़ी संख्या है। हिंदी प्रदेशों के तीर्थ-दर्शन के लिए वे आते हैं तो उन्हें कदम-कदम पर हिंदी को सुनना पड़ता है। हिंदी एक सहज भाषा है, जिसे सुनते हुए तुरंत ग्रहण किया जा सकता है।

हिंदी का विस्तार सहज स्वाभाविक रूप में होता चला गया है। इसका सम्मोहन और वैशिष्ट्य इसकी देवनागरी लिपि के कारण भी है। इसमें जो बोला जाता है वही लिखा जाता है। हिंदी के प्रचार-प्रसार में आम आदमी का महत्वपूर्ण योगदान है। हिंदी को साहित्य की भाषा मानने की जो विचित्र समझदारी है, उससे मानसिकता को मुक्त होने की जरूरत है। यह ठीक है कि हिंदी भाषा में लिखे गए साहित्य ने अपनी उदारता और मनीषा से इसे व्यापक फलक पर पहुंचाया है। विश्व के सारे विकसित देशों की अपनी भाषा है और उसी भाषा में उसकी शिक्षा पद्धति है। यह भारत की मानसिक गुलामी है, जो तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में अंग्रेजी भाषा को ही सर्वोपरि मानती है। अब तक सरकारी स्तर पर बेकार के तर्क दिए जाते रहे कि चिकित्सा और इंजीनियरिंग के क्षेत्र में अंग्रेजी भाषा ही कारगर और एकमात्र आधार है। यह कहते और मानते हुए हम भूल जाते हैं कि भारतीय चिकित्सा पद्धति जो पूर्णतः प्रकृति आधारित आयुर्वेद रही है, वह संस्कृत भाषा के माध्यम से ही मानक बनकर प्रचलन में आज भी है। चरक और सुश्रुत जैसे अनेक विश्व विश्रुत आयुर्वेदिक चिकित्सक हुए हैं। उनके चिकित्सा शास्त्र के ग्रंथ आज भी उपलब्ध हैं, जो आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति की रीढ़ हैं। वर्तमान समय में प्रसन्नता की बात है कि मध्य प्रदेश सरकार ने चिकित्सा और इंजीनियरिंग की पढ़ाई हिंदी में शुरू की तो उसका अनुकरण अन्य प्रांतों ने भी किया। अब हिंदी भाषा में तकनीकी पढ़ाई भी हो रही है और पुस्तकें भी उपलब्ध हैं।

हिंदी के हिमायती अहिंदी क्षेत्रों के बड़े-बड़े विद्वान और नेता हुए हैं। उनकी परंपरा में आज भी अनेक व्यक्तित्व हैं, जो पूरी निष्ठा और तन्मयता से हिंदी की सेवा कर रहे हैं। हिंदी के लिए उनके मन में सहज प्रेम है। हम जिस भारतीय संस्कृति की दुहाई देते हैं, वह संस्कृति उसी हिंदी की है, जो देवभाषा संस्कृत से निसृत हुई है। भारत के विश्व गुरु होने का मूलाधार वैदिक और पौराणिक ज्ञान-संपदा है। कहने की आवश्यकता नहीं कि ये ज्ञान-संपदाएं हिंदी की जननी संस्कृत भाषा की मेधा और प्रज्ञा की ही उपलब्धियां हैं। हिंदी भाषा की समृद्धि उसकी सर्व समावेशी प्रवृत्ति और उदारता के कारण हैं। इसके पास किसी भी स्थिति और वस्तु स्वभाव के लिए साफ-साफ और पूर्ण अर्थ देने वाले शब्दों का भरा भंडार है। हिंदी स्वाभिमान की भाषा है, स्वतंत्रता की भाषा है, पूर्वजों की भाषा है, संस्कृति की भाषा है। हिंदी मां है तो इसे उसी उच्चता और श्रेष्ठता के साथ सदा अपने संग-साथ मन, चित्त, हृदय, बुद्धि, प्राण, आत्मा और चेतना में संजोकर रखना पड़ेगा। हमारी धड़कनों में स्पंदित होती हुई हिंदी हमारी सांसों में सतत प्रवाहित होती रहे तभी हमारे और हमारे महान देश भारत के होने का विश्वव्यापी अर्थ है।

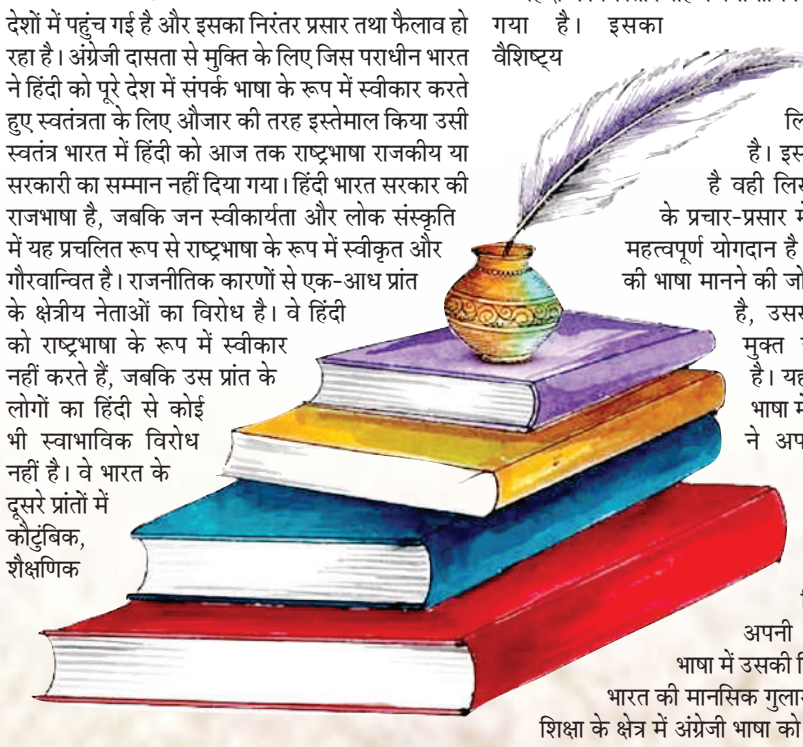

आज की तेज रफ्तार जिंदगी में चिंता और घबराहट लगभग हर इंसान के जीवन का हिस्सा बन गई है। पहले लोग छोटे-छोटे कामों में संतोष और सुकून पा लेते थे, लेकिन आज भागदौड़, प्रतिस्पर्धा, भविष्य की चिंता और बदलती जीवनशैली ने मनुष्य को मानसिक रूप से अस्थिर कर दिया है। एक साधारण-सी परीक्षा हो, नौकरी का दबाव हो, रिश्तों की उलझनें हों या फिर भविष्य की अनिश्चितता-ये सब मिलकर मन को बोझिल बना देते हैं। सामान्य चिंता स्वाभाविक है, लेकिन जब यही चिंता लगातार बनी रहती है, नींद और दिनचर्या को बिगाड़ देती है और स्वास्थ्य पर बुरा असर डालती है, तब यह बीमारी का रूप ले लेती है।

आधुनिक विज्ञान और आयुर्वेद की दृष्टि से पैनिक डिसऑर्डर

डॉ. अश्वथी कविराजन
एसोसिएट प्रोफेसर, कायाचिकित्सा विभाग, रोहिलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, बरेली

क्या है चिंता

चिंता सिर्फ "घबराना" नहीं है। यह तब होती है जब डर और फिक्र हद से ज्यादा बढ़ जाती है। जैसे किसी गाड़ी का अलार्म बिना कारण बजने लगे-यही स्थिति मस्तिष्क में होती है, जब व्यक्ति बार-बार खतरे की तैयारी करता रहता है, भले ही कोई वास्तविक खतरा न हो।

चिकित्सक आज इसे कई प्रकारों में बांटते हैं:

- पैनिक डिसऑर्डर- अचानक, तीव्र भय का दौरा पड़ना।
- एगोराफोबिया- भीड़ या खुले स्थानों का डर।
- सोशल एंग्जायटी - सामाजिक स्थितियों में शर्मिंदगी का डर।
- जनरलाइज्ड एंग्जायटी डिसऑर्डर- हर विषय पर लगातार चिंता।
- फोबिया- किसी खास चीज, जैसे ऊंचाई, जानवर, उड़ान आदि का गहरा डर।
- इनमें से सबसे तीव्र और डरावनी स्थिति है-पैनिक डिसऑर्डर।

पैनिक डिसऑर्डर चिंता की ही गहरी अवस्था है। इसमें अचानक व्यक्ति को ऐसा लगता है कि वह किसी बड़ी मुसीबत में फंस गया है या उसकी जान जाने वाली है। उस समय दिल तेज धड़कने लगता है, सांस फूलने लगती है, हाथ-पांव कांपने लगते हैं, पसीना आ जाता है और पूरे शरीर पर एक भय का असर छा जाता है। यह स्थिति बहुत डरावनी होती है और पीड़ित व्यक्ति को लगता है कि अब वह सामान्य जीवन नहीं जी पाएगा।

क्यों बढ़ रहे हैं मरीज

- अगर हम आज की जीवनशैली पर नजर डालें तो इसके कई कारण साफ दिखाई देते हैं।
- भागदौड़ और प्रतिस्पर्धा-हर व्यक्ति आगे बढ़ना चाहता है। नौकरी, पढ़ाई और करियर की दौड़ ने मन को हमेशा तनाव में रखा है।
- नींद की कमी-देर रात तक मोबाइल, लैपटॉप और टीवी का इस्तेमाल नींद को खराब कर देता है। नींद पूरी न होने से मन और शरीर थक जाते हैं।
- गलत खानपान-जंक फूड, ज्यादा चाय-कॉफी, तैलीय और मसालेदार भोजन मन और शरीर दोनों को असंतुलित करते हैं।
- अकेलापन- पहले लोग परिवार और समाज से जुड़े रहते थे, अब मोबाइल और सोशल मीडिया ने रिश्तों में दूरी ला दी है। अकेलापन चिंता का सबसे बड़ा कारण बनता जा रहा है।
- भविष्य का डर-आजकल बच्चों से लेकर बड़े-बुजुर्ग तक सबको भविष्य की चिंता सता रही है। यह डर धीरे-धीरे बीमारी का रूप ले लेता है।

पैनिक डिसऑर्डर के लक्षण

इन बीमारियों के लक्षण अलग-अलग लोगों में अलग हो सकते हैं, लेकिन सामान्यत: ये दिखाई देते हैं-

- लगातार बेचैनी रहना
- नींद न आना या अधूरी नींद
- दिल की धड़कन का तेज होना
- हाथ-पांव कांपना और पसीना आना
- सांस फूलना और घुटन महसूस होना
- बिना कारण डर या आशंका का बने रहना
- अचानक मृत्यु का भय या किसी अनहोनी का डर
- पेट में मरोड़ या अपच जैसी समस्या

ध्यान केंद्रित न कर पाना

अगर ये लक्षण बार-बार दिखें और लंबे समय तक बने रहें तो समझ लेना चाहिए कि यह सामान्य चिंता नहीं, बल्कि चिंता विकार या पैनिक डिसऑर्डर है।

आधुनिक विज्ञान चिंता और पैनिक डिसऑर्डर को न्यूरोटिक मानता है। इसके अनुसार मस्तिष्क में सेरोटोनिन, गाबा और डोपामिन जैसे रसायनों का असंतुलन इस बीमारी का मुख्य कारण है।

एलोपैथी में इलाज

दवाइयां (एंटी-एंग्जायटी और एंटीडिप्रेसेंट मूड स्टेबिलाइजर) दी जाती हैं।

काउंसलिंग और कॉग्निटिव बिहेवियरल थैरेपी (सीबीटी) कराई जाती है। हालांकि ये उपाय लक्षणों को दबा तो देते हैं, लेकिन लंबे समय तक दवाइयां लेने से आदत पड़ जाती है और कई बार दुष्प्रभाव भी सामने आते हैं। यही कारण है कि लोग अब प्राकृतिक और सुरक्षित विकल्प की ओर बढ़ रहे हैं और यहां आयुर्वेद की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण बन जाती है।

आयुर्वेद का दृष्टिकोण

आयुर्वेद में मानसिक रोगों का गहरा संबंध शरीर, मन और आत्मा से माना गया है। चरक संहिता और सुश्रुत संहिता में मनोविकारों का विस्तार से वर्णन है।

- वात दोष की वृद्धि – चिंता और भय वात दोष के असंतुलन से बढ़ते हैं।
- रजोगुण और तमोगुण का प्रभाव – जब मन पर रज और तम का असर बढ़ जाता है तो व्यक्ति चिड़चिड़ा, बेचैन और भयभीत हो जाता है।
- सत्व की कमी – सत्व मन की स्थिरता और सकारात्मकता का आधार है। जब सत्व कमजोर होता है तो चिंता और घबराहट बढ़ती है।
- आयुर्वेद का उद्देश्य इन असंतुलनों को दूर करके शरीर, मन और आत्मा का संतुलन स्थापित करना है।

आयुर्वेदिक उपचार

- सात्विक भोजन करें-ताजे फल, हरी सब्जियां, दूध, दाल, घी और जौ।
- तैलीय, मसालेदार और जंक फूड से परहेज करें।
- ज्यादा चाय और कॉफी न पिएं।
- रात को हल्का और सुपाच्य भोजन करें।

उपयोगी औषधियां

ब्राह्मी- याददाश्त और मानसिक शांति बढ़ाती है।

अश्वगंधा – तनाव और घबराहट को कम करती है।

शंखपुष्पी – अनिद्रा और बेचैनी में लाभकारी।

जटामांसी- मन को शांत कर नींद लाती है।

सर्पगंधा- उच्च रक्तचाप और चिंता को नियंत्रित करती है।

पंचकर्म चिकित्सा

शिरोधारा- सिर पर तेल की धार डालने से मानसिक तनाव कम होता है।

नस्य- नाक में औषधि डालने से दिमाग और नसें संतुलित होती हैं।

अभ्यंग और स्वेदन – तेल मालिश और भाप शरीर को हल्का और मन को शांत करते हैं।

जीवनशैली में सुधार

समय पर सोएं और उठें, पर्याप्त नींद लें। रोजाना टहलें और व्यायाम करें, मोबाइल और टीवी का उपयोग सीमित करें। परिवार और मित्रों से बातचीत करें, अकेलेपन से बचें, सकारात्मक सोच और संगति बनाएं।

योग और प्राणायाम

अनुलोम-विलोम और नाड़ी शोधन से मन स्थिर होता है।

भ्रामरी प्राणायाम चिंता को तुरंत कम करता है।

ध्यान और शवासन मन को गहरी शांति देते हैं।

आज चिंता और पैनिक डिसऑर्डर सबसे बड़ी मानसिक समस्याओं में से एक बन गए हैं। दवाइयों से अस्थायी राहत मिलती है, लेकिन आयुर्वेद एक ऐसा समाधान देता है, जिसमें शरीर, मन और आत्मा तीनों को संतुलित करके स्थायी राहत मिलती है। सही आहार, औषधियां, पंचकर्म, योग-प्राणायाम और संतुलित जीवनशैली अपनाकर कोई भी व्यक्ति चिंता और पैनिक डिसऑर्डर से बाहर निकल सकता है।

आयुर्वेद हमें सिखाता है कि चिंता से मुक्ति केवल दवाइयों से नहीं, बल्कि सोच, जीवनशैली और आदतों में सुधार से भी संभव है। अगर हम समय रहते इन उपायों को अपना लें, तो न केवल चिंता और पैनिक डिसऑर्डर पर काबू पाया जा सकता है, बल्कि जीवन को और अधिक सुखद और शांत बनाया जा सकता है।

विशिष्ट फोबिया

विशिष्ट फोबिया किसी विशेष वस्तु, गतिविधि या स्थिति से जुड़ा हुआ अत्यधिक और अनुचित भय है। इसके सामान्य उदाहरण हैं- कुत्ते या सांप जैसे जानवरों का डर, ऊंचाई का डर, बंद जगहों का डर, इंजेक्शन, खून या गरज-चमक (आंधी-तूफान) का डर।

जब फोबिया से ग्रसित व्यक्ति इन स्थितियों या वस्तुओं का सामना करता है, तो उसे अत्यधिक चिंता, घबराहट (पैनिक) या कभी-कभी बेहोशी तक हो सकती है। कई बार केवल उस स्थिति की कल्पना मात्र से ही चिंता होने लगती है, जिसे पूर्वानुमानिक चिंता कहते हैं। इन भावनाओं से बचने के लिए लोग उस वस्तु या स्थान से पूरी तरह दूरी बनाने लगते हैं, जिससे उनके दैनिक जीवन, कामकाज या पढ़ाई पर बुरा असर पड़ सकता है। फोबिया अक्सर बचपन या किशोरावस्था में शुरू होते हैं और कभी-कभी यह किसी डरावने अनुभव (जैसे जानवर के काटने) के बाद भी विकसित हो सकते हैं। महिलाओं में यह समस्या पुरुषों की तुलना में अधिक पाई जाती है। कुछ विशेष फोबिया, जैसे खून या इंजेक्शन का डर में व्यक्ति अचानक रक्तचाप गिरने के कारण बेहोश हो सकता है।

यदि यह डर 6 महीने से अधिक समय तक बना रहे और सामान्य जीवन को प्रभावित करें, तो इसे एक विकार (डिस्आर्डर) माना जाता है, जिसके लिए उपचार की आवश्यकता होती है। डॉक्टर यह भी सुनिश्चित करते हैं कि यह लक्षण किसी अन्य बीमारी जैसे अवसाद, पैनिक डिसऑर्डर या सामाजिक चिंता विकार के कारण तो नहीं हैं।

कई लोग हल्के फोबिया के साथ जीवन जीते रहते हैं और कभी मदद नहीं लेते, लेकिन प्रभावी उपचार उपलब्ध हैं, जिनमें काउंसलिंग, व्यवहार चिकित्सा (बिहेवियरल थेरेपी) और आवश्यकता पड़ने पर दवाएं शामिल सामाजिक चिंता विकार।

सामाजिक चिंता विकार (एसएडी) एक सामान्य मानसिक स्वास्थ्य समस्या है, जिसमें व्यक्ति को सामाजिक परिस्थितियों में शर्मिंदगी, आलोचना या अपमान का गहरा भय महसूस होता है।

ग्रसित व्यक्ति को यह चिंता हो सकती है

सार्वजनिक जगह पर भोजन करते समय गला अटक जाएगा।

लिखते समय हाथ कांपेंगे। चेहरे पर बार-बार लज्जा से लालिमा आ जाएगी। मंच पर बोलते समय या वाद्य यंत्र बजाते समय अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाएंगे। कुछ पुरुषों को सार्वजनिक शौचालय का उपयोग करना भी तनावपूर्ण लगता है, जबकि कई महिलाओं के लिए बार-बार लाल होना (ब्लशिंग) सबसे बड़ी चिंता होती है। ऐसे भय लोगों को धीरे-धीरे सामाजिक गतिविधियों से पूरी तरह दूर कर देते हैं।

यह सिर्फ "शर्मीलेपन" तक सीमित नहीं है। एसएडी में कई शारीरिक लक्षण भी दिखाई देते हैं, जैसे- पसीना आना, कांपना, चेहरा लाल होना, गले में खराश या आवाज बैठना, पैनिक अटैक आना, बच्चों में यह चिंता अलग रूप में दिखती है जैसे रोना, चिपकना, चुप हो जाना, या बोलने से इनकार करना। यह स्थिति अक्सर किशोरावस्था में शुरू होती है और बिना इलाज के कई वर्षों तक बनी रह सकती है। यह समस्या पुरुष और महिला दोनों को प्रभावित करती है, लेकिन महिलाओं में यह ज्यादा देखी जाती है।

अनुसंधान बताता है कि एसएडी का आनुवंशिक (जेनेटिक) संबंध भी हो सकता है और यह परिवारों में चलता है। दुर्भाग्य से कई लोग इसे केवल व्यक्तित्व की कमी मानकर चुपचाप सहते रहते हैं और मदद नहीं लेते। जबकि उचित जागरूकता, परामर्श (कॉउनसलिंग), थेरेपी और आवश्यकता पड़ने पर चिकित्सा उपचार से सामाजिक चिंता विकार को संभाला जा सकता है।

चाय और कॉफी : आनंद के साथ सेहत भी

चाय और कॉफी हमारे दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुके हैं। सुबह की शुरुआत हो या दिनभर की थकान मिटानी हो, अधिकतर लोग इन पेयों का सहारा लेते हैं। इनमें मौजूद कैफीन मस्तिष्क को सक्रिय करता है, सतर्कता और ध्यान केंद्रित करने की क्षमता को बढ़ाता है। यही कारण है कि छात्र, कामकाजी लोग और लंबे समय तक कार्य करने वाले व्यक्ति चाय या कॉफी को पसंद करते हैं।

डॉ. अर्चना श्रीवास्तव
चिकित्सक, लखनऊ

- आईसीएमआर (भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद) और एनआईएन (नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूट्रिशन) द्वारा जारी हाल की गाइडलाइन के अनुसार, इन पेयों का संतुलित सेवन सुरक्षित और लाभकारी माना गया है, लेकिन अति सेवन से हानिकारक प्रभाव हो सकते हैं।
- भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के अनुसार, चाय और कॉफी का संतुलित मात्रा में सेवन सुरक्षित है और इससे कई स्वास्थ्य लाभ भी मिलते हैं। इन पेयों में पाए जाने वाले एंटीऑक्सीडेंट्स शरीर को रोगों से बचाने में सहायक होते हैं। कुछ अध्ययनों के अनुसार, कॉफी का नियमित और संतुलित सेवन टाइप 2 डायबिटीज और पार्किंसन रोग के खतरे को कम कर सकता है। वहीं, ग्रीन टी जैसे विकल्प वजन नियंत्रण और पाचन तंत्र के लिए लाभकारी माने जाते हैं।
- आईसीएमआर की गाइडलाइन बताती है कि प्रतिदिन 300 मि.ग्रा. कैफीन तक (लगभग 2-3 कप चाय या कॉफी) का सेवन सुरक्षित माना जाता है, लेकिन यदि मात्रा अधिक हो जाए तो इसके दुष्प्रभाव सामने आ सकते हैं, जैसे-नींद में बाधा, चिड़चिड़ापन, घबराहट, एसिडिटी, हृदय गति का बढ़ना और लत लगना।
- एक कप (150 मिली) कॉफी में 80-120 मिलीग्राम कैफीन होता है, इंस्टेंट कॉफी में 50-65 मिलीग्राम और चाय में 30-65 मिलीग्राम कैफीन होता है।
- एक कप (150 मिली) कॉफी में 80-120 मिलीग्राम कैफीन होता है, इंस्टेंट कॉफी में 50-65 मिलीग्राम और चाय में 30-65 मिलीग्राम कैफीन होता है।
- भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने हाल ही में भारतीयों के लिए 17 आहार संबंधी दिशा-निर्देश जारी किए हैं, जिनमें स्वस्थ जीवनशैली के साथ संतुलित और विविध आहार पर जोर दिया गया है।
- एक दिशानिर्देश में, मेडिकल पैनल ने अपने अनुसंधान विंग राष्ट्रीय पोषण संस्थान (एनआईएन) के साथ मिलकर बताया कि चाय और कॉफी का सेवन सीमित मात्रा में किया जाना चाहिए।
- यह देखते हुए कि भारत की एक बड़ी आबादी चाय या कॉफी को अपने पसंदीदा गर्म पेय के रूप में पीती है। आईसीएमआर ने लोगों को भोजन से ठीक पहले या बाद में इनका सेवन न करने की चेतावनी दी है।

- आईसीएमआर के शोधकर्ताओं ने लिखा, चाय और कॉफी में कैफीन होता है, जो केंद्रीय तंत्रिका तंत्र को उत्तेजित करता है और शारीरिक निर्भरता पैदा करता है।
- एक कप (150 मिली) कॉफी में 80-120 मिलीग्राम कैफीन होता है। इंस्टेंट कॉफी में 50-65 मिलीग्राम और चाय में 30-65 मिलीग्राम कैफीन होता है।
- आईसीएमआर के अनुसार भोजन से कम से कम एक घंटा पहले या बाद में कॉफी पीने से बचें।
- ऐसा इसलिए है, क्योंकि इन पेय पदार्थों में टैनिन नामक एक यौगिक होता है। जब इसका सेवन किया जाता है, तो टैनिन शरीर में आयरन के अवशोषण में बाधा डाल सकता है।
- टैनिन आपके शरीर द्वारा भोजन से अवशोषित किए जाने वाले आयरन की मात्रा को कम कर सकता है।
- टैनिन पाचन तंत्र में आयरन से जुड़कर एक ऐसा कॉम्प्लेक्स बना सकता है, जिसे शरीर के लिए अवशोषित करना मुश्किल हो जाता है। इससे आपके द्वारा खाए जाने वाले भोजन से आपके रक्तप्रवाह में जाने वाले आयरन की मात्रा कम हो जाती है। इससे आपके शरीर में आयरन की उपलब्धता कम हो जाती है। आयरन हीमोग्लोबिन बनाने के लिए जरूरी है, जो लाल रक्त कोशिकाओं में पाया जाने वाला एक प्रोटीन है और पूरे शरीर में ऑक्सीजन पहुंचाता है।
- यह ऊर्जा उत्पादन और समग्र कोशिका कार्य के लिए भी महत्वपूर्ण है। आयरन के निम्न स्तर से आयरन की कमी और एनीमिया जैसी स्थितियां हो सकती हैं। गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं को कैफीन का सेवन सीमित रखना चाहिए, क्योंकि यह शिशु के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर डाल सकता है। बच्चों और किशोरों में कैफीनयुक्त पेय की सलाह नहीं दी जाती है। चाय में मौजूद कैफीन बच्चों के हृदय, मस्तिष्क और किडनी के लिए हानिकारक है। यह बच्चों के विकास को भी प्रभावित कर सकता है।
- उच्च रक्तचाप, हृदय रोग और गैस्ट्रिक समस्याओं से ग्रसित लोगों को भी चाय-कॉफी का सेवन सावधानी से करना चाहिए।

निष्कर्ष: चाय और कॉफी का सेवन ऊर्जा व ताजगी देने वाला है, लेकिन केवल संयमित मात्रा में। आईसीएमआर की गाइडलाइन हमें यह बताती है कि इनका आनंद लें, परंतु अति से बचें, क्योंकि संतुलन ही स्वास्थ्य का आधार है। यदि चाय और कॉफी का सेवन सीमित मात्रा में और सही समय पर किया जाए तो यह आनंद के साथ-साथ स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी सिद्ध हो सकते हैं।

साप्ताहिक राशिफल

-पं.मनोज कुमार द्विवेदी
ज्योतिषाचार्य, कानपुर

मेष
इस सप्ताह आपके खर्चों में वृद्धि होने की संभावना दिखाई देती है। लिहाजा धन संबंधी मामलों में सोच समझकर ही निर्णय लें। कार्यक्षेत्र और पारिवारिक जीवन के बीच तालमेल बिठाकर चलना होगा, क्योंकि दोनों ही मोर्चों पर आपको चुनौतियों का सामना करना होगा।

वृष
इस सप्ताह आपकी कुछ आकांक्षाएं पूरी होने से आप खुश रह सकते हैं, लेकिन दूसरी ओर शारीरिक रूप से कुछ समस्याएं आपको परेशान करेंगी, इसलिए अपने स्वास्थ्य का पूरा ध्यान रखें और छोटी से छोटी समस्या को नजरअंदाज न करें। आपके साहस और पराक्रम में वृद्धि होगी।

मिथुन
इस सप्ताह आपको यात्रा करने का अवसर मिल सकता है और यह यात्रा किसी सुदूर स्थान की हो सकती है। आपको अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना चाहिए, क्योंकि इस समय स्वास्थ्य कमजोर होने की संभावना है। जीवनसाथी के साथ संबंधों में प्रेम और सामंजस्य बना रहेगा।

कर्क
इस सप्ताह आपको कई प्रकार की चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। जहां एक ओर आपका स्वास्थ्य आपकी चिंता का कारण बन सकता है। वहीं दूसरी ओर आपके दांपत्य जीवन में भी तनाव रहने की संभावना दिखती है। सप्ताह के मध्य में आप परिवार में कुछ ऐसा करेंगे, जिससे सभी खुश हो जाएंगे।

सिंह
इस सप्ताह आपको अपने परिवार का पूरा सहयोग प्राप्त होगा और आप मानसिक रूप से प्रसन्न रहेंगे। यदि आप विदेश यात्रा के इच्छुक हैं, तो इस दौरान प्रयास करना आपके लिए सफलतादायक सिद्ध होगा। कार्यक्षेत्र को लेकर स्थिति आपके पक्ष में होगी और आपके सहकर्मी भी आपको हर तरह का सहयोग देंगे।

कन्या
यह सप्ताह काफी अच्छा रहने वाला है। आप कार्य कुशलता का परिचय देंगे। आपके कुटुंब में कोई शुभ कार्य संपन्न हो सकता है, जिससे सभी का मन लगा रहेगा। कार्यस्थल पर आपके प्रभाव में वृद्धि होगी और आपको मान-सम्मान प्राप्त होगा। आप धन संचय कर पाने में समर्थ रहेंगे और इससे आपका आर्थिक पक्ष सबल होगा।

तुला
इस सप्ताह आपको अपने पारिवारिक जीवन और संतान के स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा। क्योंकि इन दोनों ही मोर्चों पर आपको परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आपके माता-पिता का स्वास्थ्य चिंता का विषय बन सकता है। वहीं दूसरी ओर पारिवारिक जीवन में कलह हो सकती है।

वृश्चिक
इस सप्ताह आपको अपने भाई-बहनों के स्वास्थ्य पर ध्यान रखना होगा और उनसे अपने संबंध भी अच्छे रखने होंगे। कार्यक्षेत्र में आपके लिए समय बेहतरीन रहेगा और आप अपने कार्यक्षेत्र में अपने वरिष्ठ अधिकारियों का समर्थन प्राप्त करेंगे और उनकी प्रशंसा के पात्र बनेंगे।

धनु
इस सप्ताह आप किसी यात्रा पर जा सकते हैं और उस यात्रा से आपको लाभ की प्राप्ति हो सकती है। कार्यक्षेत्र में स्थितियां पूर्ण रूप से आप के पक्ष में रहेंगी। यदि आप कोई मनचाहा स्थानांतरण चाहते हैं तो उसके लिए भी यह उचित समय है। आप प्रयास कीजिए, सफलता अवश्य मिलेगी। अच्छी आमदनी का योग बनता है अत: आपको इस समय का पूरा लाभ उठाना चाहिए।

मकर
इस सप्ताह आप पारिवारिक जीवन पर अधिक ध्यान देंगे। आपके कार्यक्षेत्र में आपके लिए समय अच्छा रहेगा। आप अपनी बातों से और अपने निर्णयों से अपने वरिष्ठ अधिकारियों को प्रसन्न रख पाएंगे। पारिवारिक जीवन खुशियों से भरा रहने की संभावना है और इस दौरान आप कोई प्रॉपर्टी खरीदने के बारे में भी प्लान कर सकते हैं।

कुंभ
इस सप्ताह आपको जहां एक ओर पुरानी बीमारियों से छुटकारा मिल सकता है। वहीं दूसरी ओर कुछ नई शारीरिक समस्याएं आपको परेशान कर सकती हैं। विशेष रूप से वाहन सावधानी से चलाएं। कार्यक्षेत्र में आपका प्रदर्शन सराहनीय रहेगा। पारिवारिक जीवन शांतिपूर्ण रहने से मन प्रसन्न रहेगा और इस दौरान आप अपने परिवार के लिए कुछ अच्छा करेंगे।

मीन
यह सप्ताह आपको अपने कार्यालय में अधिक मेहनत करने की ओर इशारा कर रहा है अर्थात आपको सब कुछ भूलकर अपने काम पर पूर्ण रूप से फोकस करना होगा। आपके वरिष्ठ अधिकारी आपके कार्य से संतुष्ट रह सकते हैं। आपकी लंबे समय से अधूरी आकांक्षाएं पूरी होने से मन प्रसन्न रहेगा। पारिवारिक जीवन में सामान्य स्थिति बनी रहेगी।

वर्ग पहेली (काकुरो)

काकुरो पहेली वर्ग पहेली के समान हैं, लेकिन अक्षरों के बजाय बोर्ड अंकों (1 से 9 तक) से भरा है। निर्दिष्ट संख्याओं के योग के लिए बोर्ड के वर्गों को इन अंकों से भरना होगा। आपको दी गई राशि प्राप्त करने के लिए एक ही अंक का एक से अधिक बार उपयोग करने की अनुमति नहीं है। प्रत्येक काकुरो पहेली का एक अनूठा समाधान है।

काकुरो 26

	9	7		32	14	33	10	24
5			24				10	
4			23 7				16 23	
11					22			
	23	12 22			16		13	10
21					12			
16			15	33		15	4 23	
28					29			
	9	7 23			13		8	13
30					12 4			
10			13				4	
8			6				14	

काकुरो 25 का हल

			12	16	26		29	12
		6 28	3	1	2	17	8	9
	29 4	5	9	7	8	4 7	1	3
3	1	2	27 6	8	9	4	6	
8	3	4	1	12 27	7	2	3	12
	17	6	3	8	6 11	1	2	3
	13 3	3	2	7	1	14 8	5	9
8	1	7	28	9	8	7	4	
3	2	1	6	3	2	1		

शब्द संसार

कहानी

तुम बेफिक्र रहो...

नमस्ते साहब, मेरा नाम चमन है। मुझे राजेश साहब ने भेजा है। ओह चमन, आओ आओ। राजेश ने बताया था मुझे तुम्हारे बारे में। चलो, मैं तुम्हें तुम्हारा काम समझा देता हूं। चमन को सारा काम समझाने के बाद, संजीव अपने कामों में व्यस्त हो गया। शाम को हाथ-मुंह धोने के बाद चमन ने अपने घर जाने से पहले संजीव से हिचकिचाते हुए दबे स्वर में कहा, साहब, एक बात कहनी थी आपसे, यदि आपके दफ्तर में मेरे बेटे के लिए कोई नौकरी हो तो? इस पर संजीव ने चमन से उसके बेटे की पढ़ाई के विषय में पूछा। तब चमन ने बताया कि उसके बेटे ने स्नातक तक पढ़ाई की है और अभी हाल ही में कंप्यूटर कोर्स पूरा करके नौकरी की तलाश में भटक रहा है। यह सुन संजीव ने कहा, देखो चमन, नौकरी तो है, परंतु उसके लिए कुछ समय लग सकता है। तुम अपने बेटे से कहना, आते-जाते मुझे अपने सारे दस्तावेज पकड़ा जाए। बाकी मैं देख लूंगा। तुम बेफिक्र रहो।

इतना सुनते ही, चमन के अंदर आशा की एक नई किरण का उदय हुआ और संजीव का धन्यवाद करते हुए खुशी के साथ वह अपने घर की ओर चल दिया। उसी शाम चमन ने अपने बेटे विजय को संजीव के घर उसके दस्तावेज पहुंचाने के लिए कहा। विजय भी अति प्रसन्नता के साथ संजीव के घर जाकर अपने सारे दस्तावेज पहुंचा आया। कुछ महीनों बाद, विजय ने खुशी से अपने पिता से कहा, पिता जी, मुझे एक दुकान पर नौकरी मिल गई है। पूरे पांच हजार महीने तनख्वाह के साथ। इतना सुनते ही चमन ने विजय को फटकार लगाते हुए कहा, क्या दुकान में बैठेने के लिए मैंने तुझे इतना पढ़ाया-लिखाया? जब संजीव साहब ने कहा है कि वह तुझे सरकारी नौकरी में लगवा देंगे तो फिर क्यों दुकान में बैठेने के लिए उत्सुक हो रहा है? लेकिन पिता जी कब तक? आज पूरे पांच महीने हो गए उनको आज-कल आज-कल करते हुए। आखिर कब तक मैं घर पर बैठा रहूं? विजय ने अपने पिता से ऊंचे स्वर में कहा। यह सुनते चमन बिना कोई जवाब दिए वहां से चला गया और अगली ही सुबह चमन संजीव के दोस्त, राजेश के पास गया। अरे चमन, तुम इतनी सुबह-सुबह? सब ठीक तो है न?

राजेश के इतना पूछने पर चमन ने रुंधे स्वर में कहा, कुछ भी ठीक नहीं है साहब। आज पढ़ लिखकर मेरा बेटा विजय घर बैठा है। आपके दोस्त संजीव साहब ने विजय को नौकरी में लगाने की बात कही थी, परंतु आज पांच महीने हो गए। यदि आप उनसे एक बार पूछें तो ठीक रहेगा। कम से कम उम्मीद तो खत्म होगी। रुको मैं अभी संजीव को फोन करके पूछता हूं, तुम परेशान मत होओ। संजीव से कुछ देर बात करने के बाद राजेश ने चमन से कहा, फाइल अप्रूवल को गई है, जैसे ही आएगी वैसे ही काम हो जाएगा। राजेश ने संजीव से बात करने के बाद ढांढस बांधते हुए कहा, अरे चमन, इस प्रक्रिया में थोड़ा समय लगता है। बस तुम बेफिक्र रहो। कुछ समय और बीत जाने के बाद अचानक दो महीने बाद राजेश, चमन को ढूंढता हुआ उसके घर आया।

साहब जी आप और यहां? चमन ने हैरत भरे लहजे से पूछा। राजेश ने कहा, अरे चमन। तुमसे फोन पर संपर्क नहीं हो पा रहा था इसलिए तुम्हें ढूंढता हुआ तुम्हारे घर तक चला आया। खैर, मुझे संजीव का फोन आया था, उसने तुम्हें और विजय को अपने घर बुलाया है। शायद नौकरी के सिलसिले में तुमसे कोई बात करनी है। इतना सुनते ही चमन के चेहरे पर हल्की मुस्कान झलक आई और विजय से तुंरत संजीव के घर चलने को कहा। यद्यपि चमन असल बात से अंजान था फिर भी नौकरी शब्द सुनकर वह अपने बेटे विजय के साथ हल्की मुस्कान लिए संजीव के घर की ओर बढ़ रहा था। कुछ देर बाद चमन संजीव के घर पहुंच गया। संजीव बाहर बरामदे में बैठा उनका इंतजार कर रहा था।

आओ-आओ चमन, मैं तुम्हारा ही इंतजार कर रहा था। फाइल की अप्रूवल आ गई है और यही बात बताने के लिए मैंने तुम्हें यहां बुलाया है।

साहब जी, मतलब विजय की नौकरी लग गई? अरे नहीं नहीं चमन। अभी तो अप्रूवल आई है। इसके बाद कुछ औपचारिकताएं करनी रहती हैं। फिर जल्द ही साक्षात्कार के लिए विजय को बुला लेंगे। साहब जी, हो तो जाएगा न विजय का काम? तुमसे कहा तो है चमन तुम बेफिक्र रहो। कुछ देर वार्तालाप करने के बाद चमन और विजय वापस अपने घर लौट आए। दोनों बहुत खुश थे। विजय हालांकि चयन प्रक्रियाओं के बारे में थोड़ा-बहुत जानता था तो उसने अपने पिता को सब समझाया। अब दोनों बाप-बेटे के दिन इंतजार में कब बीते जा रहे थे, उन्हें पता ही नहीं लग रहा था। विजय ने अब नौकरी तलाशना भी बंद कर दिया था। धीरे-धीरे समय बीता और तीन महीने बाद विजय के फोन पर एक ईमेल आया, जिसमें उसे पंद्रह दिन बाद साक्षात्कार के लिए संजीव के दफ्तर बुलाया गया था। ईमेल पाकर विजय की खुशी का ठिकाना नहीं रहा और पंद्रह दिन बाद नए कपड़े पहनकर विजय पहुंच गया इंटरव्यू देने संजीव के दफ्तर। इंटरव्यू पैनल का सदस्य संजीव स्वयं था। पैनल ने विजय से जितने भी सवाल पूछे, उनका जवाब विजय ने बेहद समझदारी और बखूबी से दिया। विजय के जवाबों से सारा पैनल बहुत प्रभावित हुआ। शाम को चमन अपने बेटे विजय को लेकर संजीव के घर आया। संजीव ने चमन को समझाया, अरे चमन यूं बार-बार मेरे घर आकर तुम बेवजह तकलीफ ले रहे हो। विजय होनहार लड़का है। हम सभी इससे बहुत प्रभावित हुए हैं और कंप्यूटर की पढ़ाई की जानकारी ने इसे सबसे ऊपर पहुंचा दिया है। बस अगले कुछ दिनों में परिणाम घोषित हो जाएगा और विजय की ईमेल पर नियुक्ति पत्र भेज दिया जाएगा। बस तुम बेफिक्र रहो।

शिवालिक अवस्थी
युवा लेखक

अब चमन पूरी तरह से संतुष्ट हो चुका था कि उसके बेटे की नौकरी समझो लग गई। विजय भी बहुत प्रसन्न था। कुछ समय और बीता और धीरे-धीरे तीन महीने और बीत गए। परंतु जब कोई भी ईमेल विजय के फोन पर नहीं आया तो चमन को फिर घबराहट होने लगी। चूंकि संजीव उस समय दफ्तर हो सकता था इसलिए वह संजीव के घर न जाकर सीधा राजेश के पास गया और कहने लगा, साहब आप संजीव साहब से पता कर दो, अभी तक मेरे बेटे विजय के नाम कोई भी नियुक्ति पत्र प्राप्त नहीं हुआ है। कहीं कार्यालय द्वारा किसी भी तरह की कोई त्रुटि तो नहीं हुई होगी?

रुको चमन, यह काम तो मैं अभी उसको फोन लगाकर किए देता हूं। कुछ देर घंटी बजने के बाद... अरे, संजीव फोन क्यों नहीं उठा रहा? पहले तो उसने कभी ऐसा नहीं किया, तो आज अचानक? अब तो चमन की घबराहट और भी बढ़ने लगी। राजेश ने स्थिति को भांपते हुए चमन से कहा, शायद वह कहीं व्यस्त होगा। अभी तुम अपने घर जाओ। मैं शाम को खुद उसके पास जाकर विजय के परिणाम का पता कर लूंगा। तुम बेफिक्र रहो। अब तो चमन बेहद मायूस हो चुका था। फिक्र के चलते उसका चेहरा फीका पड़ चुका था। घर पहुंचकर उसने विजय से भी कोई बात नहीं की। विजय भी पहले इतना मायूस कभी नहीं हुआ था, जितना इस घटना ने उसे मायूस कर दिया था। शाम होते ही राजेश, संजीव के घर जा पहुंचा। अरे संजीव, तुम मेरा फोन क्यों नहीं उठा रहे थे? यार राजेश, मुझे शक था कहीं चमन तुम्हारे साथ होगा। बस इसलिए फोन नहीं उठा पाया। चमन साथ होगा इसका क्या मतलब हुआ संजीव? भला चमन का मेरे साथ होना और तुम्हारा फोन न उठाने का आपस में क्या संबंध? दरअसल, विजय की जगह किसी और को नौकरी पर रखना पड़ गया है। परिणाम आए तो सात दिन हो चुके हैं। क्या? राजेश ने गंभीर स्वर में कहा। हां राजेश। पर विजय ने तो सारे पैनल को बहुत प्रभावित किया था। यही कहना था न तुम्हारा? फिर अचानक से तुम्हारा कथन कैसे बदल गया? और एक गरीब ही रहा था तुम्हें मजाक का पात्र बनाने को? कभी सोचा है उस गरीब पर क्या बीतेगी? हां-हां मैंने सब सोचा है संजीव सब सोचा है। भगवान के लिए मुझे जलील मत करो। मैं लाचार था राजेश, क्या करता? ऐसी भी क्या लाचारी थी संजीव? जरा मुझे भी तो पता चले? राजेश ने अपने तेवर दिखाते हुए संजीव से पूछा। अगर तुम सुनना ही चाहता है तो सुनो, हम परिणाम घोषित ही करने वाले थे कि अचानक से बॉस को मंत्री साहब का फोन आ गया और उन्होंने अपने भांजे को जिसकी हाल ही में स्नातक पूरी हुई है, नौकरी देने का दबाब बनाया। हमें सब कुछ बदलना पड़ा। यहां तक की हमें अंकों तक से छेड़छाड़ करनी पड़ी, ताकि मंत्री का भांजा इस नौकरी के परिणाम में प्रथम आ सके। अब तुम ही बताओ दोस्त मैं किस मुंह से उस गरीब का सामना करूं? वाह रे मेरे दोस्त मान गए तुम्हारे तंत्र को। जो गरीब का बेटा होनहार है और विशेषकर कि वह जरूरतमंद है, उसको बाहर कर दिया और जो अभी स्नातक करके आया ही है, न ज्यादा ज्ञान है, न ही होनहार है, उसे उत्तीर्ण करते हुए नौकरी पर रख लिया। भला मंत्री के भांजे का क्या था, एक नहीं तो कोई दूसरी नौकरी लग जाती। पर विजय जैसे होनहार बेरोजगारों का क्या? तुम्हारा तंत्र ही बेकार है।

यह सारी बातें बाहर खड़ा चमन चुपचाप सुन रहा था। आंखों से आंसू छलकाते हुए चमन अपने घर की ओर निकल पड़ा। घर पहुंचकर पिता की आंखों में आंसू देखकर विजय सब समझ गया और दोनों बाप-बेटे एक दूसरे से लिपटकर खूब रोए। कुछ देर बाद, विजय ने अपने पिता को संभालते हुए कहा, पिता जी मैं कोई न कोई नौकरी जरूर ढूंढ निकालूंगा। भगवान ने चाहा तो जल्द मेरे पास नौकरी होगी। आप बेफिक्र रहो।

कविताएं/गीत

लक्ष्य विहीन पथ

रिश्तों की चिमनियां बुझाकर
खुशियां बांटने का हुनर
न जाने कहां से सीख आए
मूल्य विहीन लक्ष्य के पथ पर
मानव क्यों
प्रलय की ओर अग्रसर है?

पाशविकता यहां चरम पर है
और आस्था के प्रश्न
भौतिक हो गए हैं
सुलगते प्रश्नों की कई
पोटलियां
बरगद की तरह
फैलती ही जा रही हैं

उम्र अब विश्वास की
चुकने लगी है
हारता है कौन, जीतता है
कौन?
भीड़कर रही निर्णय सारे
मानवता पर हावी
पशुता के नश्तर

आखिर कब तक चुभते रहेंगे?

हमारी सभ्यता-संस्कृति के
रहस्य
जब तक मुखर हो,
सत्य नहीं बोलेंगे
प्रश्नों के दरवाजे पर लगे ताले
जब तक नहीं टूटेंगे
धर्मग्रंथों का कोई शब्द
नपुंसक आजादी की
लंगड़ी टांगे तोड़ेगा
तब सभ्यता का सफर होगा
पूरा।

राजकुमार जैन राजन
कवि

आवारा की ज़ुबानी

आवारा नाम दिया लोगों ने मैं
आवारा बोल रहा हूं।
न चाहत हैं न मंजिल कोई
बस सफर के साथ डोल
रहा हूं।

मालूम हैं हाथ में न कुछ हैं
फिर भी दरवाजों (उम्मीदों)
को खोल रहा हूं।
गिरता उठता फिर से चलता
है मैं आवारा बोल रहा हूं।

देखोगे मुझे तो असफल
निराश ही पाओगे और देख
रहे हो दुनिया की तरह तो
कैसे ही परख पाओगे।
करता जो भी करता मन
से क्योंकि फल की न
अभिलाषा, असफल हुआ
अगर तो लगता जैसे खुद को
नहीं तराशा।

करता गलती कई बार पर
उनको न दोहराता।
हंसता हूं सुख दुख में क्योंकि
मैं न हूं बउराता।।
इस भेद भाव की दुनिया में मैं
तनिक न भेद मनाता।

जुड़ जाता हूं साथ में सबके
तभी घुमक्कड़ कहलाता।
न देखता कोई परिस्थिति न
मैं अनुमान लगाता हूं।

मौका मिले जो गर मुझे मैं
फौरन फरार हो जाता हूं।
लोग बना रहे कल अपना मैं
आज को आज बनाता हूं।
न देखूं मैं शादी है या निकाह
मैं बस शामिल हो जाता हूं।

न झूठ बोलता तनिक भी मैं
बस सच में सच को घोल
रहा हूं।
लगता अब भी आवारा अगर
तो हां मैं हूं आवारा और
आवारा ही बोल रहा हूं।

यश शर्मा
छात्र

कृष्ण तुम पर क्या लिखूं

तुम तो हो अपरिभाषित
देवकी की कोख लिखूं
या यशोदा की गोद लिखूं
आंखों की चंचलता लिखूं
या रूप का श्रृंगार लिखूं
रजत सा लेखन लिखूं
या रत्न की खुशबू लिखूं
कृष्ण तुम पर क्या लिखूं
तुम तो हो अपरिभाषित
सूरज की रोशनी लिखूं
या अमावस्या की रात लिखूं
राधा के प्रेम का प्रतीक लिखूं
या मीरा के विष का प्याला
लिखूं

कृष्ण तुम पर क्या लिखूं
तुम तो हो अपरिभाषित।

रजत यादव
छात्र

लघुकथा

जगत मां

मां-मां कहां हो तुम? देखो मैं तुम्हारे लिए क्या लाया हूं। रख दो बेटा, मैं अभी आ रही हूं। बहुत थक गई हूं। मां ने उदासी भरे स्वर में कहा। क्या हुआ मां इतनी थकी तो तुम कभी नहीं लगती थीं। बेटे ने चिंता जताते हुए कहा। कुछ नहीं! बस ऐसे ही। बेटा कुछ न बोला, वह अपने घर के कामों को करने लगा। वह सोच रहा था कि मां कितना दर्द सीने में छुपाए रखती है, परंतु किसी के सामने प्रकट नहीं होने देती हैं। वैसे भी दिन भर गांव जाकर सबका हालचाल लेती है। कोई बीमार होता तो उसकी दवा करती या कोई भूखा होता तो उसको खाना बनाकर देती। किसी का दुख अपना दुख समझकर बांटती। स्वयं बीमार रहकर भी वह सबकी सेवा करतीं पर चेहरे पर जरा भी सिकन नहीं रहती। यह सोचते-सोचते वह भी सो गया।

यशी
लेखिका

मां ने अपने पुत्र रामू को आवाज दी। रामू की कोई आवाज न सुनकर वह उठी। उसने देखा कि बेटा तो सो गया है। मां मन ही मन बुदबुदायी कितना बड़ा हो गया है। घर की कोई चिंता नहीं है। खाना भी नहीं खाया। मैं भी थक जाती हूं। मां ने बेटे की तरफ देखा और रसोई की तरफ चल पड़ी। थोड़ी देर में खाना खिलाने के लिए बेटे को जगाया। बेटा उठकर बैठ गया। मां ने मुस्कराकर कहा खाना तो खा लो। बेटे ने जल्दी से खाना खा लिया, परंतु मां को उसने पूछा भी नहीं। मां कुछ न बोली। अब तो खाना बचा भी नहीं है। बेटे को खिला दिया, मेरी भूख मिट गई। यह सोच पुनः मां अपने बिस्तर पर लेट गई। मां-मां कहां हो तुम जल्दी चलो, चाची बुला रही हैं। वह बीमार हो गई हैं और तुम्हे याद कर रही हैं। गांव के लखन ने आवाज दी। मां आवाज सुनते ही खड़ी हो गई और बोली तुम्हारी मां जल्दी स्वस्थ हो जाएंगी। मैं कुछ दवाई लेकर चल रही हूं। इतना कहकर मां ने चाची के लिए कुछ घरेलू दवाई बनाई और तैयार होकर चाची के घर पहुंच गई। चाची ने उन्हें देखकर ही राहत की सांस ली, क्योंकि मां के स्पर्श मात्र से ही हर व्यक्ति प्रसन्न हो जाता था। चाची जल्दी ही स्वस्थ हो गईं। पैरों में पायल की झलकार, माथे पर छोटी सी बिंदी और कद-काठी छोटी। यही मां की पहचान थी। उनकी पायल की आवाज सुनकर ही गांव के प्रत्येक व्यक्ति समझ जाते थे कि मां आ गई है। जगत मां थी वह। मां तो स्वयं सबके लिए खड़ी रहती थी, लेकिन उसको कौन जानता है कि उसने खाना खाया कि नहीं।

अचानक एक दिन गांव में समाचार फैल गया मां नहीं रही। डाक्टर ने बताया कि वह कई दिन से बीमार थी। उन्होंने खाना भी नहीं खाया था। अब लोगों की समझ में आया कि जो मां रात-दिन हम लोगों की सेवा करती थी। हम लोगों ने कभी नहीं पूछा कि मां ने कुछ खाया कि नहीं। मां शांत थी। सब लोग उसकी क्रियाकर्म के बाद चले गए। कुछ दिन चर्चा चलती रही, बेटा बैठे-बैठे सोच रहा था कि मां कितनी महान थी। उसकी बराबरी कोई नहीं कर सकता। मां तो बस मां ही होती है।

समारोह

सभाकक्ष खचा खच भरा हुआ था,पीछे की दीवार पर अंग्रेजी में मोटे-मोटे अक्षरों में हिन्दी दिवस उत्सव पढ़कर समझ आया कि आज हिन्दी के उत्थान एवं उपयोगिता पर चर्चा रखी है। मुख्य अतिथि देर से पहुंचे और आते ही कहा, "एक्सट्रीमली सॉरी फॉर कीपिंग यू गायिस वेटिंग।" संचालनकर्ता ने भी अंग्रेजी में मुख्य अतिथि का स्वागत किया और सभी से कहा कि "प्लीज क्लैप फॉर ऑनरेबल चीफ गेस्ट"। फिर बताया गया कि, "वीथ ग्रेट प्लेजर इट इस इंफोर्मड दैट टुडे वी विल सेलिब्रेट हिन्दी दिवस," अंत में मुख्य अतिथि को हिन्दी के बारे में बोलने को कहा गया, संचालनकर्ता ने कहा, "नाउ आई रिक्वेस्ट आवर चीफ गेस्ट तो टेल उस फ्यू वर्ड्स अबाउट हिन्दी" मुख्य अथिति ने बोलना शुरू किया, "डियर हिन्दी लवर्स, आज ग्रेट हिन्दी डे है। हिन्दी के बारे में मैं सिर्फ यही कहूंगा कि, हिन्दी इस ए वैरी रिच लैंग्वेज, मुझे जब कभी एयरपोर्ट पर रैयरली हिन्दी बुक दिख जाती है तो मैं उसको खरीद ही डालता हूं। जस्ट टू फील द एक्सीस्टेंस ऑफ हिंदी इस स्टिल अलाइव इन माय सोल। इंडिया इस ग्रेट, हिन्दी इस ग्रेट।" सभा में सबसे पीछे बैठी हिन्दी अपना अस्तित्व तलाश रही थी।

डॉ. योगिता जोशी
शिक्षाविद् व साहित्यकार

समीक्षा

संबंधों की बुनावट में कहानियां

समाज है तो कथा है। समाज की अतः चेतना और अनुभूतियों को कहानियां अभिव्यक्त करती हैं। आधुनिक जीवन की जटिलताओं, रिश्तों की उलझनों, आर्थिक असमानताओं, स्त्री-पुरुष संबंधों और बदलते मूल्यों पर हिंदी कहानीकार गहन दृष्टि डालते हैं। अपनी कहानियों में सहज मानवीय संबंधों और उनमें आने वाले बदलावों के साथ ही घटती संवेदनाओं का चित्रण डॉ. गोपाल कृष्ण शर्मा 'मृदुल' के सद्यः प्रकाशित कहानी संग्रह 'रक्त संबंध' में दिखाई देता है। डॉ. शर्मा मूलतः कवि हैं पर उनकी अनेक गद्य पुस्तकें भी प्रकाशित हैं। उनकी कहानियों में कविता की लय दिखाई देती है। इस संग्रह की अधिकांश कहानियां निम्न मध्यम वर्गीय परिवार की कथाओं को स्वयं में समेटे हैं। कहानी संग्रह की पहली कहानी रक्षाबंधन सहज और निश्छल पारिवारिक संबंधों की कहानी है। संग्रह की लगभग सभी कहानियों में भारतीय संस्कृति के उद्दात मानवीय मूल्य दृष्टिगत होते हैं। कहानी संग्रह में भाषा की मृदुलता गरिमापूर्ण रूप से निर्वाहित होती है। अपनी कहानियों में वे कहीं भी संस्कारों का साथ नहीं छोड़ते। 'कच्ची उम्र का पक्का प्यार' कथा में दोनों ही पात्र दिनेश और निशा अपने पहले प्रेम को खो देने के बाद उसकी स्मृतियों से कभी अलग नहीं हो पाते। प्रेम कि उनकी अनुभूतियां संपूर्ण पवित्रता के साथ कहानी में उपस्थित दिखाई देती हैं और दोनों एक दूसरे को अनन्य प्रेम करते हुए भी अपनी सीमाओं को निभाते हैं। कहानियों में पात्रों के अनुकूल स्थानिकता का भाषाई पुट भी दिखाई देता है। कहानी संग्रह की सभी 19 कहानी गांव और निम्न मध्यम वर्ग की शहरी परिवारों की कथाएं हैं। इनमें जीवन संघर्ष है। संबंधों की सहजता है। धोखा और बनावट है। भाषा के स्तर पर लेखक बहुत सहज है। कहानियों में कहीं भी भाषा की बोझिलता नहीं दिखाई देती। कुल मिलाकर एक पठनीय और संग्रहणीय कहानी संग्रह है- रक्त संबंध।

पुस्तक- रक्त संबंध
(कहानी संग्रह)
लेखक- डॉ गोपाल कृष्ण शर्मा 'मृदुल'
प्रकाशक- सत्यम् पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
मूल्य-460 रु.
समीक्षक- डॉ प्रशांत अग्निहोत्री

गजलों में रोशनी के टुकड़े

कवि, गजलकार अशोक 'अंजुम' की नवीनतम कृति है- 'प्रतिनिधि गजलें : अशोक 'अंजुम' जो वरिष्ठ साहित्य का डॉ. गिरिराजशरण अग्रवाल के संयोजन में प्रकाशित हुई है। प्रस्तुत किताब में चुनिंदा 105 गजलें प्रकाशित हुई हैं। सहजता से बड़ी-बड़ी बात कह देना लेखक की गजलों की खासियत है।
ये गजलें कथ्य और शिल्प के स्तर पर एकदम दुरुस्त हैं। इन गजलों में जहां प्रेम की कोमल अनुभूतियां हैं, वहीं राजनीति, समाज, देश, परिवार, पर्यावरण, रिश्ते आदि तमाम विषयों पर अंजुम ने बेहद प्रभावी अश्आर कहे हैं, कुछ उदाहरण देखें-'वक्त जीवन में ऐसा न आए कभी खत किसी के भी कोई जलाए कभी। मुझको गर तू उड़ान दे मौला तो खुला आसमान दे मौला... बना रहे हैं लोग जहां में जाने कैसी-कैसी बात उस पर तुर्रा तने हुए हैं लेकर अपनी अपनी बात...'
किताब की गजलों के अश्आर में अंजुम कितनी ही दफा एक बेहतरीन व्यंग्यकार के रूप में नजर आते हैं, बल्कि यह कहना अधिक उचित होगा कि अशोक 'अंजुम' मूलतः व्यंग्य में अधिक मुखर दिखाई देते हैं- 'दोस्तों जनतंत्र में यह भी अदा पाई गई राजपथ पर सुबह सच की खाल खिंचवाई गई... खरा गुमनाम, खोटा चल रहा है। अजब सिस्टम है क्या-क्या चल रहा है।' अब तक अशोक 'अंजुम' की मौलिक और संपादित 72 किताबें प्रकाशित हो चुकी हैं, जिनमें लगभग एक दर्जन किताबें उनकी खुद की गजलों पर केंद्रित हैं। गजल की इन किताबों में से कई को राष्ट्रीय स्तर के पुरस्कार भी मिल चुके हैं। "प्रतिनिधि गजलें : अशोक अंजुम" किताब प्रतिष्ठित प्रकाशन संस्थान "हिंदी साहित्य निकेतन" की लोकप्रिय शृंखला "हिन्दी गजल यात्रा" के अंतर्गत प्रकाशित हुई है। अंत में इसी किताब से- खुशबुओं की बारिश है बंदगी के टुकड़े हैं, ये गजल के शेर हैं या रोशनी के टुकड़े हैं।

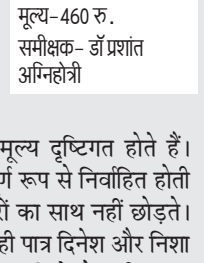

पुस्तक : प्रतिनिधि गजलें : अशोक अंजुम
प्रकाशक : हिंदी साहित्य निकेतन, बिजनौर
मूल्य- 250 रुपए
समीक्षक : डॉ. दौलत राम शर्मा

व्यंग्य

सरकारी सेवक की व्यथा

हम सरकारी नौकरी वालों की भी अपनी व्यथा है। ऐसी व्यथा जो न तो बांची जा सकती है और न ही आत्मसात की जा सकती है। बेरोजगार योनि से रोजगार योनि में प्रवेश करने के साथ ही परिवार, समाज और कार्यस्थल पर बंदे के व्यक्तित्व के प्रति ढेर सारी धारणाएं जन्म ले लेती हैं। समय और स्थान के अनुसार सरकारी सेवक के प्रति लोगों के मस्तिष्क में किस्म-किस्म की सोच, दृष्टिकोण और धारणा रक्त-बीज की तरह पनपता रहता है।

नौकरी प्राप्त बंदे के परिवार में यह खुशफहमी फैल जाती है कि सरकारी नौकरी के पुण्य प्रताप से जल्द ही उनके परिवार की अर्थव्यवस्था अमेरिकी अर्थव्यवस्था की तरह शीर्ष पर पहुंचने वाली है। रिश्तेदारों के मन में यह विचार घुसपैठ कर जाता है कि खानदान के अन्य निठल्ले बेरोजगारों का कायाकल्प होने वाला है। रिश्तेदारों में ऐसी उम्मीद की वायफाय कनेक्टिविटी जोर पकड़ लेती है कि सरकारी बंदे की अनुशंसा, पैरवी अथवा सेटिंग के सौजन्य से अन्य रिश्तेदारों को भी सरकारी नौकरी का सुख प्राप्त होने वाला है।

विनोद कुमार विक्की
व्यंग्यकार

समाज के लोगों के मन-मस्तिष्क में विराजमान विवेक यह संकेत देने लगता है कि सरकारी नौकरी के नाम पर बंदे की लॉटरी लग गई है। सरकारी कुर्सी पर बैठकर बंदा माल छाप रहा है और गबन, रिश्वत एवं अंधाधुंध ऊपरी कमाई के कालाधन से रिजर्व बैंक आफ फैमिली की स्थापना करने में लगा हुआ है। समाज के बुद्धिजीवियों को लगता है कि सरकारी नौकरी होने मात्र से बंदे को कुबेर का खजाना अथवा भारतीय टकसाल की चाभी मिल जाती है। सामाजिक शुभचिंतकों की नजर में सरकारी सेवक का वेतन खटकने लगता है। उन्हें बिना किसी गुरु का यह दिव्य ज्ञान प्राप्त होता है कि महीने की प्रथम तारीख को हजारों, लाखों रुपये की राशि बिना श्रम, तनाव अथवा परेशानी के सरकारी सेवक के बैंक खाते में प्रवेश करने को लालायित रहती है।

घर में सरकारी सेवक की स्थिति दिल्ली के आवारा कुत्तों वाली और कार्य स्थल पर धोबी घाट के गधे वाली होती है। बॉस और उच्च अधिकारियों की नजर में वह इडियट और निकम्मा होता है, जो अटेंडेंस बनाकर सिर्फ दिन काट रहा है और वेतन का लाभ ले रहा है। दूसरी ओर अधीनस्थ कर्मचारी के दिमाग में बंदे के प्रति हिटलर की छवि बनी रहती है, जो सरकारी कुर्सी पर बैठे-बैठे सिर्फ हुक्म और फरमान जारी करता है। मजे की बात यह है कि यदि बंदा टेंशन मुक्त मजाकिया माहौल में काम करें तो सहकर्मी का हीमोग्लोबिन स्तर यह सोचकर घटने लगता है कि बंदे के पास कार्यभार या प्रभार अपेक्षाकृत काफी कम है और बंदे की मौज है।

अतिरिक्त कार्य के बोझ से थका हारा बंदा जब देर शाम कार्यालय से घर लौटता है, तो पत्नी की खोपड़ी में निवास करने वाली मंथरा इस बात की चुगली कर देती है शायद घर की जिम्मेदारियों से बचने के लिए जान-बूझकर देरी से घर लौट रहा है।

बहरहाल सरकारी सेवक के प्रति किसकी क्या राय है? यह तो विमर्श का विषय है, दूसरी ओर सुबह से शाम तक ऑफिस में कम्प्यूटर और फाइलों के बीच उलझा सरकारी सेवक यह सोच-सोच कर तनाव ग्रस्त रहता है कि सरकारी नौकरी के चक्कर में वह अपना चैन, सुकून और मानवीय जीवन का बहुमूल्य समय गंवा रहा है। समाजिक प्रतिष्ठा के शोकाकुल माहौल में जिम्मेदारियों के कब्र तले व्यक्तिगत स्वच्छंदता और शौक को दफन कर बाजीगर की तरह मुस्कुरा रहा है।

आधी दुनिया

डॉ. मोनिका राज
लेखिका

आज की तेज रफ्तार जिंदगी में महिलाओं के लिए अपने स्वास्थ्य और फिटनेस का ध्यान रखना अत्यंत आवश्यक हो गया है। घर, करियर और समाज की जिम्मेदारियों को निभाने में वे अक्सर अपने स्वास्थ्य को नजरअंदाज कर देती हैं, जिसका असर न केवल उनके शारीरिक, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य पर भी पड़ता है। स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, योग और मानसिक शांति अत्यंत महत्वपूर्ण है। महिलाओं की शारीरिक जरूरतें पुरुषों से भिन्न होती हैं, इसलिए उन्हें पोषण संबंधी विशेष ध्यान देने की आवश्यकता होती है। सही आहार न केवल ऊर्जा प्रदान करता है, बल्कि हार्मोनल संतुलन बनाए रखने, इम्यूनिटी बढ़ाने और बीमारियों से बचाव करने में भी सहायक होता है। इसी तरह योग और फिटनेस अभ्यास न केवल वजन को नियंत्रित रखने में मदद करते हैं, बल्कि तनाव कम करने और मांसपेशियों को मजबूत बनाने में भी सहायक होते हैं।

नारी के स्वास्थ्य में है जीवन की शक्ति

महिलाओं के लिए संतुलित आहार का महत्व

महिलाओं का शरीर पुरुषों की तुलना में कई मायनों में भिन्न होता है, इसलिए उनके लिए पोषण संबंधी आवश्यकताओं का विशेष ध्यान रखना अत्यंत जरूरी है। महिलाओं के जीवन के अलग-अलग चरण, किशोरावस्था, विवाह, गर्भावस्था, स्तनपान और रजोनिवृत्ति-हर जगह शरीर की जरूरतें बदलती रहती हैं। ऐसे में संतुलित और पोषक आहार न केवल उनके स्वास्थ्य की रक्षा करता है, बल्कि उन्हें ऊर्जावान व सक्रिय भी बनाए रखता है।

सही आहार महिलाओं के लिए वजन को संतुलित रखने का माध्यम ही नहीं है, बल्कि यह हार्मोनल संतुलन को बनाए रखने में भी अहम भूमिका निभाता है। हार्मोनल असंतुलन कई शारीरिक और मानसिक समस्याओं की जड़ होता है, इसलिए पौष्टिक भोजन का महत्व और बढ़ जाता है। कैल्शियम और विटामिन-डी हड्डियों को मजबूत बनाते हैं और ऑस्टियोपोरोसिस से बचाते हैं, वहीं आयरन की पर्याप्त मात्रा एनीमिया जैसी समस्या से महिलाओं की रक्षा करती है। प्रोटीन मांसपेशियों को मजबूती और ऊर्जा प्रदान करता है, जबकि ओमेगा-3 फैटी एसिड दिल और दिमाग को स्वस्थ रखते हैं। इसी प्रकार, फल, हरी सब्जियां और साबुत अनाज जैसे फाइबरयुक्त भोजन पाचन तंत्र को दुरुस्त रखते हैं और वजन बढ़ने से रोकते हैं। कुल मिलाकर सही पोषण महिलाओं के लिए केवल स्वास्थ्य ही नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, ऊर्जा और खुशहाल जीवन का भी आधार है।

योगासन

सूर्य नमस्कार : पूरे शरीर को लचीला बनाता है और कैलोरी बर्न करता है।

भुजंगासन : पीठ दर्द को कम करता है और रीढ़ को मजबूत बनाता है।

पश्चिमोत्तानासन : तनाव को कम करता है और पेट की चर्बी घटाता है।

बालासन : मानसिक शांति देता है और शरीर को रिलैक्स करता है।

वृक्षासन : बैलेंस और फोकस बढ़ाता है।

कार्डियो और स्ट्रेंथ ट्रेनिंग

ब्रिस्क वॉक (30 मिनट) : दिनभर की थकान दूर करने और हृदय स्वास्थ्य के लिए जरूरी।

स्क्वाट्स (15-20 बार) : पैरों और जांघों की ताकत बढ़ाने के लिए।

पुश-अप्स (10-15 बार) : बाजुओं और छाती की मांसपेशियों को मजबूत करता है।

प्लैंक (30-60 सेकंड) : कोर मसल्स को टोन करने के लिए।

जंपिंग जैक्स (50 बार) : शरीर की चर्बी घटाने में मदद करता है।

स्वास्थ्य टिप्स

- हाइड्रेशन बनाए रखें-दिनभर कम से कम 8-10 गिलास पानी पिएं। नारियल पानी, हर्बल टी और सूप जैसे हेल्दी ड्रिंक्स भी शामिल करें।
- नींद पूरी लें-रात में 7-8 घंटे की अच्छी नींद सेहत के लिए बहुत जरूरी होती है। यह हार्मोनल बैलेंस बनाए रखती है और शरीर को रिलैक्स करती है।
- तनाव कम करें- ध्यान (मेडिटेशन) और प्राणायाम करें, जो दिमाग को शांत रखता है और मानसिक संतुलन बनाए रखता है।
- प्रोसेस्ड फूड से बचें -पैक्ड फूड, ज्यादा नमक और चीनी से परहेज करें। हेल्दी और घर का बना खाना खाएं।
- नियमित हेल्थ चेकअप कराएं - ब्लड प्रेशर, शुगर लेवल, कैल्शियम और आयरन की जांच समय-समय पर कराते रहें।

स्वास्थ्य और फिटनेस बनाए रखना बहुत जरूरी है, खासकर तब जब वे घर और काम दोनों संभालती हैं। संतुलित आहार, नियमित योग और व्यायाम, पर्याप्त नींद और मानसिक शांति का संयोजन उनके जीवन को और भी स्वस्थ व ऊर्जावान बना सकता है। स्वस्थ शरीर ही नहीं, स्वस्थ मन भी सफलता की कुंजी है। इसलिए खुद की देखभाल को प्राथमिकता दें और एक हेल्दी और खुशहाल जीवन जिएं।

आवश्यक पोषक तत्व

प्रोटीन :- मांसपेशियों को मजबूत बनाने और ऊर्जावान रहने के लिए जरूरी (सोयाबीन, दालें, अंडा, पनीर, दही, नट्स)।

कैल्शियम और विटामिन-डी :- हड्डियों को मजबूत बनाए रखने के लिए आवश्यक दूध, दही, हरी पत्तेदार सब्जियां, सूरज की रोशनी है।

आयरन :- एनीमिया से बचाव के लिए जरूरी चुकंदर, अनार, पालक, गुड़, हरी सब्जियां हैं।

ओमेगा-3 फैटी एसिड :- दिल और मस्तिष्क के स्वास्थ्य के लिए लाभकारी अखरोट, अलसी के बीज, मछली है।

फाइबर :- पाचन तंत्र को स्वस्थ रखने और वजन संतुलित करने के लिए फल, सब्जियां, साबुत अनाज का सेवन करें।

दैनिक आहार रूटीन

सुबह का नाश्ता (7 :00-8 :00 बजे)

सुबह का नाश्ता दिन की सबसे महत्वपूर्ण मील होती है। यह पूरे दिन की ऊर्जा प्रदान करता है।

- 1 कटोरी ओट्स या दलिया (दूध या दही के साथ)
- 1 उबला हुआ अंडा या 1 प्लेट पोहा/उपमा
- 1 केला या सेब
- 1 गिलास नींबू पानी या ग्रीन टी
- मिड मॉर्निंग स्नैक (10 :00-11 :00)
- मुट्ठीभर भुने हुए चने या बादाम
- 1 कप ग्रीन टी या नारियल पानी
- दोपहर का खाना (1:00-2 :00 बजे)

संतुलित लंच

- 1 कटोरी दाल
- 1 कटोरी ब्राउन राइस या 2 रोटी
- हरी सब्जी
- 1 कटोरी दही
- सलाद (खीरा, टमाटर, गाजर)
- शाम का स्नैक (4 :00-5 :00 बजे)
- शाम के समय हल्का और पोषक आहार लेना जरूरी है।
- 1 प्लेट स्प्राउट्स
- 1 कप ग्रीन टी या अदरक-इलायची वाली चाय
- 4-5 भुने हुए मखाने
- रात का खाना (8 :00-9 :00 बजे)
- रात का खाना हल्का और सुपाच्य होना चाहिए।
- 1 कटोरी वेजिटेबल सूप या दाल
- 1 रोटी या 1 कटोरी दलिया
- 1 कटोरी दही

हल्का सलाद

- सोने से पहले (10 :00-11 :00 बजे)
- 1 गिलास हल्दी वाला दूध या कैमोमाइल टी
- 2-3 भीगे हुए बादाम

योग और फिटनेस टिप्स

महिलाओं के लिए फिटनेस का अर्थ केवल वजन कम करना या स्लिम-ट्रिम दिखना भर नहीं है, बल्कि यह उनके संपूर्ण शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बनाए रखने का एक सशक्त साधन है। आज की व्यस्त जीवनशैली में तनाव, अनियमित खान-पान और शारीरिक निष्क्रियता कई बीमारियों का कारण बन रही हैं। ऐसे में नियमित योग और व्यायाम महिलाओं के लिए जीवनदायी साबित हो सकते हैं।

योगासन और फिटनेस अभ्यास शरीर में ऊर्जा का संचार करते हैं, मांसपेशियों को मजबूत बनाते हैं और हड्डियों को लचीला बनाए रखते हैं। इसके साथ ही ये हार्मोनल संतुलन को बनाए रखने में भी अहम भूमिका निभाते हैं, जो विशेष रूप से महिलाओं के स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है। मानसिक स्तर पर योग ध्यान और प्राणायाम तनाव को कम करने, नींद की गुणवत्ता सुधारने और आत्मविश्वास बढ़ाने में सहायक होते हैं। वहीं, कार्डियो और स्ट्रेंथ ट्रेनिंग हृदय स्वास्थ्य को बेहतर बनाने और शरीर में अतिरिक्त चर्बी को कम करने में मदद करती हैं।

दरअसल फिटनेस महिलाओं के लिए केवल बाहरी सौंदर्य का प्रतीक नहीं है, बल्कि यह उनके भीतर की शक्ति, स्थिरता और मानसिक शांति का आधार है। नियमित व्यायाम और योग से न केवल शरीर स्वस्थ रहता है, बल्कि मन भी प्रसन्न और संतुलित बना रहता है। यही संतुलन उन्हें परिवार, करियर और समाज की जिम्मेदारियों को सहजता से निभाने की ताकत देता है।

बच्चों में खेलों से होता ज्ञान का विकास

शिशु अवस्था में खेल-खिलौने उतने ही महत्वपूर्ण हैं जितना उन्हें जीवन जीने के लिए या स्वस्थ रहने के लिए पोषण युक्त भोजन। अर्थात शिशु अवस्था विशेषकर उन्हें तीन से छह वर्ष की आयु में अपना 'बचपन' जीने के अवसर प्रदान किए जाएं, जिससे एक स्वस्थ एवं सभ्य समाज में जिम्मेदार नागरिक बनने की नींव पड़ सके।

डॉ. अनिल चौबे
शिक्षक

अनेक तरीकों से सीखने का आनंद

- बच्चे अनेक तरीकों से सीखने का आनंद लेते हैं। छोटे बच्चे बात करना, सुनना, खेलों में खिलौनों का उपयोग करना, चित्र बनाना, गाना गाना, डांस करना तथा दौड़ना एवं फुदकना पसंद करते हैं। शिक्षकों को सकारात्मक रूप से इन गतिविधियों का उपयोग सीखने में करना चाहिए।
- शिशु शिक्षा, तीन से छह वर्ष की आयु उद्दीपन के द्वारा सीखने की आयु होती है। शिशु अवस्था में बच्चों का सज्ञानात्मक एवं व्यक्तिगत सामाजिक विकास तथा संवेगात्मक विकास सबसे अधिक होता है। इस आयु में विकास की तीव्रता स्पष्ट दिखलाई पड़ती है। इसमें ध्यान, प्रसूति, कल्पना, संवेदना, प्रत्यक्षीकरण आदि का विकास बहुत तेजी से होता है। उनके सीखने में कल्पनाशीलता तथा आत्मप्रेम की भावना स्पष्ट परिलक्षित होती है।
- यदि हम प्राचीन काल से अब तक के शिशु अवस्था के खेलों पर गौर करें तो यह पाते हैं कि इस अवस्था में चार प्रमुख वस्तुएं ऐसी हैं, जो प्रत्येक देश, काल एवं परिस्थितियों में खेलों के लिए सदैव एक समान रही हैं।
- ये 4 जी हैं यानी गेंद, गाड़ी, गुड़िया और गन। इस अवस्था में खेल उनके शारीरिक एवं मानसिक विकास को तो प्रबल करता ही है। उनमें अनुशासन, टीम भावना एवं प्रतिस्पर्धा की भावना को भी मजबूत करता है। बच्चे शिशु अवस्था से ही खेलों की ओर आकृष्ट होते हैं। उनके सीखने में खेलों का महत्वपूर्ण स्थान है, इसीलिए खेल एवं खिलौने उनके आकर्षण का केन्द्र बनते हैं।
- खेल खिलौनों का स्वरूप तो निश्चित रूप से बदलता दिखाई दिया है, परंतु शिशु अवस्था के खेलों के केन्द्र में 'ग' ही रहा है। कुछ बच्चे गेंद से खेलना पसंद करते हैं तो कुछ भी पसंद गुड़िया या गन या फिर गाड़ी हो सकती है। यह आज भी स्पष्ट रूप से हमारे बच्चों के बीच दिखाई पड़ता है। भले ही समय-समय पर उसके रूप परिवर्तित होते रहे हों।

संवेदनशीलता

बच्चे अपने ज्ञान का निर्माण स्वयं करते हैं। इस क्रम में अध्यापक एक सुगमकर्ता के रूप में बच्चों की ज्ञान निर्माण प्रक्रिया में सहभागिता निभाता है, जिससे सीखना बच्चों के लिए अर्थपूर्ण बन सके। इस विचार को संरचनावाद के नाम से जाना जाता है। इसके लिए गहन संवेदनशीलता की आवश्यकता होती है। इसमें सीखने-सिखाने की प्रक्रिया लोकतांत्रिक होनी चाहिए। एक ऐसी प्रक्रिया, जिसमें बच्चे को अपनी समझ (बहुत बार नासमझी) को अभिव्यक्त करने के अवसर हों, दूसरों की बात सुनने का हुनर व धैर्य हो और सबसे महत्वपूर्ण कि बच्चे को अपनी हंसी उड़ाए जाने का भय न हो। सहमत-असहमत होने की आजादी भी हो। संस्थागत ढांचे अर्थात किसी संस्था में सीखना घर के मुकाबले अधिक स्थायी एवं विविधता लिए हुए होता है। संस्था में बच्चा नेतृत्व स्वीकार करना, नेतृत्व प्रदान करना, हारना, जीतना, टीम बनाना, परानुभूति, सहानुभूति आदि सीखता है, जो घर में संभव नहीं हो पाता है। विशेषकर आज के एकाकी परिवारों में तो बिल्कुल संभव नहीं हैं। जबकि यह सभी जीवन जीने एवं समाज में अस्तित्व बनाए रखने के लिए आवश्यक है।

ज्ञान की संरचना

बच्चे अपने ज्ञान की संरचना कैसे करते हैं? अपने आसपास की दुनिया को कैसे समझते हैं? इन सभी प्रक्रियाओं को समझने के लिए हमारे लिए यह जानना जरूरी है कि बच्चे ज्ञान निर्माण की इस प्रक्रिया में किस प्रकार शामिल होते हैं। इस प्रक्रिया को समझने से कक्षा में शिक्षण गतिविधियां निर्धारित करने में सहायता मिल सकती है। संज्ञान व्यवस्थित अनुभव का नाम है। प्रत्येक अनुभव संज्ञान में तब्दील नहीं होता है, परंतु संज्ञान के लिए अनुभव अनिवार्य है। बच्चे अपने अनुभवों को सूत्रबद्ध करके सार्थक ज्ञान की रचना कर सकते हैं। इन्द्रियगत अनुभवों की ज्ञान निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका होती है। बच्चों का अनुभव अवधारणाओं के माध्यम से संज्ञान में तब्दील होता है और भाषा के माध्यम से इसे ज्ञान के रूप में संजोया जाता है। एक बच्चे का अपने खिलौने उठाने से इनकार करना किसी माता-पिता को मामूली दुर्व्यवहार लग सकता है, लेकिन किसी दूसरे को यह असहनीय व्यवहार लग सकता है। आप जानते होंगे कि शिशु और छोटे बच्चे वर्तमान में विद्यमान चीजों के प्रति प्रतिक्रिया देते हैं। जब बच्चे किसी चीज की मांग करते हैं तो चाहते हैं कि यह मांग उसी समय पूरी हो या फिर वे चिल्लाते, काटते, लात मारते, या तंग कर सकते हैं। वे अक्सर अपने व्यवहार के दीर्घकालिक प्रभावों को नहीं समझ सकते हैं।

जैसे-जैसे बच्चा बड़ा होता है अर्थात पांच-छह वर्ष की आयु तक पहुंचते-पहुंचते वह अपने आस-पास की वस्तुओं, खिलौनो, क्रियाओं तथा लोगों के बारे में अधिक से अधिक जानने का प्रयास करता है तथा उसे जानने के लिए 'सवाल' करने लगता है। उसमें निरंतर उत्सुकता बढ़ती है और वह तब तक चैन से नहीं बैठता जब तक उसके बारे में जानकारी हासिल न कर ले। बच्चा अपने परिवार के सदस्यों को देखता है तथा उनके प्रतिरूप में गुड़िया-गुड्डों को सजाता है, परिवार बनाता है तथा परिवार में सदस्यों के जिन-जिन कार्यों को देखता है उन सबको अपने खिलौने-गुड़िया-गुड्डों, गाड़ी, गेंद के माध्यम से प्रदर्शित करने का प्रयास करता है। इस आयु में अभिभावकों का भी दायित्व है कि वे बच्चों के खेल-खिलौनों में पूरा सहयोग एवं प्रतिभागिता उपलब्ध कराएं। उनके सवालों का जबाव दें। उन्हें किसी भी दशा में चुप कराने का प्रयास न करें। अन्यथा वे सवाल करना बंद कर देंगे, जिससे उनका सीखना रुक जाएगा।

खाना खजाना

पोहे के कोफ्ते

यदि आप सुबह में हेल्दी और टेस्टी नाश्ता चाहते हैं, जो आपके दिन की शुरुआत को ऊर्जा से भर दे। ऐसे में पोहा कोफ्ते आपके लिए एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है। ये आपके दिन की शुरुआत को ऊर्जा से भर देगा। ये स्वादिष्ट के साथ-साथ हल्का और हेल्दी नाश्ता है। बच्चों और बड़ों को पसंद आने वाले पोहा कोफ्ते कुछ ही मिनटों में बना सकते हैं। ये कोफ्ते न केवल बनाने में आसान हैं, बल्कि पोहा और बेसन का संयोजन इन्हें हेल्दी भी बनाता है। इसमें मौजूद पोषक तत्व और स्वादिष्ट मसाले इसे बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी का पसंदीदा बना सकते हैं। आइए जानते हैं पोहा कोफ्ते की रेसिपी और इसे बनाने का तरीका।

चंद्र कला मेहता
फूड ब्लॉगर

सामग्री

भरावन के लिए

- बेसन डेढ़ कटोरी
- पोहे 250 ग्राम
- हरी मिर्च बारीक कटी हुई
- हरा धनिया बारीक कटा हुआ
- चिली फ्लैक्स (इच्छानुसार)
- लाल मिर्च पाउडर (स्वादानुसार)
- नमक (स्वादानुसार)
- मीठा नीम (इच्छानुसार)

बनाने की विधि

सबसे पहले बेसन में नमक, लाल मिर्च पाउडर, अजवाइन डालकर पकोड़े जैसा घोल बना लें। अब पोहे को अच्छी तरह से धोकर भिगो दें। थोड़ा अच्छा भीग जाने के बाद पोहे को छलनी में डाल लें ताकि सारा पानी निकल जाए। अब अच्छे से हाथ से मेस कर लें फिर इसमें कटी हुई धनिया, कटी हुई मिर्ची, नमक, लाल मिर्च, मीठा नीम और चिली फ्लैक्स मिलाकर अच्छी तरह से मिक्स कर लें, अब इनकी छोटी-छोटी लोई बना लें। फिर इनको बेसन के घोल में डीप करके मीडियम आंच पर तैल में फ्राई कर लें। जब अच्छे से फ्राई हो जाए तब इसे निकालकर टिश्यू पेपर पर ले लें फिर गरम-गरम कोफ्ते और चाय साथ में हो तो मौसम का आनंद दुगुना हो जाता हैं। चिलिफ़्लैक्स डालने से स्वाद और बढ़ जाता है। आप इसके मिर्ची बड़े भी बना सकते हो। सिर्फ मिर्ची को बीच में से कट करके उसमें पोहे का मसाला भर दें और फिर मीडियम आंच पर फ्राई कर लें, अब आपके लिए मिर्ची बड़े भी तैयार हो जाएंगे, जो अभी आलू प्याज नहीं खाते हैं वो भी मिर्ची बड़े कोफ्ते बनाकर इस बारिश के मौसम का लुत्फ उठा सकते हैं।

न्यूज ब्रीफ

पुत्री की बरामदगी को धरने पर बैठा परिवार

धौरहरा, अमृत विचार : ईसा नगर थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी परिवार शनिवार को तहसील सभागार के सामने पत्नी बच्चों सहित धरने पर बैठ गया। आरोप है कि 17 जुलाई को दोपहर एक बजे प्रताप, बडकन्नू, सुदामा, अमिरका, अशोकी, पप्पू निवासी बेलाहार थाना ईसानगर ने एकराय होकर 13 वर्षीय पुत्री का अपहरण कर लिया था। परिजनों का आरोप है कि मामले में ईसानगर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज की, लेकिन अब तक न तो आरोपियों को गिरफ्तार किया और न ही पुत्री को बरामद किया है।

पाकिस्तान के पंजाब में बाढ़ से 97 की मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी : पाकिस्तान के पूर्वी पंजाब प्रांत में हाल ही में आई बाढ़ से कम से कम 97 लोगों की मौत हो गई और 44 लाख से ज़्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। प्रांतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (पीडीएमए) ने यह जानकारी दी है। पीडीएमए के अनुसार शुक्रवार को रावी, सतलुज और चिनाब नदियों में जलस्तर बढ़ने से आई बाढ़ ने पूरे प्रांत में 4,500 से ज़्यादा गांवों को नुकसान पहुंचाया है। प्राधिकरण ने बताया कि अब तक चल रहे बचाव और राहत कार्यों के तहत लगभग 24 .5 लाख लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा चुका है।

एएसपी ने सीमावर्ती क्षेत्र में की पैदल गश्त

पीलीभीत, अमृत विचार : जिले में किए गए अलर्ट के बीच शनिवार को भी नेपाल और उत्तराखंड सीमा से सटे इलाकों में पुलिस और एसएसबी की संयुक्त गश्त जारी रही। संदिग्धों पर नजर रखी गई। आवाजाही करने वालों की चेकिंग हुई। अधिकारी इसकी मॉनिटरिंग करते रहे। नेपाल में हुई हिंसा के बाद से ही जिले में अलर्ट चल रहा है। इसके बाद से अलर्ट चल रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी के विजन से मुख्यमंत्री योगी का बनाया फॉर्मूला हुआ हिट

महाराष्ट्र और एमपी में लागू होगा विकसित यूपी मॉडल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत @2047' विजन को उत्तर प्रदेश ने जिस तेजी, भागीदारी और ज़मीनी गहराई के साथ अमल में उतारा है, अब वह पूरे देश के लिए मॉडल बन गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में चल रहा 'विकसित यूपी @2047' अभियान अब महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में भी लागू होने जा रहा है।

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने अपने अधिकारियों को इस मॉडल पर तत्काल कार्ययोजना तैयार करने का निर्देश दे दिया है। यह स्पष्ट संकेत है कि योगी सरकार के विजन और कार्यशैली को राष्ट्रीय स्तर पर गंभीरता से अपनाया जा रहा है। यूपी अब केवल भारत का सबसे बड़ा राज्य नहीं, बल्कि भविष्य के भारत की विकास नीति का 'टेम्पलेट स्टेट' बनता जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की इस रणनीति को प्रधानमंत्री मोदी के विजन से जोड़े जाने के बाद, यह 'विकसित भारत @2047' का सबसे विश्वसनीय मार्ग बन चुका है, जिसे अब देश के अन्य राज्य भी स्वीकार कर रहे हैं।

- यूपी बना राष्ट्रीय एजेंडे का मार्गदर्शक, कई राज्य अपनाएंगे योगी सरकार की रणनीति

विकसित भारत का ब्लूप्रिंट बनेगा यूपी

योगी सरकार ने विकास के लिए तीन व्यापक स्तंभ तय किए हैं, अर्थशक्ति (आर्थिक समृद्धि), सृजन शक्ति (नवाचार, शिक्षा, रोजगार) और जीवन शक्ति (स्वास्थ्य, पर्यावरण, मूलभूत सुविधाएं)। इसके तहत शिक्षा, कृषि, स्वास्थ्य, एमएसएमई, महिला सशक्तिकरण, युवाओं का कौशल विकास जैसे 12 अहम सेक्टरों में गहन रोडमैप तैयार किया जा रहा है। राज्य में अब तक 75 जिलों में यह अभियान सक्रिय हो चुका है।

यूपी का मॉडल क्यों बना नजीर

- देश का पहला राज्य, जिसने 24 घंटे का विशेष विधानसभा सत्र बुलाया
- जनभागीदारी के लिए क्यूआर कोड और डिजिटल पोर्टल का इस्तेमाल
- गांव-गांव जाकर सवा लाख से अधिक सुझाव जुटाए, अभियान जारी
- तीन मुख्य थीम्स : अर्थ, सृजन व जीवन शक्ति

अमेरिका में क्वात्रा ने सांसदों से द्विपक्षीय व्यापार संबंधों पर चर्चा की

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने कई प्रमुख अमेरिकी सांसदों के साथ द्विपक्षीय व्यापार संबंधों पर चर्चा की। इस दौरान, उन्होंने बातचीत और कूटनीति के माध्यम से यूक्रेन संघर्ष के समाधान के प्रयासों के लिए नई दिल्ली के समर्थन की पुनः पुष्टि भी की।

क्वात्रा ने शुक्रवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि प्रतिनिधि सभा (अमेरिकी संसद का निचला सदन) के सदस्य जेम्स मोयलान को भारत-अमेरिका के बीच व्यापार साझेदारी और ऊर्जा सहयोग में हाल के घटनाक्रमों पर जानकारी देने का अवसर मिला। उन्होंने लिखा कि हमने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में आपंसी हितों के मुद्दों पर भी विचार साझा किए। बातचीत और कूटनीति के जरिये यूक्रेन संघर्ष के समाधान के लिए भारत के समर्थन को दोहराया। क्वात्रा ने बताया कि चीन के साथ भारत के संबंधों को लेकर सही दृष्टिकोण साझा किया। क्वात्रा डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन की ओर से भारतीय वस्तुओं पर लगाए गए अतिरिक्त टैरिफ के चलते दोनों देशों के रिश्तों में आए तनाव के बीच अमेरिकी सांसदों से लगातार मुलाकात कर रहे हैं।

पूर्व विधायक का भतीजा 19 लाख की ठगी में गिरफ्तार

सोने की ईंट के नाम पर दिल्ली के व्यापारी से हुई थी ठगी

संवाददाता, निघासन

अमृत विचार: सोने की ईंट से किडनी का इलाज करने का झांसा देकर 19 लाख रुपये की ठगी करने वाले गिरोह के एक और आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी निघासन के तीन बार विधायक रहे स्व. निरवेंद्र कुमार मिश्रा उर्फ मुन्ना का भतीजा है। पुलिस ने उसका चालान कर कोर्ट में पेश किया, जहां से अदालत ने उसे जेल भेज दिया है।

प्रभारी निरीक्षक महेश चंद्र ने बताया कि करीब एक महीने पहले ठगों ने दिल्ली निवासी नरेश कुमार जैन से संपर्क किया। बाद में उसे निघासन बुलाया और उसकी उसकी पत्नी की किडनी खराब होने का बहाना बनाया और एक सोने की नकली ईंट दी। दावा किया कि इसे धुलकर पीने से किडनी ठीक हो जाएगी। इसी दौरान रोलेक्स घड़ी और हीरे की अंगूठी भी उनकी लूट ली। दिल्ली के व्यापारी की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की थी और घटना में शामिल मिर्जागंज के पूर्व प्रधान पुत्र इरफान समेत दो आरोपियों को गिरफ्तार कर चालान भेजा था। पुलिस की जांच में तीसरे आरोपी के रूप में थाना संपूर्णानगर क्षेत्र के गांव त्रिकोलिया निवासी सौरभ मिश्रा का नाम प्रकाश में आया।

शनिवार को पुलिस ने उसे दुबहा बस स्टैंड से गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी निघासन से तीन बार विधायक रहे स्व. निरवेंद्र कुमार मिश्रा उर्फ मुन्ना का भतीजा है। आरोपी का चालान कर पुलिस ने कोर्ट में पेश किया, जहां से अदालत ने उसे जेल भेज दिया है।

आरोपी सौरभ मिश्रा।

मीडिया से बचने की कोशिश

ठगी के मामले में तीन बार निघासन से विधायक रहे निरवेंद्र कुमार मिश्र उर्फ मुन्ना के भतीजे की गिरफ्तारी की खबर लगते ही थाना परिसर में मीडिया का जमावड़ा लग गया। पुलिस ने जब उसका चालान भेजा तो आरोपी सौरभ मिश्रा मीडिया से बचने के लिए मुंह छिपाकर निकलने की कोशिश करता देखा गया।

धार्मिक ग्रंथ पर टिप्पणी से माहौल खराब करने की बड़ी साजिश

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: धार्मिक ग्रंथ पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी के बाद शनिवार को शहर भर में सतर्कता बरती गई। सावधानी के तौर पर जामा मस्जिद के पास पुलिस बल तैनात रही। पुलिस ने आरोपी केके दीक्षित से गहन पूछताछ की। दूसरी ओर आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाली एक महिला को भी गिरफ्तार कर लिया।

आशंका है कि यह टिप्पणी माहौल बिगाड़ने की बड़ी साजिश का हिस्सा हो सकती है। जिसकी तह तक जाने का प्रयास किया जा रहा है। इसके साथ ही पुलिस सतर्कता बढ़ा दी है। शनिवार को इस टिप्पणी की खबर फैलते ही शहर के कई हिस्सों में हलचल बढ़ गई। जामा मस्जिद क्षेत्र में पुलिस बल तैनात किया गया, ताकि कोई अप्रिय घटना न हो सके। पुलिस अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की। पुलिस सूत्रों के अनुसार आपत्तिजनक टिप्पणी सोशल मीडिया पर डाली गई थी, जिससे धार्मिक भावनाएं आहत हुईं। मामले में शामिल आरोपी से गहन पूछताछ की गई है और अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है।

शुक्रवार रात युवक ने धार्मिक ग्रंथ के खिलाफ अभद्र टिप्पणी करके सोशल मीडिया पर वायरल कर दी थी। जिससे समुदाय के विशेष लोगों को ठेस पहुंची।

शुक्रवार देर रात थाना सदर बाजार गेट पर काफी संख्या में लोग एकत्रित हो गए थे। इस बीच लोगों ने थाना कांट पर हंगामा कर दिया था। किसी ने पुलिस पर पत्थर पर मार दिया था।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना सं.: DCE-BL-07-2025

उप मुख्य इंजीनियर/पुल लाईन/पूर्वोत्तर रेलवे/गोरखपुर भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्यों हेतु ई-निविदा आमंत्रित करते हैं :–

क्र. सं. : 1, ई-निविदा सं. : DCE-BL-07-2025, **कार्य का विवरण :** पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मण्डल में ओ.डब्लू.जी., अण्ड स्लंग गर्डर, प्लेट गर्डर, कम्पोजिट गर्डर पुलों एवं आर.ओ.बी. का संलग्न विस्तृत सूची के अनुसार ट्राली रिफ्यूज, मैन रिफ्यूज, पाथवे एवं अन्य स्टील स्ट्रक्चर सहित रंगाई का कार्य, **अनुमानित लागत** : रु. 90,91,198.49, **बयाने की राशि** : रु. 1,81,800.00, **निविदा प्रपत्र का मूल्य :** शून्य, **स्वीकृति पत्र जारी होने के तिथि से कार्य की समापन अवधि** : 10 (दस) माह।

• ई-निविदा खुलने की तिथि दिनांक 08.10.2025 को 11.00 बजे। • ई-निविदा की प्राप्ति की तिथि दिनांक 08.10.2025 को 10.59 बजे। • ई-निविदा सूचना, योग्यता मापदण्ड, नियम एवं शर्तों का पूर्ण विवरण वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

मुजाधि/डब्ल्यू-259 उप मुख्य इंजीनियर/पुल लाईन

ट्रेनों में ज्वलनशील पदार्थ लेकर यात्रा न करें

पूर्वोत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

सं. DCE-BL-05-06-2025

उप मुख्य इंजीनियर/पुल लाईन/पूर्वोत्तर रेलवे/गोरखपुर भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्यों हेतु ई–निविदा आमन्त्रित करते है, **क्र०सं०:– 1., ई–निविदा सं०:–** DCE– BL–05–2025, **कार्य का विवरण:–** पूर्वोत्तर रेलवे के इज्जतनगर मण्डल में प्लेट गर्डर, कम्पोजिट गर्डर पुलों एवं आर०ओ०बी० का संलग्न विस्तृत सूची के अनुसार ट्राली रिफ्यूज, मैन रिफ्यूज, पाथवे एवं अन्य स्टील स्ट्रक्चर सहित रंगाई का कार्य।, **अनुमानित लागत (रु0) :–** 50,37,253.32, **बयाने की राशि (रु0) :–** 1,00,800.00, निविदा प्रपत्र का मूल्य –शून्य, स्वीकृति पत्र जारी होने के तिथि से कार्य की समापन अवधि – 09 (नौ) माह, **क्र०सं०:–2., ई–निविदा सं०:–** DCE–BL–06–2025, **कार्य का विवरण:–** पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मण्डल में प्लेट गर्डर, कम्पोजिट गर्डर पुलों एवं आर0ओ0बी0 का संलग्न विस्तृत सूची के अनुसार ट्राली रिफ्यूज, मैन रिफ्यूज, पाथवे एवं अन्य स्टील स्ट्रक्चर सहित रंगाई का कार्य, **अनुमानित लागत (रु0) :–** 90,12,971.78, **बयाने की राशि (रु0):–** 1,80,300.00, निविदा प्रपत्र का मूल्य –शून्य, स्वीकृति पत्र जारी होने के तिथि से कार्य की समापन अवधि – 10 (दस) माह, • ई–निविदा खुलने की तिथि दिनांक 06.10.2025 को 11.00 बजे, • ई–निविदा की प्राप्ती की तिथि दिनांक 06.10.2005 को 10.59 बजे, • ई–निविदा सूचना, योग्यता मापदण्ड, नियम एवं शर्तों का पूर्ण विवरण वेबसाईट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है।

उप मुख्य इंजीनियर/पुल लाईन गोरखपुर

मुजाधि/डब्लू–258

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

पूरनपुर में परौरा की सब्जी और सेवई खाने से एक ही परिवार के सात लोग बीमार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : घर में बनी परौरा की सब्जी और सेवई खाने के बाद एक ही परिवार के सात लोग फूड प्वॉइजनिंग का शिकार हो गए। इससे गांव में हड़कंप मच गया। सभी को सीएचसी ले जाया गया। गंभीर हालत होने पर दो मरीजों को मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। इस मामले में एफएसडीए की टीम ने सैंपल लेकर परीक्षण को भेजा है।

बताते हैं पूरनपुर के मोहल्ला साहूकारा लाइनपार निवासी रामप्रकाश के परिवार में शुक्रवार रात परौरा की सब्जी और सेवई बनी थी। सभी ने भोजन किया और देर रात तक सब कुछ सामान्य रहा। शनिवार सुबह करीब सात बजे अचानक परिवार के सदस्यों की तबीयत बिगड़ने लगी। भागवती (65) पत्नी रामकिशोर, रामप्रकाश (42) पुत्र खेमकरन, गीता देवी (35) पत्नी रामप्रकाश, आराध्या (10) पुत्री रामप्रकाश, अंश (18) पुत्र रामनिवास, तान्या (20) पुत्री रामनिवास और प्रदीप देवल (33) पुत्र रामकिशन को चक्कर और उल्टी की शिकायत होने लगी। जिससे परिवार में खलबली मच गई। शोर सुनकर आसपास के लोग भी जमा हो गए। आनन-फानन में पूरनपुर सीएचसी ले जाया गया। चिकित्सक ने फूड प्वॉइजनिंग की आशंका जताई और गंभीर हालत देखते हुए भागवती, तान्या को मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। इसकी सूचना मिलने पर रिश्तेदार भी अस्पताल पहुंच गए और मरीजों का हालचाल लिया। इलाके में एक ही परिवार के सात लोगों के अचानक बीमार पड़ने से दहशत फैल गई।

पूरनपुर सीएचसी में भर्ती मरीज। ● अमृत विचार

घर में घुसा पैंगोलिन, रेस्क्यू कर जंगल में छोड़ा गया

संवाददाता, बांकेगंज

अमृत विचार: गोला वन रेंज के केसरीपुर गांव निवासी कंधईलाल के घर में शुक्रवार रात सल्लू सांप दिखने पर अफरातफरी मच गई। ग्रामीणों ने उसे सीमेंटेड नाद के नीचे बंद कर दिया। सूचना पर सुबह पहुंचे वन कर्मियों ने पकड़कर जंगल में छोड़ दिया।

केसरीपुर निवासी कंधईलाल ने बताया कि रात करीब एक बजे घर में किसी जानवर के होने की आहट मिली। बहू ने टॉर्च लगाकर देखा तो वहां एक अजीब सा जानवर दिखाई दिया। वह बक्से के आसपास गड्ढा खोद रहा था। शोर शराबे पर आए पड़ोसियों ने बताया कि यह सल्लू सांप (पैंगोलिन) है। चींटी और दीमक खाता है। किसी आदमी को नुकसान नहीं पहुंचता है। उसे सीमेंटेड नाद के नीचे ढक दिया। सुबह जब वाचर विपिन सिंह अपने साथी के साथ मौके पर पहुंचे तो नाद हटाने पर देखा कि वह गड्ढा खोदकर जमीन के अंदर घुस चुका था। किसी तरह मिट्टी खोदकर उसे पकड़ा और रेस्क्यू कर जंगल में ले जाकर छोड़ दिया। लोगों के बीच इस चार पैरों वाले पैंगोलिन को लेकर विभिन्न तरह की चर्चाएं होने लगी। इस बाबत गोला पश्चिमी बीट के रेंजर संजीव कुमार तिवारी ने बताया कि केसरीपुर से पकड़े गए पैंगोलिन को जंगल में छोड़ दिया गया है।

सल्लू सांप।

दुर्लभ प्रजाति का जीव है सल्लू सांप

सल्लू सांप और चींटीखोर के नाम से प्रसिद्ध विलुप्तप्राय जीव का वास्तविक नाम पैंगोलिन हैं। यह एक दुर्लभ प्रजाति का जीव माना गया है। जानकारों के मुताबिक चीन के बाजार में पैंगोलिन की कीमत करोड़ों रुपये में है। वहां इसके एक किलो मांस की कीमत करीब 30 हजार रुपये है। वहीं इसकी हड्डियों और मांस का इस्तेमाल कई तरह की दवाओं को बनाने में किया जाता है।

सेक्शन–1

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता

ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, (खण्ड – बदायूँ)

(पता :– कक्ष सं0 226, प्रथम तल, विकास भवन, जिला – बदायूँ)

पत्रांक :– 808 /ग्रा0अ0वि0/निविदा पत्रा0/2025–26 दिनांक :– 03.09.2025

–: मैनुअल निविदा सूचना :–

महामहिम राज्यपाल, उत्तर प्रदेश की ओर से अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड–बदायूँ में मार्ग निर्माण कार्य हेतु ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, उत्तर प्रदेश में पात्र पंजीकृत ए, बी, सी एवं डी सीमा के अनुरूप श्रेणी के निविदाताओं से मोहरबन्द निविदायें मैनुअल टेण्डरिंग के माध्यम से नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु प्रतिशत दर पर निविदा आमंत्रित की जाती हैं। निविदादाता किसी कार्य अथवा सभी कार्यों के लिए निविदा डाल सकता है।

1. कार्य से संबन्धित विवरण निम्नवत् है :–

क्र0 सं0	जनपद का नाम	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में)	धरोहर धनराशि बिड.सि0 (लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य जीएसटी सहित (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि वर्षाऋतु सहित
विधान परिषद सदस्य (एम0एल0सी0) – बदायूँ।						
1.	बदायूँ	डहरपुर में का यात्री शेड निर्माण कार्य (दातागंज)।	7.331	0.15	766.00	03 माह
2.	बदायूँ	म्याऊँ पुलिस चौकी के निकट तिराहे पर यात्री शेड निर्माण कार्य (म्याऊँ)।	7.331	0.15	766.00	03 माह
3.	बदायूँ	अलापुर में थाने के पास यात्री शेड निर्माण कार्य (म्याऊँ)।	7.331	0.15	766.00	03 माह
4.	बदायूँ	अलापुर में मैनरोड़ पर उसावां की तरफ यात्री शेड निर्माण कार्य (म्याऊँ)।	7.331	0.15	766.00	03 माह
5.	बदायूँ	इस्लामनगर में मैनरोड पर यात्री शेड निर्माण कार्य (इस्लामनगर)।	7.331	0.15	766.00	03 माह
6.	बदायूँ	वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सामने यात्री शेड निर्माण कार्य (सदर)।	7.331	0.15	766.00	03 माह
7.	बदायूँ	चामुण्डा चौराहे पर यात्री शेड निर्माण कार्य (सदर)।	7.331	0.15	766.00	03 माह

2. कार्यालय में निविदा विक्रय की तिथि :– 15.09.2025 से 14.10.2025 तक प्रातः 10:00 बजे से सायः 05:00 बजे तक।
3. मोहरबन्द निविदा प्राप्ति (डालने) के लिए अन्तिम तिथि/समय :– दिनांक 15.10.2025 को दोपहर 12:00 बजे तक। कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड–बदायूँ/कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, परिमण्डल–बरेली/कार्यालय जिलाधिकारी, बदायूँ।
4. प्राप्त मोहरबन्द निविदायें खोलने की तिथि एवं समय :– दिनांक 15.10.2025 को अपरान्ह 04:00 बजे।

निविदा आमंत्रणकर्ता को आईटीबी के क्लॉज–9 के अनुसार परिशिष्ट/शुद्धि पत्र जारी करने का अधिकार है, जो किसी भी समाचार पत्र में प्रकाशित नहीं किया जाएगा। सभी संभावित निविदाताओं को सलाह दी जाती है कि अधिक जानकारी के लिए विभागीय वैबसाईट http://upred.gov.in पर जानकारी प्राप्त करते रहें।

(राजेश कुमार)
अधिशासी अभियन्ता
ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग
प्रखण्ड–बदायूँ।
राज्यपाल, उत्तर प्रदेश की ओर से।

UP – 237678 **दिनांक:** 12/09/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in **पर उपलब्ध है।**

छत पर बागवानी की योजना लाएगी प्रदेश सरकार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : लखनऊ में उद्यान विभाग शहरी क्षेत्रों में छत पर बागवानी को बढ़ावा देगा। इसके लिए एक योजना बनाई जा रही है जिसमें मुफ्त किट और प्रशिक्षण दिया जाएगा। मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वाराणसी के सब्जी अनुसंधान संस्थान के सहयोग से एक प्रस्ताव तैयार किया जाए। यह योजना पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर लखनऊ, वाराणसी, गोरखपुर जैसे शहरों में शुरू होगी। छत पर बागवानी को मिलेगा बढ़ावा।

उद्यान निदेशालय में आयोजित बैठक में मंत्री ने कहा कि छत पर बागवानी, शहरी क्षेत्र में बागवानी का एक उत्तम तरीका है।

2403 मुख्य सेविकाओं को मिली तैनाती

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र. लोक सेवा आयोग द्वारा चयनित नव चयनित 2425 मुख्य सेविकाओं में 2403 को तैनाती मिल गयी है। मात्र 15 दिनों में सभी नव चयनित मुख्य सेविकाओं को जिले आवंटित कर दिये गये हैं। सभी जिला कार्यक्रम अधिकारियों को नव चयनित मुख्य सेविकाओं को तैनाती देने के निर्देश दिये गये हैं।

वोट से ही सत्ता परिवर्तन संभव : अखिलेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि देश में सत्ता परिवर्तन लोकतांत्रिक व्यवस्था में वोट के जरिए ही संभव है। गैरबराबरी, महंगाई, भ्रष्टाचार से सभी त्रस्त है। आरक्षण को समाप्त करने की साजिशें हो रही है। सपा बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर, डॉ. राममनोहर लोहिया और मुलायम सिंह यादव के संघर्ष के रास्ते पर चलती है। वह धर्मनिरपेक्षता, समाजवाद और संविधान की मूल स्थापनाओं के साथ प्रतिबद्ध है।

सपा प्रमुख शनिवार को पार्टी मुख्यालय में विभिन्न जिलों से आए नेताओं एवं कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा को वोट के लोकतांत्रिक अधिकार के जरिए ही शांतिपूर्ण अहिंसक तरीके से अब सत्ता से उखाड़ फेंकने का समय आ गया है। प्रयागराज से आए नाविक मजदूर कल्याण समिति के प्रतिनिधिमंडल ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव से मिलकर ज्ञापन दिया, ज्ञापन में मछली पकड़ने के लिए नदियों की नीलामी को तत्काल प्रभाव से निरस्त किये जाने में अपने प्रभाव का इस्तेमाल करने का आग्रह किया है। अखिलेश यादव ने कहा कि नाविक अपने अधिकारों के सम्मान की लड़ाई लड़ रहे हैं। उनके साथ अन्याय हो रहा है।

पार्टी मुख्यालय में अखिलेश यादव को ज्ञापन देते प्रयागराज से आए नाविक।

सार्वजनिक सूचना

यह द्वारा सामान्य जनमानस को को सूचित किया जाता है कि गाटा संख्या 998, ग्राम लखई, तहसील धौरहरा एवं जनपद लखीमपुर खीरी स्थित संपत्ति, मूल विक्रय विलेख संख्या 1523, पुस्तक संख्या 1, वॉल्यूम संख्या 162, पृष्ठ संख्या 77, क्रमांक 1523 दिनांक 11.08.1989 में दर्ज है, जो श्री प्रकाश नाथ पुत्र श्री काशी राम के नाम पर पंजीकृत है। उक्त विक्रय विलेख श्री अवध राम एवं श्री राम असरे पुत्र श्री भगवानदीन (विक्रेताओं) द्वारा श्री प्रकाश नाथ पुत्र श्री काशी राम (क्रेता) के पक्ष में निष्पादित किया गया था, जो कहीं गुम हो गया है तथा बहुत प्रयासों के बावजूद प्राप्त नहीं हो सका है।

उपरोक्त संपत्ति की गुमशुदा मूल विक्रय विलेख संख्या 1523 दिनांक 11.08.1989 के संबंध में श्री ऋषभ गुप्ता पुत्र श्री जगदीश गुप्ता द्वारा एफ.आई.आर. संख्या 2025000671649 दिनांक 12/09/2025 दर्ज कराई गई है। वर्तमान में उपरोक्त संपत्ति के स्वामी एम/एस घनश्याम शुगर इंडस्ट्रीज़ है, जिसके साझेदार श्री ऋषभ गुप्ता हैं। उक्त संपत्ति का विक्रय विलेख दिनांक 17/10/2022 को उप-पंजीयक कार्यालय, जनपद लखीमपुर खीरी में पुस्तक संख्या 1, वॉल्यूम संख्या 5834, पृष्ठ संख्या 75 से 90, क्रमांक 9130 पर विधिवत पंजीकृत है। उक्त संपत्ति को पंजाब नेशनल बैंक, हॉस्पिटल रोड शाखा, लखीमपुर खीरी के पक्ष में बंधक रखा जाना प्रस्तावित है।

यदि किसी व्यक्ति को विक्रय विलेख संख्या 1523 दिनांक 11.08.1989 मूल रूप में प्राप्त हो जाए, तो कृपया उसे पंजाब नेशनल बैंक, हॉस्पिटल रोड शाखा, लखीमपुर खीरी में जमा कराएं। अन्यथा, उसके किसी भी व्यक्ति द्वारा गलत प्रयोग हेतु स्वयं वह उत्तरदायी होगा।

यदि किसी व्यक्ति का उक्त संपत्ति में कोई हित/अधिकार है अथवा उसे कोई आपत्ति है, तो वह इस सूचना के प्रकाशन से 7 (सात) दिवस के भीतर नीचे दिए गए पते संपर्क मोबाइल नंबर पर अपनी आपत्ति दर्ज कराएं या मोबाइल नंबर 9956184787 पर संपर्क करें।

राम शरण वैद्य आदर्श इण्टर कॉलेज, मई-बसई (बदायूं)

विज्ञप्ति

शिक्षा निदेशक माध्यमिक उ.प्र. के पत्र सं.- सा. (1) शि./वाद/12273-76/2024-25 दिनांक 10.03.2025 के आदेश के अनुपालन में राम शरण वैद्य आदर्श इण्टर कॉलेज, मई-बसई (बदायूं) में सामान्य श्रेणी के एक सहायक लिपिक पद (वेतनमान 5200-20200) पर नियुक्ति हेतु आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं, न्यूनतम अर्हता- इण्टरमीडिएट CCC, PET में 50 प्रतिशत से अधिक पर्सेन्टाइल स्कोर। कम्प्यूटर टंकण की गति हिन्दी भाषा में न्यूनतम 25 तथा अंग्रेजी भाषा में 30 शब्द प्रति मिनट आयु सीमा 01 जुलाई 2025 को न्यूनतम 18 वर्ष तथा अधिकतम 40 वर्ष। रू. 750 का पोस्टल आर्डर अथवा बैंक ड्राफ्ट प्रबन्धक, राम शरण वैद्य आदर्श इण्टर कॉलेज, मई-बसई (बदायूं) के नाम जो बिसौली में देय होगा। आवेदन पत्र रजिस्टर्ड द्वारा विद्यालय के पते पर तथा उसकी छाया प्रति जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय बदायूं की ई-मेल आई.डी. rmsa.badaun@gmail.com पर प्रकाशन तिथि से 21 दिन तक सायं 05:00 बजे तक अनिवार्य रूप से प्राप्त हो जाना चाहिए। आवेदन फार्म www.sarkariresult.com से डाउनलोड कर सकते हैं अथवा विद्यालय से प्राप्त कर सकते हैं।

प्रबंधक
राम शरण वैद्य आदर्श इण्टर कॉलेज, मई-बसई (बदायूं)

कार्यालय कृषि उत्पादन मण्डी समिति, बहेड़ी बरेली

पत्रांक : 281/कृ.उ.म.स./2025 दिनांक : 12 सितम्बर 2025

प्रधान मण्डी स्थल, बहेड़ी एवं उपमण्डी स्थल, रिछा तथा ए.एम.एच. राठ के समस्त लाईसेंसधारी थोक व्यापारियों/आढतियों एवं इच्छुक व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि प्रधान मण्डी स्थल बहेड़ी एवं उपमण्डी स्थल, रिछा तथा ए.एम.एच. राठ की रिक्त दुकानों की नीलामी प्रधान मण्डी स्थल, बहेड़ी (बरेली) के सभाकक्ष में दिनांक 07.10.2025 को प्रात: 11:30 बजे निर्धारित की गयी है, रिक्त दुकानों का विवरण निम्नवत है :-

क्र.सं.	नाम रिक्त दुकान	दुकान की श्रेणी	कुल रिक्त दुकानों की संख्या	दुकानों की संख्यावार आरक्षण संशोधित स्थिति				न्यूनतम प्रीमियम	पंजीकरण धनराशि रू. में.
				अनुसूचित जाति	अन्य पिछड़ा वर्ग	अनारक्षित	आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग		
01	02	03	04	05	06	07	08	09	10
1.	प्रधान मण्डी स्थल बहेड़ी	"स" श्रेणी	01	05	–	–	–	116000.00	11600.00
2.		"स" श्रेणी नवनिर्मित	10	11, 15	13, 17, 19	12, 14, 16, 18	20	662000.00	66200.00
3.		"अ" श्रेणी	03	1, 5	–	6	–	539000.00	53900.00
4.	उपमण्डी स्थल रिछा	"ब" श्रेणी	24	1,5,11,15 21,25	7,13,17, 19, 23,27, 29	8,12,14, 16,18,22, 24,26,28	20,30	367000.00	36700.00
5.	ए.एम.एच. राठ	"स" श्रेणी	04	1,5,11	–	8	–	194000.00	19400.00
6.		"स" श्रेणी	08	1,5	7,3	2,4,6	10	28000.00	2800.00

उपरोक्त रिक्त दुकानों की नीलामी में भाग लेने हेतु रूपया 250.00+ जी.एस.टी. का नगद भुगतान करके कार्यालय कृषि उत्पादन मण्डी समिति बहेड़ी से आवेदन पत्र प्राप्त कर निर्धारित दुकानों के आवंटन की शर्तो सहित पूर्ण रूप से भरकर उपरोक्तानुसार पंजीकरण धनराशि का बैंकर्स चैक/ड्राफ्ट "कृषि उत्पादन मण्डी समिति बहेड़ी" के पक्ष में बनवाकर संलग्न करते हुये एवं जाति प्रमाण पत्र संलग्न करते हुए प्रधान मण्डी स्थल, बहेड़ी एवं उपमण्डी स्थल, रिछा तथा ए.एम.एच. राठ हेतु दिनांक 06.10.2025 को सायं 5:00 बजे तक जमा/स्वीकार किये जायेंगे। विस्तृत नियम एवं शर्ते किसी भी कार्यदिवस में कार्यालय/नोटिस बोर्ड पर देखी जा सकती है। यह भी अवगत कराना है कि प्रीमियम/किराये की धनराशि पर 18 प्रतिशत जी.एस.टी. देय होगा। उपरोक्त दुकानों का आवंटन परिषद पत्रांक विपणन 3/दु.आ. नियमा./2016-2775 दिनांक 29 जुलाई 2016 में निहित प्राविधानों के अन्तर्गत किया जायेगा।

(नरेन्द्र कुमार गंगवार)
सचिव
कृषि उत्पादन मण्डी समिति, बहेड़ी (बरेली)

(रत्निका श्रीवास्तव)
सभापति/उपजिलाधिकारी
कृषि उत्पादन मण्डी समिति, बहेड़ी (बरेली)

विहाय कामाण्यः सर्वान्पुमंशचरति निष्पृहः।
निर्ममो निरहंकार स शांतिमधिगच्छति ॥

गीता में श्रीकृष्ण जी कहते हैं, जिसने इंद्रिय तृप्ति के लिए सभी इच्छाओं को त्याग दिया है, जो इच्छाओं से मुक्त रहता है, जिसने स्वामित्व की सभी भावनाओं को त्याग दिया है और झूठ व अहंकार से रहित है। केवल वही वास्तविक शांति प्राप्त कर सकता है।

हिन्दी भारत के जन गण मन की प्रीति

> भारत में विश्व के चार भाषा परिवार-भारोपीय, द्रविड़ कौल और कीरत हैं। इन भाषाओं के बोलने वालों के बीच सांस्कृतिक समानताएं थीं-हैं। शिक्षा का माध्यम संस्कृत थी। बाद की सभी भाषाओं-बोलियां में संस्कृत और संस्कृति का प्रदाय था। राष्ट्र का अभ्युदय और आत्मज्ञान इस शिक्षा का लक्ष्य था। दसवीं शताब्दी तक संस्कृत और उसकी प्राकृत भाषा ही शिक्षा, इतिहास, भौतिकी और परा विज्ञान का माध्यम थी। संस्कृत और संस्कृति से विकसित पाली, मगधी, प्राकृत, अपभ्रंश और अंतत: हिन्दी ने ही भारत को एक सांस्कृतिक क्षेत्र बनाया।

भाषा विज्ञानी अलब्राइट व लैम्बिडन ने सुमेरी को प्राचीनतम लिखित भाषा बताया। इनके मुताबिक पश्चिम को सुमेरी ने प्रभावित किया। उन्होंने बताया अंग्रेजी 'ऐबिस' सुमेरी का अब्ज (पृथ्वी के नीचे का जल) है। यूनानी में वह अबुस्सास है। बेबीलोन में इसे अप्सु कहते हैं, लेकिन ऋग्वेद (1.23.19, 9.43.9 और 9.30.5 आदि) में अप और अप्सु शब्द भरे पड़े हैं। मिस्री, सुमेरी और संस्कृत में भूतल जल पर एक शब्दावली है। विलियम जोन्स ने कहा कि "संस्कृत ग्रीक से अधिक निर्दोष, लैटिन से अधिक समृद्ध और इनमें किसी से भी अधिक उत्कृष्ट है। इसके बावजूद धातुओं और व्याकरणिक रूपों में यह इन दोनों से प्रगाढ़ संबंध रखती है, इतना प्रगाढ़ कि कोई भाषाविद इनका एक ही स्रोत माने बिना छानबीन नहीं कर सकता।" संस्कृत जाने बिना विश्व भाषा विज्ञान, विश्व भाषा परिवार, सृष्टि संरचना और विश्व सांस्कृतिक सम्बंधों का अध्ययन कैसे हो?

सभ्यता, संस्कृति, दर्शन, भौतिकी और आधुनिक ज्ञान विज्ञान का आदि केन्द्र भारत है, इन सबकी आदि भाषा है संस्कृत। यूरोपीय विद्वान एच. एस. मेन ने लिखा था,"बीजगणित-अंकगणित में पश्चिमी सहायता के बिना ही ऊंचे दर्जे की दक्षता है। दशमलव प्रणाली के अविष्कार का हम पर ऋण है। अरबों ने अंक हिंदुओं से पाए, यूरोप में फैलाए। अरब चिकित्सा पद्धति संस्कृत ग्रंथों का अनुवाद है, यूरोपीय चिकित्सा पद्धति 17 वीं सदी तक अरबी चिकित्सा थी।" विलियम हंटर ने लिखा था कि "पश्चिम के विद्वान जब भाषा विज्ञान का विवेचन आकस्मिक समानताओं के आधार पर कर रहे थे, उस समय भारत में व्याकरण को मूल सिद्धांतों का रूप मिल चुका था। पाणिनि का व्याकरण संसार में सर्वोच्च है।" मैक्समूलर ने लिखा, "भारत के मानवी-मस्तिष्क ने कुछ सर्वोत्तम गुणों का पूर्ण विकास किया है। जीवन की बड़ी से बड़ी समस्याओं पर भारत द्वारा प्राप्त हल प्लेटो और कांट के दर्शन का अध्ययन किए हुए लोगों के लिए (भी) विचार करने योग्य है। यूनानी, रोमन और एक सेमेटिक जाति यहूदी के विचारों मात्र पर पालित पोषित यूरोप के हम लोग जीवन को अधिक परिपक्व, अधिक व्यापक, अधिक सार्वलौकिक दरअसल सच्चे मानवीय बनाने के लिए भारत की ओर ही देखते हैं।" गांधी ने लिखा, "पृथ्वी पर हिंदुस्तान ही एक ऐसा देश है, जहां मां-बाप अपने बच्चों को अपनी मातृभाषा के बजाय अंग्रेजी पढ़ाना लिखाना पसंद करेंगे।" अंग्रेजी को विश्व भाषा बताया जाता है लेकिन जापान, रूस और चीन आदि अनेक देशों में अंग्रेजी की कोई हैसियत नहीं है। भारत की संविधान सभा (14 सितंबर 1949) ने हिन्दी को राजभाषा बनाया, 15 वर्ष तक अंग्रेजी में राजकाज चलाने का 'परंतु' जोड़ा। पंडित नेहरू ने कहा, "हमने अंग्रेजी इस कारण स्वीकार की कि वह विजेता की भाषा थी, अंग्रेजी कितनी ही अच्छी हो, किंतु इसे हम सहन नहीं कर सकते।"

हृदय नारायण दीक्षित
पूर्व विधानसभा अध्यक्ष उ.प्र.

एन. जी. आयंगर ने सभा में हिन्दी को राजभाषा बनाने का प्रस्ताव रखते हुए 15 बरस तक अंग्रेजी को जारी रखने का कारण बताया, "हम अंग्रेजी को एकदम नहीं छोड़ सकते। यद्यपि सरकारी प्रयोजनों के लिए हमने हिन्दी को अभिज्ञात किया फिर भी हमें यह मानना चाहिए कि आज वह समुन्नत भाषा नहीं है। सेठ गोविंद दास ने हिन्दी की पैरोकारी की, इस देश में हजारों वर्ष से एक संस्कृति है। यहां एक भाषा और एक लिपि ही होनी चाहिए।" आर. वी. धुलेकर ने कहा, "मैं कहता हूं कि वह राजभाषा है, राष्ट्रभाषा है। हिन्दी के राष्ट्रभाषा-राजभाषा हो जाने के बाद संस्कृत विश्व भाषा बनेगी। अंग्रेजी के नाम 15 वर्ष का पट्टा लिखने से राष्ट्र का हित साधन नहीं होगा। (संविधान सभा बहस 13-9-1949) संविधान में तीन दिन तक बहस हुई। संविधान के अनुच्छेद (343-1) में हिन्दी राजभाषा बनी। किंतु अनुच्छेद (343-2) में अंग्रेजी जारी रखने का प्रावधान हुआ। हिन्दी के लिए आयोग-समिति बनाने की व्यवस्था हुई। हिन्दी के विकास की जिम्मेदारी (अनुच्छेद 351) केन्द्र पर डाली गई, लेकिन कांग्रेस अपने जन्मकाल से ही अंग्रेजी को वरीयता देती रही, गांधी जी ने कहा, "अंग्रेजी ने हिंदुस्तानी राजनीतिज्ञों के मन में घर कर लिया है। मैं इसे अपने देश और मनुष्यत्व के प्रति अपराध मानता हूं।" (संपूर्ण गांधी वांगमय 29-312) भारतीय संस्कृति, सृजन और संवाद की भाषा हिन्दी है। हिन्दी के पास प्राचीन संस्कृति और परंपरा की सुदीर्घ विरासत है। हिन्दी ने संस्कृत सहित सभी भारतीय भाषाओं बोलियां से शब्द लिए। सबको अर्थ दिए। हिन्दी दिवस की रस्म अदायगी होती रही है। वह राजभाषा है, लेकिन फारसी, अंग्रेजी की तरह उसे राज्य आश्रय नहीं मिला। फारसी मध्यकाल के बादशाहों ने थोपी थी, अंग्रेजी ईस्ट इंडिया कंपनी लाई। हिन्दी का विस्तार राज्य आश्रय से नहीं हुआ।

भारत में विश्व के चार भाषा परिवार-भारोपीय, द्रविड़ कौल और कीरत हैं। इन भाषाओं के बोलने वालों के बीच सांस्कृतिक समानताएं थीं-हैं। शिक्षा का माध्यम संस्कृत थी। बाद की सभी भाषाओं-बोलियां में संस्कृत और संस्कृति का प्रदाय था। राष्ट्र का अभ्युदय और आत्मज्ञान इस शिक्षा का लक्ष्य था। दसवीं शताब्दी तक संस्कृत और उसकी प्राकृत भाषा ही शिक्षा, इतिहास, भौतिकी और परा विज्ञान का माध्यम थी। संस्कृत और संस्कृति से विकसित पाली, मगधी, प्राकृत, अपभ्रंश और अंततः हिन्दी ने ही भारत को एक सांस्कृतिक क्षेत्र बनाया। अमेरिकी भाषाविद एम. बी एमेन्यू ने भारत को भाषिक क्षेत्र बताया। अरबी-फारसी के विद्वानों ने भारत की भाषाई पहचान के लिए हिन्दी शब्द का प्रयोग किया। अमीर खुसरो ने इसे हिंदवी-हिंदूई गाया। हैदराबाद के मुस्लिम शासक कुली कुतुबशाह ने इसे 'जबाने हिन्दी' बताया। हिन्दी भारत की राष्ट्रभाषा है। वह यमुना के निकुंजों पर गीत गाते बड़ी हुई। अंग्रेजी राज के बाद फारसी की जगह अंग्रेजी आ गई। गांधीजी ने अंग्रेजी का विरोध और हिन्दी का समर्थन (1917) करते हुए कहा, "हिन्दी ही हिंदुस्तान के शिक्षित समुदाय की भाषा हो सकती है। अंग्रेजी विदेशी भाषा है। हिन्दी 22 करोड़ की भाषा है।" स्वाधीनता संग्राम में जनप्रबोधन की भाषा हिन्दी थी।

तीन दिन तक चली बहस में हस्तक्षेप करते हुए पंडित नेहरू ने कहा, "अंग्रेजी कितनी ही अच्छी हो, किंतु इसे हम सहन नहीं कर सकते।" 14 सितंबर के दिन अंग्रेजी प्रभुत्व के साथ हिन्दी राजभाषा बन गई। संविधान ने हिन्दी के प्रसार-प्रचार का काम केन्द्र को सौंपा। हिन्दी कमजोर सिद्ध हो गई। वर्तमान केन्द्र सरकार ने हिन्दी को समृद्ध करने के लिए काफी काम किए हैं। केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह के नेतृत्व में विज्ञान आदि विषयों पर हिन्दी में पुस्तकें लिखें जाने की योजना पर काम जारी है। अनेक गोष्ठियां हुई हैं। उच्चतम न्यायालय-उच्च न्यायालय और संसद में प्रस्तावित विधेयकों-पारित कानूनों की भाषा अंग्रेजी (अनुच्छेद 348) ही है। हिन्दी जानने वालों की संख्या सवा अरब से भी ज्यादा है। भारत के बाहर अमेरिका, पाकिस्तान, नेपाल, इंडोनेशिया, इराक, बांग्लादेश, इजराइल, ओमान, इक्वाडोर, फिजी, फ्रांस, जर्मनी, ग्रीस, ग्वाटेमाला, म्यांमार, यमन, त्रिनिदाद, सऊदी अरब, पेरू, रूस, कतर आदि देशों में लाखों हिन्दी भाषी हैं। हिन्दी पंख फैलाकर उड़ी है। देश में सबसे बड़ी प्रसार संख्या वाले अखबार हिन्दी के हैं। हिन्दी फिल्मों-सीरियलों का व्यापार करोड़ों में है। हिन्दी में लिखे गए इतिहास, संस्कृति व दर्शन ग्रंथ विश्व की किसी भी भाषा से उत्कृष्ट हैं। राजनैतिक कारणों से जब कब दक्षिण के राज्यों में हिन्दी का विरोध होने लगता है। प्रत्येक राज्य को अपनी भाषा तय करने का अधिकार है। दुर्भाग्य से ये राज्य अंग्रेजी चलाना चाहते हैं। तमिल, तेलगु, कन्नड़, मलयालम आदि से हिन्दी की स्पर्धा नहीं है। हिन्दी भारत के जन गण मन की प्रीति है।

अमेरिका की बेचैनी और भारत की संतुलन नीति

हाल ही में संपन्न शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक ने वैश्विक राजनीति में एक बार फिर भारत की निर्णायक भूमिका को उजागर किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ महत्वपूर्ण द्विपक्षीय चर्चाएं कीं। इस घटनाक्रम ने अमेरिका के राजनीतिक गलियारों में हलचल पैदा कर दी है। खासतौर पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप में। डोनाल्ड ट्रंप ने इस बैठक के बाद प्रतिक्रिया स्वरूप "ट्रुथ सोशल" पर पोस्ट करते हुए कहा कि वह जल्द ही प्रधानमंत्री मोदी से बात करने को उत्सुक हैं और भारत के साथ व्यापार बाधाओं को दूर करने की दिशा में कार्य कर रहे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को "बहुत अच्छा दोस्त" बताते हुए मीठे शब्दों में भारत को एक "विशेष साझेदार" के रूप में संबोधित किया, लेकिन सवाल उठता है: क्या ट्रंप पर भरोसा किया जा सकता है? यहां ध्यान देने योग्य बात यह है कि डोनाल्ड ट्रंप "गिरगिट की तरह रंग बदलने" के लिए प्रसिद्ध रहे हैं। उन्होंने भारत पर कई व्यापारिक प्रतिबंध और टैरिफ लगाए, जिनमें से कुछ प्रमुख निम्नलिखित हैं: 2018 स्टील (25 प्रतिशत) और एल्युमिनियम (10 प्रतिशत) पर टैरिफ भारत की मेटल एक्सपोर्ट इंडस्ट्री को नुकसान, 2019 भारत को जीएसपी से बाहर किया, 2020 दवाओं और चिकित्सा उपकरणों पर निगरानी बढ़ाई भारत के फार्मा सेक्टर पर दबाव, 2021 इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों पर कस्टम ड्यूटी समीक्षा भारत के टेक एक्सपोर्ट को प्रभावित किया। वर्तमान में लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ से तो सभी वाकिफ हैं ही।

हरीश उप्रेती करन
लेखक

> एससीओ की बैठक में तीन वैश्विक ध्रुवों के नेताओं के बीच संवाद ने यह दिखा दिया कि भारत अब सिर्फ एक सहयोगी नहीं, बल्कि एक निर्णायक कूटनीतिक खिलाड़ी है।

ट्रंप प्रशासन ने भारत को "टेरीफ किंग" तक कह डाला था और बार-बार यह जताया कि भारत एक कठिन व्यापार भागीदार है। अब जब अमेरिका भारत-चीन-रूस के समीकरण से चिंतित है, तो ट्रंप की "दोस्ती की पेशकश" एक रणनीतिक चाल से अधिक कुछ नहीं लगती। भारत की संतुलन नीतिः एक स्वतंत्र दृष्टिकोणः भारत की विदेश नीति पिछले एक दशक में स्पष्ट रूप से "गैर-पक्षपाती संतुलन" की दिशा में आगे बढ़ी है। भारत न तो अमेरिका के दबाव में है, न चीन की धौंस में। रूस के साथ रक्षा सहयोग, चीन के साथ आर्थिक बातचीत और अमेरिका के साथ रणनीतिक साझेदारी, भारत तीनों महाशक्तियों के साथ अपने हितों के अनुसार संबंध बना रहा है।

एससीओ की बैठक में तीन वैश्विक ध्रुवों के नेताओं के बीच संवाद ने यह दिखा दिया कि भारत अब सिर्फ एक सहयोगी नहीं, बल्कि एक निर्णायक कूटनीतिक खिलाड़ी है। ट्रंप द्वारा अचानक की गई "मोदी से बात" की पेशकश इस बात का संकेत है कि अमेरिका, खासकर ट्रंप जैसे नेता, भारत को खोना नहीं चाहते, लेकिन वे अब भी भारत को एक स्वतंत्र शक्ति के रूप में स्वीकारने को तैयार नहीं हैं। ट्रंप की "मीठी बातें" भारत पर दबाव की पुरानी शैली को एक नए आवरण में प्रस्तुत करने का प्रयास भर हैं। ऐसे में भारत को चाहिए दूरदर्शिता और आत्मनिर्भर रणनीति अपनाए। भारत को ट्रंप के बयानों से प्रभावित होने की आवश्यकता नहीं है। इतिहास गवाह है कि अमेरिका ने जब-जब भारत को सहयोगी माना है, तब-तब उस सहयोग के पीछे स्वार्थ और रणनीति छुपी रही है। भारत को अपनी "स्वायत्त विदेश नीति" और आत्मनिर्भर व्यापार नीति के मार्ग पर आगे बढ़ना चाहिए।

जिंदगी की गणित और परिवार

गणित विषय में अध्ययन करते समय एक निश्चित फार्मूले के अनुसार उसका हल निकालना पड़ता है। फार्मूला गलत हुआ तो उत्तर सही नहीं आएगा। दो और दो जोड़ने पर चार ही उत्तर आएगा, कोई पांच का उत्तर लिखे तो वह गलत हो जाएगा। इसी तरह जिंदगी की भी गणित होती है। गणित विषय में जैसे अत्यंत सूक्ष्म दशमलव के हेर-फेर से उत्तर बदल जाता है, ठीक वैसे ही जिंदगी में छोटी-छोटी बातों से जीवन की दिशा बदल जाती है। हर इंसान आनंद एवं उल्लास चाहता है, लेकिन अधिकांश लोग जिंदगी में परेशानी का अनुभव करते हैं। परेशानी आ कहां से रही है, क्यों आनंद एवं उल्लासहीन जीवन है, इस पर विचार करने की जरूरत है। जिंदगी में प्रसन्नता के लिए सबसे पहले परिवार नामक संस्था में एकरूपता तथा समभाव होना चाहिए। इसके बिना आनंद संभव नहीं है। परिवार के रिश्तों में एक-दूसरे के प्रति प्रेम एवं विश्वास का भाव होना चाहिए। घर के बड़े सदस्यों की जिम्मेदारी होती है कि वे घर के हर सदस्य के मनोभावों को समझें तथा उसके अनुरूप आचरण करें।

सलिल पांडेय
वरिष्ठ पत्रकार

वर्तमान भौतिक युग में पैसे की महत्ता बढ़ गई है। सुबह सो के उठने से लेकर रात बिस्तर पर सोने के लिए जाते समय तक अधिकाधिक पैसा कमाने की चाहत जिंदगी की गणित को दो और दो मिलकर पांच कर रहा है, जो पूरी तरह गलत है। इसके अलावा वर्तमान दौर में एंड्रॉयड फोन भी जिंदगी को स्मार्ट नहीं, बल्कि चिंताजनक बना रहा है। आंख खुलते ही मोबाइल पर नजर धंस जा रही है। स्थिति यह हो गई है कि घर हो या कोई भी स्थान हो, कुछ लोग बैठे हैं तो सभी मोबाइल में उलझे हैं। कोई किसी से बात नहीं कर पा रहा है।

सार्वजनिक स्थान पर जो आचरण अपनाते हैं, वह धीरे-धीरे स्वभाव बनता जा रहा है, जिसे सद्गुण नहीं कह सकते। परिवार अलग है और बाहरी दुनिया अलग है। इसमें अंतर करना पड़ेगा। घर के छोटी उम्र के बच्चों से घुलमिलकर बातचीत तथा हंसी-ठहाका लगाने की कोशिश करनी चाहिए न कि उन्हें मोबाइल पर कार्टून देखने के लिए छोड़ देना चाहिए। सुबह का उगता सूरज तथा शाम को ढलता सूरज अनोखी छटा छोड़ता है। इसे भी बीच-बीच में देखते रहना चाहिए। इससे केवल मानसिक नहीं शारीरिक स्वास्थ्य भी उत्तम होता है। इसी प्रकार आकाश में उगा पूर्णिमा का चांद एवं तारे आह्लादित करते हैं। परिवार में आनंद एवं आह्लाद के लिए आपसी संवाद, करेंट विषयों पर सकारात्मक चर्चा करनी चाहिए। घर के बड़े सदस्य अपने अनुभवों को भी साझा करें। साथ ही देश में हुए महान व्यक्तित्वों और उनके कार्यों को भी छोटे सदस्यों को बताना चाहिए। इससे परिवार के सदस्यों के ज्ञान में वृद्धि होगी, साथ सकारात्मक संस्कार का निर्माण भी होगा।

इन स्थितियों में यह नहीं कहना पड़ेगा कि आजकल के बच्चे माता-पिता और बड़ों की बात नहीं मानते। यदि घर का मुखिया इस तरह की बात कर रहा है तो उसे अपना भी दोष देखना चाहिए कि जब समय था तब परिवार को सुसंस्कृत नहीं किया। सफल परिवार के लिए जिस पारिवारिक गणित की जरूरत थी, उसे नहीं अपनाया, क्योंकि बच्चे-बड़ों का अनुकरण करते हैं। समय रहते सजग भाव से परिवार की गणित अपनाए रहना चाहिए, ऐसी स्थिति में कभी दो और दो-पांच नहीं होगा।

शीतकाल के अस्तित्व पर संकट

> मानसून तापमान में अधिकता के कारण लंबे समय यानी सितंबर के दूसरे पखवाड़े तक सक्रिय रहेगा। अब बड़ा सवाल यह भी है कि ऋतुओं में आ रहे परिवर्तन से शीतकाल खत्म ही न हो जाए। तापमान में बढ़ोतरी से इसकी समाप्ति की संभावना से इंकार भी नहीं किया जा सकता है।

मानसून की अवधि जहां लंबी हो चली है तो ऋतुओं के दिनों में 15 से 20 दिनों का अंतर भविष्य के खतरे की घंटी बजा रहा है। मध्य हिमालय इस परिवर्तन की सर्वाधिक जकड़ में है। पर्यटन के लिहाज से देश-दुनिया के लिए आदर्श माने जाने वाले उत्तराखंड में इस कदर मौसम चक्र गड़बड़ा रहा है कि अब शीतकाल के अस्तित्व पर ही संकट के बादल छा गए हैं। मौसम के बदलते मिजाज को हमें दो तरीकों से समझना होगा। पहला, ऋतुओं की समयावधि अब निश्चित नहीं रही। मानसून और शीतकाल सर्वाधिक प्रभावित होने लगे हैं। मानसून लंबा और शीत ऋतु के दिन कम होने लगे हैं। जलवायु परिवर्तन इसकी मुख्य वजह है और मध्य हिमालय क्षेत्र सर्वाधिक इसकी जकड़ में है। दूसरा-शीत, बसंत, ग्रीष्म व शरद ऋतु को अतीत में मौसम की भिन्नता के हिसाब से विभाजित किया गया था, मगर ग्रीनहाउस गैसों की वृद्धि से जलवायु में आ रहे बदलाव ऋतुओं को बुरी तरह प्रभावित कर रहे हैं।

अमित शर्मा
हल्द्वानी

दो दशक पहले तक जुलाई में मानसून में अधिक पानी बरसता था, जो आगे खिसककर अगस्त में अधिक पानी बरसाने लगा है। यह कहा जा सकता है कि मानसून के दिनों में महीनेभर का अंतर आ चुका है। अब संभावना है कि जुलाई की अपेक्षा अगस्त में अधिक पानी बरसेगा। साथ ही मानसून की विदाई का समय भी 15 से 20 दिन आगे खिसक चुका है। यानी सितंबर के शुरुआती चरण में विदा होने वाला मानसून सितंबर के दूसरे पखवाड़े के बाद ही लौट रहा है। मौसम के जानकार मानते हैं कि मानसून के दिन आगे खिसकने से शरद ऋतु के दिनों में अंतर आना स्वाभाविक है। शरद ऋतु के दिन अक्टूबर से दिसंबर तक जारी रह सकते हैं, जिस कारण शीतकाल में ठंड की आमद दिसंबर की जगह जनवरी से होगी और शीतकाल जल्द ही खत्म भी हो जाएगा। इसकी वजह वैश्विक तापमान में तेजी से वृद्धि है। यानी जनवरी का मौसम खासा ठंड रहेगा और फरवरी में पड़ने वाली कड़ाके की ठंड तापमान बढ़ने की वजह से गर्म होने लगेगी, जिस कारण शीत के दिन सिमटकर लगभग डेढ़ माह रह जाएंगे और बसंत ऋतु समय से पहले गरमाने लगेगी, जिसके चलते मार्च से मई के बीच का तापमान तेजी से बढ़ेगा और मई का महीना वर्ष का सर्वाधिक गर्म रहेगा।

तापमान अधिक बढ़ने के साथ ही प्री मानसून शॉवर समय से पहले बरसने लगेंगे और मानसून भी जल्द दस्तक दे जाएगा। तापमान में अधिकता के कारण लंबे समय यानी सितंबर के दूसरे पखवाड़े तक सक्रिय रहेगा। अब बड़ा सवाल यह भी है कि ऋतुओं में आ रहे परिवर्तन से शीतकाल खत्म ही न हो जाए। तापमान में बढ़ोतरी से इसकी समाप्ति की संभावना से इंकार भी नहीं किया जा सकता है। जब ठंड ही नहीं रहेगी तो शीतकाल के मायने ही बदल जाएंगे। यूं भी डेढ़ से ढाई हजार मीटर की ऊंचाई पर तापमान बढ़ने से बर्फबारी का दौर छट चुका है। नैनीताल और मुक्तेश्वर इसका प्रत्यक्ष उदाहरण हैं, जहां बर्फ गिरनी लगभग समाप्त हो चुकी है। हां, यदि ला नीना असरकारक रहा, तभी बर्फबारी हो सकती है।

आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज), नैनीताल के वरिष्ठ पर्यावरण व वायुमंडलीय वैज्ञानिक डॉ. नरेंद्र सिंह कहते हैं कि ग्रीनहाउस गैसों में वृद्धि से तापमान इस कदर बढ़ चला है कि जलवायु चक्र गड़बड़ाने लगा है। गर्मी का मौसम लंबा और सर्दी छोटी हो रही है। वायुमंडलीय पैटर्न बदलने से ऋतुओं की शुरुआत और अवधि में बदलाव आ रहा है। अलनीनो व ला नीना जल्द सक्रिय होने लगे हैं। वनों का दोहन, शहरीकरण का विस्तार और औद्योगिकरण के कारण पर्यावरण वैश्विक स्तर पर प्रभावित हो रहा है, जो मौसम और ऋतुओं के समय को बदल रहा है।

हिमाचल तक सिमटे पश्चिमी विक्षोभः वैश्विक तापमान का बड़ा असर शीतकाल में पानी बरसाने वाले बादल पश्चिमी विक्षोभ पर पड़ा है, जो समुद्र से उठते हैं और हिमाचल तक ही सक्रिय रह पाते हैं, जबकि ये उत्तराखंड तक पहुंचा करते हैं। मगर पिछले कुछ वर्षों से हिमाचल से आगे नहीं बढ़ पा रहे हैं। इनका उत्तराखंड तक नहीं पहुंचना बड़ी चिंता का विषय है, जो हमारे दैनिक, सामाजिक व कृषि कार्यों को बदल रहा है।

गुणवत्ता सहयोग से आती है दबाव से नहीं

समाज और शासन की निगाह में शिक्षा की गुणवत्ता सर्वोपरि है, इसमें कोई दो राय नहीं। सवाल यह है कि गुणवत्ता सुनिश्चित करने का रास्ता क्या सिर्फ शिक्षक को लगातार दबाव और तनाव में रखने से ही निकलेगा? हालिया सुप्रीम कोर्ट के आदेश से यह स्पष्ट हो गया है कि न केवल नए शिक्षक ही नहीं, बल्कि वे भी, जो आरटीई लागू होने से पहले से सेवा में हैं, अब पदोन्नति या नौकरी बनाए रखने के लिए टीईटी पास करने की बाध्यता में आ गए हैं। जिनकी सेवा पांच साल से कम बची है, उन्हें अपवाद माना गया है, पर बाकी सभी को दो साल में परीक्षा पास करनी ही होगी अन्यथा सेवा समाप्ति या अनिवार्य सेवानिवृत्ति का सामना करना होगा।

प्रवीण त्रिवेदी
फतेहपुर

यहां मूल प्रश्न टीईटी का नहीं है। मूल प्रश्न यह है कि लगातार बदलते नियम, बार-बार की कानूनी व्याख्याएं और नई शर्तें शिक्षक को पढ़ाने से ज्यादा अपनी नौकरी बचाने की फिक्र में उलझा रही हैं।

वर्षों से सेवा कर रहे शिक्षकों को अचानक दो साल का अल्टीमेटम देकर परीक्षा पास करने के लिए मजबूर करना क्या उचित है? यह तो वही स्थिति हुई कि एक चिकित्सक, जिसने बीस साल तक मरीजों का सफल इलाज किया हो, उसे अचानक कह दिया जाए कि अब एक नई परीक्षा पास करो, अन्यथा तुम्हें अस्पताल से बाहर कर दिया जाएगा। शिक्षक पहले ही मर्जर, पेयरिंग, डेटा संग्रह, सर्वे और चुनाव ड्यूटी जैसे गैर-शैक्षिक बोझ से हलकान थे। अब उसके सिर पर यह तलवार भी लटकाई गई है कि दो साल में परीक्षा पास करो या बाहर निकलो। सवाल यह है कि क्या शिक्षा की गुणवत्ता इस तरह से बढ़ेगी या शिक्षक का मानसिक संतुलन बिगड़ेगा? शिक्षक भी मनुष्य है, जिसका आत्मविश्वास और मानसिक शांति ही उसकी सबसे बड़ी पूंजी है। यही पूंजी बार-बार के फैसलों और कठोर नियमों से छीनी जा रही है।

यह प्रवृत्ति खतरनाक है, क्योंकि इससे शिक्षक अपने पेशे से मोहभंग का शिकार होगा और अंततः नुकसान बच्चों को ही उठाना पड़ेगा। इसलिए बहस अब केवल टीईटी पर नहीं रह गई है, बहस इस बात पर है कि शिक्षक का मनोबल बचाया जाए या तोड़ा जाए। समाज और शासन को यह समझना होगा कि दबाव से गुणवत्ता नहीं आती, गुणवत्ता आती है सहयोग, सम्मान और स्थिरता से।

नेपाल संकट: सुशीला कार्की के समक्ष चुनौतियों का पहाड़

नेपाल में काफी जद्दोजहद के बाद अंतरिम सरकार की मुखिया सर्वोच्च न्यायालय की पूर्व न्यायाधीश सुशीला कार्की को मनोनीत किया जा सका है। उम्मीद है कि वे अपने अनुभवों से नेपाल को नया जीवन दे पाने में कामयाब होंगी। सुशीला कार्की न्याय विद के साथ एक राजनीतिक परिवार से जुड़े रहने के नाते वे परिपक्व राजनीतिज्ञ भी हैं। इसकी झलक तब देखने को मिली जब जेन-जी के तरफ से उनका नाम फाइनल होने के बाद भी वे प्रधानमंत्री बनने को लेकर हड़बड़ी में नहीं दिखीं। प्रधानमंत्री पद की शपथ उन्होंने तभी ली जब राष्ट्रपति राम चंद्र पौडेल को उनकी संसद विघटन की मांग को मानना पड़ा। सुशीला कार्की के इस बात के सभी कायल हुए कि यदि पुराने प्रतिनिधि सभा का ही नेतृत्व करना है तो भ्रष्टाचार, जिसके खिलाफ इतना बड़ा आंदोलन हुआ, उससे पार पाना संभव नहीं है। उन्होंने दो टूक कहा कि वे एक भ्रष्ट सरकार का नेतृत्व नहीं करना चाहेंगी। सुशीला कार्की के पति दुर्गा प्रसाद सुवेदी का ताल्लुक नेपाली कांग्रेस से था, जिन्हें स्वर्गीय गिरिजा प्रसाद कोइराला का नजदीकी माना जाता है।

यशोदा श्रीवास्तव
वरिष्ठ पत्रकार

बहरहाल सुशीला कार्की के पति का नेपाली कांग्रेस से ताल्लुक होने की कोई छाप इन पर नहीं है और न ही नेपाली जहाज के अपहरण से भी इनका कोई लेना देना रहा। वे तब भी अपनी मर्जी की मुख्तार थीं और आज भी। बतौर न्यायाधीश उनके कई फैसले चर्चा में रहे, जिसमें नेपाली कांग्रेस के एक मुस्लिम नेता के खिलाफ फैसला राजनीतिक गलियारों में भूचाल जैसा था। उनकी जो कार्यशैली और दृढ़ इच्छा शक्ति है निःसंदेह नेपाल को उसका फायदा मिलेगा। यद्यपि है कि समय कम है, छः महीने बाद होने वाले चुनाव का परिदृश्य क्या होगा, इस पर कुछ भी कयासबाजी ठीक नहीं है। आगामी चुनाव को लेकर भारत विरोधी और भ्रष्टतम सरकार का नेतृत्व करने वाले केपी शर्मा ओली को सत्ता से उखाड़ फेंकने वाले जेन-जी के नौजवानों का रुख अभी स्पष्ट नहीं है। वे अलग कोई राजनीतिक दल गठित करेंगे या मौजूदा किसी दल के साथ आएंगे, यह भी तय नहीं है। भविष्य के नेपाल में साफ-सुथरी सरकार के लिए उन युवाओं का राजनीतिकरण जरूरी है। बेहद कम समय में सुशीला कार्की के समक्ष नेपाल को फिर से सजाने संवारने की चुनौती भी है। आगजनी और तोड़-फोड़ में नेपाल को अरबों-खरबों का नुकसान हुआ है। नेपाल को फिर से बनाने में इतनी बड़ी रकम जुटाना आसान नहीं है। इसके लिए कौन-कौन देश आगे आता है, यह काफी कुछ नई सरकार के विदेश नीति पर निर्भर करेगा। टूरिस्ट जो नेपाल के आर्थिक स्रोत का बड़ा जरिया है, उसे स्थापित करना भी बड़ी चुनौती है। जिस तरह नेपाल के ऐतिहासिक इमारतों को चुन-चुनकर फूंका गया है, वे सब सरकार की संपत्ति थी, उन्हें दुबारा उसके पुराने स्वरूप में ला पाना मुश्किल होगा।

सुशीला कार्की की जिद भ्रष्टाचार मुक्त नेपाल बनाने के साथ भ्रष्टाचार मुक्त राजनीति की भी है। नेपाल में अभी जितने भी राजनीतिक दल हैं, उसके सारे बड़े नेताओं के हाथ भ्रष्टाचार से सने हैं, ऐसे में राजनीति से भ्रष्टाचार खत्म करना भी बड़ी चुनौती है। सुपुर्द-ए-खाक हुए नेपाल के दोषियों की शिनाख्त और उन्हें सजा देने के लिए चिन्हित करना भी चुनौती है, क्योंकि अभी तक इसकी जिम्मेदारी किसी ने ली नहीं है। जेन-जी आंदोलनकारियों का कहना है कि यह कृत्य नेपाल के दुश्मनों का है, जो उनके आंदोलन में घुस आए। यह तय कर पाना आसान नहीं है कि आखिर वे कौन लोग थे? जेन-जी समूह ने एक सही फैसला लिया, जो उन्होंने ईमानदार और निडर महिला न्यायविद को अंतरिम सरकार का मुखिया चुना। सुशीला कार्की नेपाल की पहली महिला मुख्य न्यायाधीश भी थीं और अब पहली महिला प्रधानमंत्री का खिताब भी उनके खाते में दर्ज हुआ। इधर जेन जी समूह में इस बात को लेकर वैचारिक मतभेद भी था कि अंतरिम सरकार का नेतृत्व धर्मनिरपेक्ष विचारधारा का हो या राज संस्था विचारधारा का? सुशीला कार्की की शिक्षा वाराणसी के बीएचयू में भी हुई है और ये भारत के प्रधानमंत्री को फालो करती हैं। जेन-जी समूह के 40 प्रतिशत से अधिक युवाओं की ये पहली पसंद थीं। नई सरकार को लेकर तमाम तरह की आशंकाएं थीं जैसे भारत के साथ संबंध। राजशाही के जमाने से ही नेपाल का भारत से उतार-चढ़ाव जैसा संबंध रहा है। लोकतंत्र बहाली के बाद ज्यादातर नेपाली सरकारें भारत से मतलब भर का संबंध रखती थीं। अभी-अभी तख्तापलट के शिकार हुए ओली की शिनाख्त कट्टर भारत विरोधी की रही है। उन्होंने नेपाल की जनता में भारत के खिलाफ जहर घोलने में कोई कसर नहीं छोड़ा। सनातनी विचारधारा की पूर्व न्यायाधीश सुशीला कार्की के हाथ नई सरकार की कमान भारत के लिए सुखद संकेत है। इस बात की कामना की जानी चाहिए कि सुशीला कार्की के नेतृत्व में नेपाल में लोकतंत्र मजबूत हो और वह फिर से उठा खड़ा होने में सक्षम हो।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

इंटरव्यू

टाइप कास्टिंग से परेशान होकर थोक के भाव में छोड़नी पड़ीं फिल्में

किसी बहुमुखी अभिनेता के लिए टाइप कास्टिंग को लंबे समय तक झेलना आसान काम नहीं। एक ही तरह की फिल्में बार-बार ऑफर होने के बाद उनको छोड़ने के सिवा दूसरा कोई चारा नहीं बचता। नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा से निकलकर थियेटर के मंझे हुए एक्टर अश्वथ भट्ट ने जब बॉलीवुड में कदम रखा तो उनको यही सब झेलना पड़ा, जो आज तक जारी है। राजी, फैंटम, हैदर, सीता राममम जैसी फिल्मों में उनके काम की खूब तारीफ हुई। इसी साल जॉन अब्राहम के साथ आई फिल्म डिप्लोमेट में पाकिस्तानी स्पाई एजेंसी आईएसआई अफसर का दमदार किरदार निभाया। मगर कसक यही कि पाकिस्तानी किरदारों को निभाने की छाप ने उनका पीछा नहीं छोड़ा। बकौल अश्वथ भट्ट एक वक्त ऐसा भी आया जब टाइप कास्टिंग की वजह से बड़ी तादाद में फिल्मों के ऑफर तक ठुकरा दिए। पेश हैं अमृत विचार से खास बातचीत के कुछ अंश।

–मोनिस खान

अश्वथ ने जिन फिल्मों में काम किया उनमें ज्यादातर की कहानी सरहद पार जाने के सवाल पर उनका दर्द छलका और कहा कि एक वक्त ऐसा आया जब उन्होंने थोक के भाव में फिल्मों को छोड़ दिया, क्योंकि हमेशा एक तरह का काम देने की कोशिश की गई, जिसको टाइप कास्टिंग बोलते हैं। पूरे करियर में इस सब को अब तक फेस किया, मगर इसके बरअक्स बहुत सारी फिल्में की जिनमें अलग तरह का किरदार किया। एक फिल्म आने वाली है, मेड इन इंडिया, जिसमें वो तमिल ब्राह्मण का किरदार निभा रहे हैं। मंडली फिल्म में उन्होंने रामलीला में राम का किरदार निभाने वाले लड़के का रोल किया। मगर लोगों को वही दिखता है जैसी छाप बना दी गई। कोई बिहारी एक्टर से नहीं पूछेगा कि तुम फिल्मों में बिहारी क्यों बनते हो। मेरी फिल्मों को देखेंगे तो उनकी पृष्ठभूमि एक हो सकती, मगर जिन किरदारों को निभाया वो एक दूसरे से अलग हैं। खुद की पसंद यही है कि अलग-अलग किरदारों को करूं। मगर सबकुछ हमारे हाथ में भी नहीं होता है।

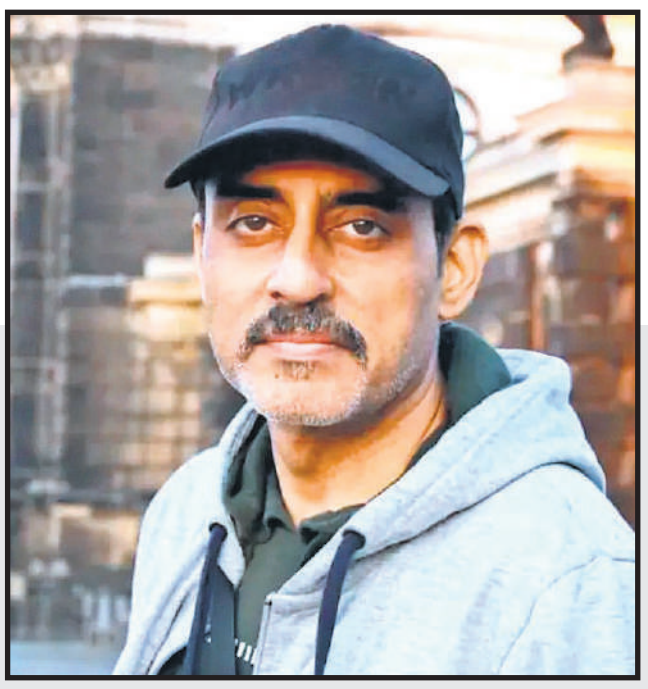

छोटे शहरों को चाहिए रंगमंच के सुधीजन

रंगमंच को लेकर बेहद गंभीर अश्वथ छोटे शहरों में थियेटर को और बढ़ावा देने की हिमायत करते हैं। बरेली जैसे शहरों के अंदर रंगमंच कलाकारों के सामने आ रही चुनौतियों से निपटने और यहां थियेटर को आगे बढ़ाने के सवाल पर उनका जवाब है, थियेटर फेस्ट होना अच्छी बात है, मगर उससे ज्यादा जरूरी है कि नए कलाकारों के लिए कार्यशालाएं रखी जाएं। प्रशासन के सहयोग नाट्यशाला विकसित की जाएं। इस कला को स्कूलों के अंदर भी ले जाना होगा। सभी एक्टर बनें जरूरी नहीं, हमें डायरेक्टर, प्रोडक्शन टीम, राइटर, लाइटर डिजायनर और सबसे जरूरी सुधीजन भी चाहिए। लोगों को रंगमंच और सिनेमा में फर्क भी समझना होगा। हमें थियेटर की ऑडियंस विकसित करनी होगी, जो रंगमंच के संस्कार को भी समझे। इसके अलावा दुनिया के किसी भी कोने का थियेटर तभी आगे बढ़ सकता है जब जमीन पर काम हो। इसके लिए ट्रेनिंग सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। देश में जितने भी बड़े एक्टर हैं वो ट्रेनिंग हासिल करके ही इस मुकाम पर पहुंचे हैं। नसीरुद्दीन शाह, अनुपम खेर, परेश रावल, ओमपुरी, सौरभ शुक्ला, पंकज त्रिपाठी इन सभी ने थियेटर से शुरुआत की।

न्यू रिलीज

आमिर खान प्रोडक्शन की नई फिल्म 'मेरे रहो' दिसंबर में होगी रिलीज

आमिर खान प्रोडक्शन की नई फिल्म 'मेरे रहो' 12 दिसंबर को रिलीज होगी। फिल्म 'मेरे रहो' में जुनैद खान और साई पल्लवी की मुख्य भूमिका होगी। इस फिल्म का निर्माण आमिर खान और मंसूर खान मिलकर कर रहे हैं। फिल्म समीक्षक तरण आदर्श ने सोशल मीडिया पर बताया, आमिर खान प्रोडक्शंस की नई फिल्म 'मेरे रहो' दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म का निर्देशन सुनील पांडे कर रहे हैं। इस फिल्म निर्माण आमिर खान और मंसूर खान मिलकर कर रहे हैं। फिल्म 'मेरे रहो' आमिर और मंसूर की 17 साल बाद एक साथ वापसी है, जो पहले 'जाने तू या जाने ना' जैसी हिट फिल्म दे चुके हैं। फिल्म 'जाने तू या जाने ना' 2008 में रिलीज हुई थी।

'जो अजब है, वो गजब है' के साथ लौटा इंडियाज गॉट टैलेंट, सिद्धू ने किया लॉन्च

नवजोत सिंह सिद्धू ने इंडियाज गॉट टैलेंट का नया सीजन लांच किया है। नवजोत सिंह सिद्धू की प्रोमो में दमदार लाइन "दुनिया में सबसे बड़ा रोग, मेरे बारे में क्या कहेंगे लोग", उन लोगों की परेशानियों को दिखाती है, जिन्हें समाज की सोच रोकती है। ये लाइन टैलेंट्स को प्रेरित करती है कि वो ऐसे बंधनों से ऊपर उठकर बिना किसी डर अपने सपनों का पीछा करें। इंडियाज गॉट टैलेंट के पहले प्रोमो में आने वाले सफर की बस एक झलक दिखाई गई है, जिसमें टैगलाइन "जो अजब है, वो गजब है" इस सीजन की असली रूह को बखूबी पेश करती है। शो के बारे में बात करते हुए नवजोत सिंह सिद्धू ने कहा, "मैं उन टैलेंट्स को देखने के लिए उत्साहित हूं जो अनोखे, क्रिएटिव हैं और इतनी हिम्मत रखते हैं कि आम सोच को चैलेंज कर सकें। ये कमाल के टैलेंट्स न सिर्फ पूरे देश को हैरान करने वाले हैं, बल्कि अनगिनत लोगों को अपने सपनों का पीछा करने के लिए प्रेरित भी करने वाले हैं।" इंडियाज गॉट टैलेंट का प्रीमियर चार अक्टूबर 2025 से, हर शनिवार और रविवार रात 9:30 बजे, सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन और सोनी लिव पर होगा।

फिल्म समीक्षा

मिराई 2025.. हिंदी डब (तेलुगु)

कार्तिक घट्टेमेनी इस फिल्म के लेखक और निर्देशक हैं और तेजा सज्जा मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। मैंने पहले कार्तिक की ईगल फिल्म देखी थी। आइडिया के स्तर पर, वह फिल्म अच्छी थी, लेकिन उसका क्रियान्वयन खराब था।

मिराई का कॉन्सेप्ट ठीक है और प्रस्तुति भी ठीक थी। कहानी में कुछ चीजें छूट गई हैं, लेकिन फिल्म के कुल मिलाकर अच्छे अनुभव से नजरअंदाज किया जा सकता है। दृश्यात्मक रूप से, फिल्म बहुत खूबसूरत है, कुछ दृश्यों में वीएफएक्स एआई का इस्तेमाल कमाल का था और ट्रेन वाले सीक्वेंस में क्लाइमेक्स थोड़ा कमजोर लगा। कम बजट में फिल्म ने जो गुणवत्ता दी है, वह वाकई बेहतरीन है। कार्तिक ने पिछली फिल्म के मुकाबले निर्देशन में काफी सुधार किया है। कुछ दृश्यों में बैकग्राउंड बनाने में थोड़ी कमी लगी और क्लाइमेक्स में दोनों किरदारों के हत्यारे को इस तरह मोड़ने का आइडिया पसंद आया कि सीक्वेंस प्रेडिक्टेबल न लगे। उन्हें किरदारों की गहराई और भावनाओं पर कड़ी मेहनत करनी चाहिए थी। फिल्म में भावनाएं बहुत कम हैं, जो भी थोड़ी-बहुत हैं, वे नायक की मां द्वारा रची गई हैं और मां का किरदार हमें बांध लेता है। संक्षेप में, कहानी कुछ इस प्रकार हैः सम्राट अशोक ने कलिंग युद्ध के बाद नौ धार्मिक ग्रंथ लिखे, उन ग्रंथों में शक्ति है और दुनियाभर में कुछ लोग पीढ़ी-दर-पीढ़ी उन ग्रंथों की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। यह फिल्म एक्शन एडवेंचर शैली में बिल्कुल फिट बैठती है। फिल्म में कई अच्छी सकारात्मक बातें हैं, इसलिए आप इस फिल्म को उसके लिए देख सकते हैं। **समीक्षक**-शिवकांत पालवे

इंस्पेक्टर जेंडे

यह फिल्म सन उन्नीस सौ अस्सी के दशक मे मुंबई पुलिस के एक इंस्पेक्टर मधुकर झेंडे के जीवन के उस हिस्से की कहानी कहती है जब उसने वास्तव में कुप्रसिद्ध अंतर्राष्ट्रीय अपराधी और हत्यारे चार्ल्स शोभराज को दो बार पकड़ा था। उस इंस्पेक्टर का रोल कर रहे हैं मनोज बाजपेई। दिल्ली की तिहाड़ जेल से वहां के सभी स्टाफ को उसके जन्मदिन पर खीर में नींद की दवा खिलाकर फरार हुए चार्ल्स को मुंबई में देखा गया था इसलिए वहां की डीजीपी (सचिन खेड़े) ने यह काम झेंडे को सौंपा था। यहां पर नेटफ्लिक्स के लिए फिल्म बनाने का काम सौंपा गया है निर्देशक चिन्मय मांडलकर को। यह पता नहीं कि फिल्म को कॉमेडी जॉनर में क्यों बनाया गया पर निर्देशक और सारे कलाकारों द्वारा यह निश्चित किया गया है कि किसी दर्शक को गलती से भी कभी हंसी न आ जाए।

यह मजाक किसके साथ हुआ? हमारे, आपके साथ या उस कुशल सचमुच का इंस्पेक्टर झेंडे के साथ? तो क्या 1980 में सारे पुलिस वाले यानी दिल्ली, मुंबई और गोवा के इतने बेवकूफ होते थे? मनोज बाजपेई अब भटकने लगे हैं। उनका कोई भी मुंह चाहे कितनी भी आंखे, होठ और मांसपेशियां फैला या सिकोड़ कर बनाया गया हो, किसी को भी हंसा नहीं पाया। यहां तक कि फाइट्स के दृश्यों में हंसाने की नाकाम कोशिश हुई।

मुझे सिर्फ चार्ल्स के रोल में जिम सरभ और झेंडे की पत्नी के रोल में गिरिजा ओक अच्छे लगे, क्योंकि उन्होंने निर्देशक के हंसाने के निर्देश को नहीं माना। इससे पहले इंस्पेक्टर झेंडे पर एक डॉक्यूमेंट्री 2023 में बनाई गई थी, उसकी आईएमडीबी रेटिंग लगभग 9 थी। फिर किस खुशी में इस फिल्म को बनाया गया? इस फिल्म को देखिए और मनोज बाजपेई के लिए प्रार्थना कीजिए कि वह हमें पहले वाला मनोज फिर से ला दें और ये निर्देशक महोदय फिर से अपना कोर्स पढ़ें। **समीक्षक** –बृज राज नारायण सक्सेना

'द बैटल ऑफ शत्रुघाट' में नजर आएंगे गुरमीत चौधरी

जाने माने अभिनेता गुरमीत चौधरी फिल्म 'द बैटल ऑफ शत्रुघाट' में काम करते नजर आएंगे। फिल्म द बैटल ऑफ शत्रुघाट का निर्देशन शाहिद काजमी कर रहे हैं और इसे सज्जाद खाकी व शाहिद काजमी ने लिखा है। इसमें गुरमीत चौधरी, आरुषि निशंक और सिद्धार्थ निगम मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। गुरमीत चौधरी ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक शानदार पोस्टर साझा किया, जिसे देखकर फैन्स उत्साहित हो उठे। हर कोई इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट के बारे में और जानने को बेताब है। फिल्म में मजबूत सह-कलाकारों की टोली भी है, जिसमें महेश मांजरेकर, रजा मुराद और जरीना वहाब शामिल हैं। शाहिद काजमी के निर्देशन और पीवाई मीडिया, हिल क्रेस्ट मोशन्स व शाहिद काजमी फिल्म्स के प्रोडक्शन में यह प्रोजेक्ट एक ऐसा सिनेमाई अनुभव बनने जा रहा है, जो ऐतिहासिक युद्ध को परदे पर जिंदा कर देगा। फिल्म की भव्यता में और इजाफा कर रहे हैं। दरशन भगवानदासस कामवाल, जो कॉस्ट्यूम और स्टाइलिंग की कमान संभाल रहे हैं। इससे दर्शकों को असली दौर की झलक और भव्य विजुअल्स देखने को मिलेंगे। द बैटल ऑफ शत्रुघाट फिलहाल शूटिंग फ्लोर पर है।

सिनेमा की कोई भाषा नहीं होती : सई मांजरेकर

अभिनेत्री सई मांजरेकर का कहना है कि उनके लिए सिनेमा सिर्फ भाषा की बात नहीं, बल्कि अच्छी कहानियों और प्रेरणादायक सहयोग का माध्यम है। सई मांजरेकर, जिन्होंने पहले ही बॉलीवुड और साउथ फिल्मों में अपनी पहचान बनाई है, अपनी प्राथमिकताओं को लेकर साफ हैं। उनके लिए सिनेमा सिर्फ भाषा की बात नहीं, बल्कि अच्छी कहानियों और प्रेरणादायक सहयोग का माध्यम है। सई ने कहा कि मेरा मानना है कि सिनेमा की कोई भाषा नहीं होती। असल मायने रखती है कहानी और उसका दर्शकों से जुड़ाव।

अभी मैं बॉलीवुड और साउथ इंडस्ट्री पर ध्यान दे रही हूं, लेकिन आगे चलकर मैं एक अच्छी मराठी फिल्म जरूर करना चाहूंगी। जब तक स्क्रिप्ट रोमांचक हो और डायरेक्टर का विजन मजबूत हो, मैं किसी भी इंडस्ट्री को एक्सप्लोर करने के लिए तैयार हूं। सई मांजरेकर ने बॉलीवुड और साउथ इंडस्ट्री की तुलना करते हुए कहा कि दोनों जगह काम करने का मौका मिलने के बाद मुझे लगता है कि हर इंडस्ट्री की अपनी अलग पहचान और जादू है। बॉलीवुड में कहानियों को बड़े भावनात्मक अंदाज में दिखाया जाता है, जबकि साउथ में मैंने अनुशासन और कला के प्रति गहरा सम्मान देखा, जो मुझे बेहद पसंद आया। दोनों अनुभवों ने मुझे अलग-अलग तरह से गढ़ा है और मैं खुद को खुशनसीब मानती हूं कि दोनों का हिस्सा हूं। मेरे लिए यह सफर दोनों की अच्छाइयों को अपनाने और हर प्रोजेक्ट के साथ आगे बढ़ने का है। सई मांजरेकर की सोच पर घर का भी असर रहा है। उनके पिता, मशहूर फिल्ममेकर और अभिनेता महेश मांजरेकर, आठ अलग-अलग भाषाओं में काम कर चुके हैं और उन्होंने सई को दिखाया कि अच्छी कहानियां सीमाओं को पार कर सकती हैं। उसी से प्रेरित होकर सई भी अपना एक ऐसा बहुभाषी सफर तय करना चाहती हैं, जिसमें मुख्यधारा का आकर्षण भी हो और दिल को छूने वाली कहानियां भी।

कौन हैं करिश्मा जिन्होंने चलती ट्रेन से लगा दी छलांग

'रागनी एमएमएस रिटर्न्स' में लीड रोल में नजर आईं एक्ट्रेस करिश्मा शर्मा के ट्रेन हादसे की खबर से हर कोई स्तब्ध है। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया के जरिए अपनी हेल्थ अपडेट दी है और दुआओं की गुजारिश की है।

कैसे हुआ हादसा

करिश्मा शर्मा ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर अपने साथ हुए ट्रेन हादसे की खबर शेयर की है। उनकी मानें तो हादसा तब हुआ, जब वे एक शूट के लिए मुंबई लोकल से चर्चगेट जा रही थीं। उनकी दोस्त ट्रेन में सवार नहीं हो पाई थी, जिसकी वजह से वे घबरा गईं और उन्होंने चलती ट्रेन से छलांग लगा दी। वे अब अस्पताल में भर्ती हैं।

बॉलीवुड का सफर

करिश्मा शर्मा बॉलीवुड एक्ट्रेस और मॉडल हैं। वे 2013 से लगातार एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में काम कर रही हैं। उन्होंने 2014 में जी टीवी के पॉपुलर शो 'पवित्र रिश्ता' से एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा था। इस शो में उन्हें पिया अर्जुन किर्लोस्कर के रोल में देखा गया था। बाद में उन्होंने टीवी पर 'एमटीवी वेब्ड', 'प्यार तूने किया किया', 'ये है मोहब्बतें', 'सिलसिला प्यार का' जैसे फिक्शन और 'कॉमेडी सर्कस' और 'द कपिल शर्मा शो' ऐसे कॉमेडी शोज में भी काम किया।

2016 में किया था बॉलीवुड डेब्यू

करिश्मा शर्मा ने बॉलीवुड में कदम कार्तिक आर्यन स्टारर फिल्म 'प्यार का पंचनामा 2' से रखा था। इस फिल्म में उनका छोटा सा, लेकिन महत्वपूर्ण रोल था। इसके बाद वे 'होटल मिलन', 'उजड़ा चमन' और 'एक विलेन रिटर्न्स' जैसी फिल्मों में भी दिखाई दीं। यहां तक कि ऋतिक रोशन स्टारर 'सुपर 30' के गाने 'पैसा' में भी उनका कैमियो था। इसमें वे बार डांसर की भूमिका में दिखी थीं।

ओटीटी पर मिली पहचान

करिश्मा शर्मा को असली पहचान ओटीटी पर आने के बाद मिली थी, जब उन्होंने ऑल्ट बालाजी की इरोटिक हॉरर वेब सीरीज 'रागिनी एमएमएस रिटर्न्स' में लीड रोल निभाया। एकता कपूर ने इस सीरीज को प्रोड्यूस किया था और 2017 में यह रिलीज हुई थी। करिश्मा 'हम : आई एम बिकॉज ऑफ अस' और 'फिक्सर' जैसी वेब सीरीज में भी नजर आ चुकी हैं।

एक्ट्रेस बनने से पहले क्या करती थीं करिश्मा

करिश्मा शर्मा का जन्म मुंबई में हुआ। वे दिल्ली और पटना में रह चुकी हैं। उन्होंने बीएमडब्लू में मार्केटिंग इंटर्न के तौर काम किया। कॉलेज के दिनों में उन्होंने कई फैशन डिजाइनर्स के लिए रैम्प वॉक किया था। बताया जाता है कि करिश्मा सिंगर बनना चाहती थीं और कई सिंगिंग कम्पटीशन में हिस्सा ले चुकी हैं। वे गजेन्द्र वर्मा के 'तेरा घाटा' और जुबिन नौटियाल के 'बरसात की धुन' और 'दिल गलती कर बैठा है' जैसे म्यूजिक वीडियोज में भी दिख चुकी हैं।

दवा निर्माता उपभोक्ताओं को दें कटौती का लाभ

नई दिल्ली। राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) ने दवा कंपनियों और चिकित्सा उपकरण निर्माताओं से जीएसटी दरों में कटौती का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाने को कहा है। प्राधिकरण ने कहा कि दवाएं बेचने वाले सभी निर्माता और विपणन कंपनियां दवाओं (चिकित्सा उपकरणों सहित) के मूल्य में संशोधन करेंगी। निर्माता और विपणन कंपनियां डीलरों, खुदरा विक्रेताओं, राज्य औषधि नियंत्रकों व सरकार को जीएसटी दरों और मूल्य को दर्शाते हुए मूल्य या पूरक मूल्य सूची जारी करेंगी।

अमृत विचार

बरेली, रविवार, 14 सितंबर 2025

www.amritvichar.com

कारोबार

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2615, राज श्री 1830, फ़ॉर्चून कि. 2220, रविन्द्रा 2550, फॉर्चुन 13 किग्रा 1950, जय जवान 1960, सचिन 2040, सूरज 1960, अवसर 1885, उजाला 1920, गृहणी 13 किग्रा 1880, क्लासिक (किग्रा) 2095, मोर 2150, चक्र टिन 2375, ब्लू 2110, आशीर्वाद मस्टर्ड 2475, स्वास्तिक 2555

किराना (प्रतिकु.) : हल्दी निजामाबाद 14500, जीरा 24000, लाल मिर्च 14000-17000, धनिया 9000-11000, अजवायान 13500-20000, मेथी 7000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 27000, (प्रतिकि.) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 880, किसमिस पीली 400-600, मखाना 900-1100

चावल (प्रति कु.) : डबल चाबी सेला 9600, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 4950, शर्बती स्टीम 5100, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7300, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1-5 किग्रा) 10100, हरी पति नेचुरल 9100, जेनिथ 8100, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350, खजाना 4300

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12800-13500, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7550-8900, मलका छाँटी 7550, दाल उड़द बिलासपुर 8000-9000, मसूर दाल छोटी 9500-11200, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 10300, उड़द धोवा इंदौर 13000, उड़द धोवा 10000-11000, चना काला 7050, दाल चना 7600, दाल चना मोटी 7850, मलका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 8200, चना अकोला 7200, डबरा 7200-9200, सच्चा हीरा 9000, मोटा हीरा 11000, अरहर गोला मोटा 7800, अरहर पटका मोटा 8100, अरहर कोरा मोटा 8800, अरहर पटका छोटा 9800-10300, अरहर कोरी छोटी 10300

चीनी : डालमियां 4380, पीलीभीत 4280, सितारगंज 4260, धामपुर 4360

छह करोड़ से अधिक आयकर रिटर्न दाखिल

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने कहा कि आकलन 2025-26 के लिए अब तक छह करोड़ से अधिक आयकर रिटर्न दाखिल किए जा चुके हैं। बिना जुर्माने के आईटीआर दाखिल करने की अंतिम तिथि 15 सितंबर है। आयकर विभाग ने एक्स पर कहा कि करदाताओं और कर पेशेवरों को धन्यवाद, जिन्होंने हमें अब तक छह करोड़ आयकर रिटर्न (आईटीआर) तक पहुंचने में मदद की है और यह संख्या अभी भी जारी है।

घर खरीदारों के हितों की रक्षा करें केंद्र

उच्चतम न्यायालय ने कहा- आवासीय परियोजनाओं के लिए पुनरुद्धार कोष पर करें विचार

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने केंद्र से घर खरीदारों के हितों की रक्षा के लिए संकटग्रस्त परियोजनाओं के लिए एक पुनरुद्धार कोष बनाने पर विचार करने को कहा है। न्यायालय ने कर देने वाले मध्यम वर्ग के नागरिकों की परेशानियों का जिक्र करते हुए कहा कि इसमें से कई के लिए घर का समान अधूरा रह गया है।

न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने कहा कि राज्य का संवैधानिक दायित्व है कि वह एक ऐसा ढांचा बनाए और उसे सख्ती से लागू करे जहां किसी भी डेवलपर को घर खरीदारों के साथ धोखाधड़ी या शोषण करने की अनुमति न हो। पीठ ने कहा कि देश की शहरी नीति को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि आवासीय परियोजनाएं समय पर पूरी हों। शीर्ष अदालत ने यह भी कहा कि यह जरूरी है कि रेरा प्राधिकरण 'दंतविहीन बाघ' न बन जाएं और उन्हें पर्याप्त बुनियादी ढांचे, सशक्त न्यायाधिकरणों और प्रभावी प्रवर्तन तंत्रों से लैस किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि रेरा के आदेशों को अक्षरशः और शीघ्रता से लागू करना चाहिए। यह टिप्पणी करते हुए कि सरकार 'मूक दर्शक' बनी नहीं रह सकती, पीठ ने कहा कि सरकार संवैधानिक रूप से घर खरीदारों और समग्र अर्थव्यवस्था के हितों की रक्षा करने के लिए बाध्य है।

- **न्यायालय ने कहा- सरकार ऐसा ढांचा बनाए, जिससे डेवलपर को खरीदारों से धोखाधड़ी या शोषण करने की अनुमति न हो**

निकाय की स्थापना पर भी करें विचार

पीठ ने कहा कि केंद्र राष्ट्रीय संपत्ति पुनर्निर्माण कंपनी लिमिटेड (एनएआरसीएल) या अन्य की तर्ज पर रियल एस्टेट और निर्माण केंद्रित सार्वजनिक उपक्रमों द्वारा या सार्वजनिक-निजी भागीदारी के माध्यम से एक निकाय की स्थापना पर भी विचार कर सकता है। न्यायालय ने कहा कि कुछ मामलों में पूरा या पर्याप्त भुगतान करने के बावजूद निर्माण शुरू भी नहीं हुआ है और भारी भरकम भुगतान करने के बावजूद घर न होने की चिंता स्वास्थ्य, उत्पादकता और सम्मान पर गंभीर असर डालती है।

तीन महीने में एक समिति गठित करें

उच्चतम न्यायायाल की दो न्यायाधीशों वाली पीठ ने कहा कि केंद्र सरकार सीआईआरपी (कॉरपोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया) से गुजर रही संकटग्रस्त परियोजनाओं के वित्त पोषण के लिए एनएआरसीएल के तहत एक पुनरुद्धार कोष स्थापित करने पर भी विचार कर सकती है। न्यायालय ने राज्यों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि रेरा प्राधिकरणों में पर्याप्त बुनियादी ढांचा, विशेषज्ञ और संसाधन हों। पीठ ने कहा कि तीन महीने के भीतर उच्च न्यायालय के एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में एक समिति गठित की जानी चाहिए, जिसमें कानून, आवास मंत्रालय और रियल एस्टेट तथा वित्त के क्षेत्र विशेषज्ञ शामिल हों। यह समिति रियल एस्टेट क्षेत्र में स्वच्छता और विश्वसनीयता लाने के लिए सुझाव देगी।

डीलरों को दी जाने वाली बिक्री पश्चात छूट पर जीएसटी लागू नहीं

नई दिल्ली। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने कहा कि विनिर्माताओं द्वारा डीलरों को केवल प्रतिस्पर्धी मूल्य निर्धारण और बिक्री को बढ़ावा देने के लिए दी जाने वाली बिक्री पश्चात छूट पर जीएसटी लागू नहीं होगा।

बोर्ड ने कहा कि अगर निर्माता और डीलर ने समझौता किया हो, जिसके तहत डीलर निर्माता की ओर से सह-ब्रांडिंग, विज्ञापन या बिक्री अभियान जैसी गतिविधियां संचालित करता है, तो छूटों पर जीएसटी देय होगा। जीएसटी के अंतर्गत द्वितीयक या बिक्री पश्चात छूट के संबंध में परिपत्र जारी करते हुए सीबीआईसी ने यह बात कही। बोर्ड को इस मुद्दे पर स्पष्टीकरण देने के लिए कई अभ्यावेदन मिले थे। बोर्ड ने कहा कि जब डीलरों को बिक्री पश्चात ऐसी छूट मिलती है, तो वे बिक्री बढ़ाने के लिए प्रचार गतिविधियों में संलग्न हो सकते हैं।

- **डीलर निर्माता के लिए अभियान चलाता है, तो छूटों पर जीएसटी देय होगा**

पीएसयू बैंक विकसित भारत 2047 में बड़ी भूमिका निभाने को तैयार

नई दिल्ली, एजेंसी

- **वित्तीय सेवा सचिव नागराजू ने उभरते उद्योगों में भूमिका बढ़ाने की जरूरत पर जोर दिया**

वित्तीय सेवा सचिव एम नागराजू ने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक (पीएसबी) अस्तित्व और स्थिरता के दौर से आगे बढ़ चुके हैं और अब 'विकसित भारत 2047' की यात्रा में वृद्धि, नवाचार और नेतृत्व की बड़ी भूमिका निभाने को तैयार हैं। नागराजू ने शनिवार को संपन्न हुए दो दिवसीय पीएसबी मंथन को संबोधित करते हुए सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों से वैश्विक स्तर पर मुकाबला करने की आकांक्षा रखने को कहा।

उन्होंने शासन और परिचालन लचीलेपन को मजबूत करने तथा पारंपरिक और उभरते उद्योगों में अपनी भूमिका बढ़ाने की जरूरत पर भी जोर दिया। वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) की ओर से आयोजित 'पीएसबी मंथन 2025' का विषय - विकसित भारत के लिए सार्वजनिक क्षेत्र की बैंकिंग की पुनर्कल्पना था। इस कार्यक्रम में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के वरिष्ठ अधिकारी, नियामक, उद्योग विशेषज्ञ, शिक्षाविद, प्रौद्योगिकीविद् और बैंकिंग व्यवसायी शामिल हुए। कार्यक्रम में ग्राहक अनुभव, शासन, नवाचार, ऋण वृद्धि, जोखिम प्रबंधन और प्रौद्योगिकी आधुनिकीकरण पर चर्चा हुई।

वित्त मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान में कहा कि प्रमुख सुझावों में अगली पीढ़ी की तकनीकों को अपनाना, साझा बुनियादी ढांचा बनाना और व्यक्तिगत उत्पादों को तैयार करना शामिल था।

भारत, यूरोपीय संघ जल्द ही व्यापार समझौते पर काम करने को प्रतिबद्ध

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को कहा कि भारत और यूरोपीय संघ जल्द ही एक संतुलित और पारस्परिक रूप से लाभकारी मुक्त व्यापार समझौते के लिए काम करने को प्रतिबद्ध हैं।

यूरोपीय संघ के व्यापार आयुक्त मारोस सेफ्कोविक और यूरोपीय कृषि आयुक्त क्रिस्टोफ हैनसेन व्यापार समझौते के लिए चल रही बातचीत को गति देने यहां आए थे। दोनों पक्षों के आधिकारिक दलों ने 13वें दौर की वार्ता की। गोयल ने एक्स पर पोस्ट किया कि भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के 13वें दौर की बातचीत के लिए आपकी मेजबानी करके हमें खुशी हुई। हम जल्द ही एक संतुलित और पारस्परिक रूप से लाभकारी मुक्त व्यापार समझौते की दिशा में काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, ताकि दोनों पक्षों के लिए व्यापक अवसर उपलब्ध हों। आपकी यात्रा के लिए धन्यवाद।

वहीं 13वें दौर की वार्ता से एक दिन पहले केंद्रीय मंत्री ने शुक्रवार को यूरोपीय संघ के कृषि एवं खाद्य आयुक्त क्रिस्टोफ हैनसेन और व्यापार एवं आर्थिक सुरक्षा आयुक्त मारोस सेफ्कोविक के साथ-साथ यूरोपीय संघ के प्रतिनिधिमंडल के अन्य अधिकारियों से मुलाकात की थी। यह मुलाकात एक व्यापक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को शीघ्रता से संपन्न करने के प्रयासों के तहत हुई।

- **दोनों पक्षों के आधिकारिक दलों ने की 13वें दौर की वार्ता**

शिकागो एक्सचेंज में मजबूती से तेल-तिलहन में सुधार

नई दिल्ली, एजेंसी

शिकागो एक्सचेंज में शुक्रवार की रात 1.25% का सुधार रहने के कारण घरेलू बाजार में शनिवार को सोयाबीन तेल, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तथा बिनौला तेल के दाम पर अनुकूल असर दिखा और इनके दाम मजबूत बंद हुए।

वहीं सहकारी संस्था नेफेड की बिकवाली से सोयाबीन तिलहन के दाम में गिरावट आई। निर्यात की कमजोर मांग के बीच मूंगफली तेल-तिलहन के भाव अपरिवर्तित बंद हुए।

बाजार सूत्रों के अनुसार, मध्य प्रदेश की मंडियों में सोयाबीन के नये फसल की छिटपुट आवक शुरु हो गई है और इसमें अभी 20-25 प्रतिशत नमी होने की शिकायत मिल रही है। उल्लेखनीय है कि इस नयी सोयाबीन फसल का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 5,328 रुपये क्विंटल है। पुराने कम एमएसपी वाले सोयाबीन को खपने में मुश्किलें आ रही हैं और इससे अधिक एमएसपी वाला सोयाबीन कैसे खपने का रास्ता बनेगा, इस पर ध्यान देने की जरुरत है।

- **नेफेड की बिकवाली से सोयाबीन तिलहन के दाम में गिरावट आई, निर्यात की कमजोर मांग से मूंगफली तेल-तिलहन के भाव अपरिवर्तित**

देशी बाजारों में तेजी का घरेलू बाजार पर असर नहीं

उन्होंने कहा कि इसके अलावा सरकार की ओर से सहकारी संस्था नेफेड, हाजिर दाम से काफी नीचे दाम यानी 4,300 रुपये क्विंटल पर सोयाबीन तिलहन बेच रही है। इन स्थितियों के बीच सोयाबीन प्लांट वालों और किसानों में घबराहट है। सूत्रों ने कहा कि त्योहारों की मांग होने से भी तेल-तिलहन कीमतों में सुधार है। पर विदेशी बाजारों में जिस तरह से तेजी है, उतना असर घरेलू बाजार में नहीं है। सरसों के डी-आयल्ड केक (डीओसी) की चीन से अच्छी मांग है।

राष्ट्रीय

प्रधानमंत्री मोदी ने मिजोरम में पहली रेलवे लाइन और विभिन्न परियोजनाओं की शुरुआत की

देश के रेलवे नेटवर्क के साथ एकीकृत हुआ मिजोरम

आइजोल, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को मिजोरम में बैराबी-सैरंग रेलवे लाइन समेत 9,000 करोड़ की विभिन्न परियोजनाओं की शुरुआत की, जिसके साथ ही राज्य अब देश के रेलवे नेटवर्क के साथ पूरी तरह से एकीकृत हो गया। प्रधानमंत्री बनने के बाद पूर्वोत्तर राज्य की दूसरी यात्रा के दौरान, मोदी ने आइजोल और दिल्ली के बीच पहली राजधानी एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई और रेल, राजमार्ग, ऊर्जा व खेल बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने के लिए कई परियोजनाओं की शुरुआत की।

मोदी ने आइजोल से 37 किमी दूर लेंगपुई हवाई अड्डे से परियोजनाओं की शुरुआत की, क्योंकि भारी बारिश से उनका हेलीकॉप्टर शहर के मध्य में स्थित लामुअल ग्राउंड के लिए उड़ान नहीं भर सका, जहां से उन्हें राष्ट्र को विभिन्न पहल समर्पित करनी थीं और एक जनसभा को संबोधित करना था। एक अधिकारी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने मिजोरम में 9,000 करोड़ से अधिक की कई विकास परियोजनाओं की शुरुआत की। मोदी ने 8,070 करोड़ की लागत वाली बैराबी-सैरंग रेलवे लाइन का उद्घाटन किया, जिसके तहत राज्य की राजधानी आइजोल को रेलवे नेटवर्क से जोड़ा गया। चुनौतीपूर्ण पहाड़ी इलाकों में बनी इस रेलवे लाइन के लिए जटिल भूगर्भीय परिस्थितियों में 45 सुरंगें बनाई गई हैं।

मिजोरम के राज्यपाल वीके सिंह, मुख्यमंत्री लालदुहोमा और केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव लामुअल मैदान में मौजूद थे। 51.38 किमी लंबी बैराबी-सैरांग रेलवे लाइन परियोजना केंद्र की एक्ट ईस्ट नीति का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य पूर्वोत्तर में कनेक्टिविटी और आर्थिक एकीकरण को बढ़ावा देना है। भारतीय रेलवे के इतिहास में सबसे चुनौतीपूर्ण मानी जाने वाली बैराबी-सैरांग रेलवे लाइन को 2008-09 में मंजूरी दी गई थी और इसका निर्माण 2015 में शुरू हुआ था। इस लाइन में 45 सुरंगें, 55 बड़े पुल और 87 छोटे पुल शामिल हैं। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के अधिकारी ने बताया कि सैरंग के पास स्थित पुल 114 मीटर ऊंचा है, जो कुतुब मीनार से ज्यादा है। यह देश का खंभों वाला सबसे ऊंचा पुल है। इस रेल मार्ग में पांच सड़क ओवरब्रिज और छह अंडरपास हैं। इस रेल मार्ग पर बैराबी के अलावा चार मुख्य स्टेशन- होरटोकी, कावनपुई, मुआलखांग और सैरंग पड़ते हैं। मिजोरम और देश के बाकी हिस्सों के बीच सीधे रेल संपर्क से क्षेत्र के लोगों को सुरक्षित, कुशल व किफायती यात्रा विकल्प मिलेगा।

पूर्वोत्तर में 77,000 करोड़ की रेलवे परियोजनाएं हो रहीं क्रियान्वित

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को कहा कि पूर्वोत्तर क्षेत्र में 77,000 करोड़ की रेलवे परियोजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि रेलवे कनेक्टिविटी से मिजोरम में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, रोजगार के अवसर सृजित होंगे और क्षेत्र के उत्पादों के लिए नए बाजार खोजने में मदद मिलेगी। रेल मंत्री वैष्णव ने कहा कि पूर्वोत्तर का विकास प्रधानमंत्री की एक्ट ईस्ट नीति का परिणाम है...2014 से पहले, पूर्वोत्तर के लिए रेलवे का बजट 2,000 करोड़ रुपये हुआ करता था, और प्रधानमंत्री ने इसे पांच गुना बढ़ाकर 10,000 करोड़ रुपये कर दिया। हमारे प्रधानमंत्री मोदी ने जब एक्ट ईस्ट नीति शुरू की तब पूर्वोत्तर का विकास शुरू हुआ। इससे पहले यह केवल लुक ईस्ट नीति थी। प्रधानमंत्री द्वारा बैराबी-सैरंग रेलवे लाइन का उद्घाटन करने के बाद वैष्णव ने कहा कि मिजोरम की राजधानी को रेलवे से जोड़ा गया है और यह एक ऐतिहासिक दिन है।

कुलपति के बायोडाटा में शामिल करें यौन उत्पीड़न का आरोप : उच्चतम न्यायालय

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि गलती करने वाले को माफ करना उचित हो सकता है, लेकिन गलती को भूलना नहीं चाहिए। उच्चतम न्यायालय ने यह टिप्पणी करते हुए निर्देश दिया कि एक विश्वविद्यालय के कुलपति पर लगे यौन उत्पीड़न के आरोपों से जुड़ा उसका फैसला उनके बायोडाटा का हिस्सा बनाया जाए, ताकि यह उसे हमेशा परेशान करता रहे, भले ही शिकायत समयसीमा से बाहर होने से खारिज हो गई हो।

न्यायमूर्ति पंकज मिथल और प्रसन्ना बी वराले की पीठ ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के विश्वविद्यालय के संकाय सदस्य की याचिका पर यह आदेश पारित किया, जिसने दिसंबर 2023 में कुलपति पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई थी। शीर्ष अदालत ने कहा कि कलकत्ता हाईकोर्ट की खंडपीठ ने स्थानीय शिकायत समिति (एलसीसी) के उस फैसले को बहाल करने में कोई कानूनी त्रुटि नहीं की है, जिसमें कहा गया था कि अपीलकर्ता की ओर से शिकायत किए जाने की समय सीमा समाप्त हो चुकी है और शिकायत को खारिज किया जा सकता है। पीठ ने कहा कि गलती करने वाले को माफ करना उचित हो सकता है, लेकिन गलती को भूलना नहीं चाहिए। अपीलकर्ता (संकाय सदस्य) के खिलाफ जो गलती हुई है, उसकी तकनीकी आधार पर जांच नहीं की जा सकती, लेकिन उसे भूलना नहीं चाहिए।

- **पश्चिम बंगाल के विवि के संकाय सदस्य की याचिका पर उच्चतम न्यायालय ने दिया आदेश**

हाईकोर्ट के आदेश को किया खारिज

पीठ ने हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ अपील को खारिज करते हुए कहा कि हम निर्देश देते हैं कि कुलपति द्वारा कथित यौन उत्पीड़न को माफ किया जा सकता है, लेकिन वह गलती उसे हमेशा सताती रहे। इसलिए, यह निर्देश दिया जाता है कि इस फैसले को प्रतिवादी के बायोडाटा का हिस्सा बनाया जाए, जिसका अनुपालन वह सुनिश्चित करें। अपीलकर्ता ने दिसंबर 2023 में एलसीसी में कुलपति पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए एक औपचारिक शिकायत दर्ज कराई थी।

बादल फटने से वाहन मलबे में दबे, खेतों को भारी क्षति

शिमला, एजेंसी

हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिले में शनिवार तड़के बादल फटने से कई वाहन मलबे में दब गए और फसलें क्षतिग्रस्त हो गईं। अधिकारियों के मुताबिक बादल फटने की घटना तड़के तीन बजे नैना देवी विधानसभा क्षेत्र के नम्होल क्षेत्र के गुटराहन गांव में हुई। घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

स्थानीय निवासी कश्मीर सिंह ने बताया कि पानी के तेज बहाव से मलबा खेतों में जमा हो गया और फसलें नष्ट हो गईं। कई वाहन मलबे में दब गए। बिलासपुर के उपायुक्त राहुल कुमार ने बताया कि चार वाहन मलबे में दब गए। फसल क्षति का आकलन हो रहा है और रिपोर्ट मिलने के बाद राहत प्रदान की जाएगी।

- **बिलासपुर जिले में तड़के तीन बजे नैना देवी विस क्षेत्र में हुई घटना**

घटना की सूचना पर अधिकारी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। लोक निर्माण विभाग ने जल्द यातायात बहाल करने के लिए मलबा हटाना शुरू कर दिया है। चंबा जिले के भटियात क्षेत्र के ममल और कमलारी गांवों में पानी और मलबे से घरों को नुकसान पहुंचने की खबरें हैं। शिमला में कोहरे से दृश्यता कम रह गई, जिससे वाहन चालकों को असुविधा हुई।

राजा रघुवंशी हत्याकांड

सोनम ने आरोपपत्र में 'खामी' होने का किया दावा

शिलांग। मेघालय में हनीमून मनाने गये राजा रघुवंशी की हत्या के मामले में आरोपी पत्नी सोनम रघुवंशी ने जमानत याचिका दायर की है। सोहरा उप-मंडल के प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट ने सोनम की याचिका पर सुनवाई 17 सितंबर को करना निर्धारित किया है।

अतिरिक्त लोक अभियोजक तुषार चंद्रा ने बताया कि अभियोजन पक्ष ने मामले के रिकॉर्ड की जांच के लिए समय मांगा। सोनम के वकील ने इंदौर के राजा रघुवंशी की हत्या में दाखिल आरोपपत्र में 'खामी होने' का दावा किया है। सोहरा के वेइसाडोंग के पास पार्किंग में तीन लोगों ने राजा की हत्या कर दी थी। राजा सोनम के साथ हनीमून मनाने मेघालय आया था।

विधानसभाओं को रैंक देने को विधायी सूचकांक का प्रस्ताव

बेंगलुरु, एजेंसी

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने विधानसभाओं और विधान परिषदों को उनके प्रदर्शन के आधार पर रैंक देने के लिए राष्ट्रीय विधायी सूचकांक स्थापित करने का प्रस्ताव रखा।

बिरला ने शनिवार को कहा कि उनके प्रदर्शन का आकलन कई मानदंडों पर हो सकता है, जैसे कि प्रति वर्ष होने वाली बैठकों की संख्या, सदन की उत्पादकता, बहस की गुणवत्ता, तकनीक का उपयोग और कई समितियों की प्रभावशीलता। बिरला ने 11वें राष्ट्रमंडल संसदीय संघ-भारत क्षेत्र सम्मेलन से इतर कहा कि हम अगले साल जनवरी में लखनऊ में पीठासीन अधिकारियों की बैठक में राष्ट्रीय विधायी सूचकांक पर विचार करेंगे। दिल्ली विस अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता को राष्ट्रीय विधायी सूचकांक पर प्रस्ताव तैयार करने का काम सौंपा गया है, जिस पर लखनऊ में अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन में चर्चा होगी। सम्मेलन के समापन सत्र को संबोधित करते हुए, बिरला ने सभी विधानमंडलों से कार्यवाही और बहस की गुणवत्ता के लिए मानक स्थापित करने का आग्रह किया।

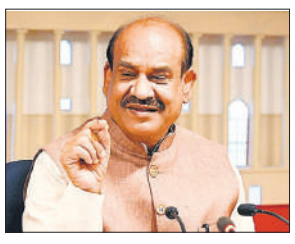

- **लोस अध्यक्ष बिरला ने प्रदर्शन का आकलन कई मानदंडों से करने की कही बात**

बच्ची के यौन उत्पीड़न के आरोप में चिकित्सक गिरफ्तार

नई दिल्ली। उत्तर-पश्चिम दिल्ली के रोहिणी इलाके में निजी वाक चिकित्सा केंद्र में छह वर्षीय बच्ची का यौन उत्पीड़न करने के आरोप में 32 वर्षीय चिकत्सक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने शनिवार को बताया कि आरोपी को आठ सितंबर को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 35(3) के तहत गिरफ्तार किया गया। घटना की जानकारी सात सितंबर को तब मिली जब बच्ची की मां ने बेटी के असामान्य व्यवहार को देखकर संदेह जताया। महिला की बेटी को बोलने में दिक्कत है और वह 19 अगस्त से केंद्र में 45 मिनट के लिए जाती थी। छह सितंबर को जब बच्ची कक्षा से वापस आई, तो उसने यौन गतिविधियों की नकल की, जिससे उसकी मां चिंतित हो गई।

भारत की सात और संपत्तियां यूनेस्को की अंतरिम सूची में

नई दिल्ली, एजेंसी

महाराष्ट्र के पंचगनी और महाबलेश्वर में डेक्कन ट्रैप्स और आंध्र प्रदेश में तिरुमाला हिल्स की प्राकृतिक धरोहर समेत सात नई संपत्तियों को भारत के लिए यूनेस्को की विश्व धरोहर की अंतरिम सूची में शामिल किया गया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

यूनेस्को में भारत के स्थायी प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि इन संपत्तियों को शामिल करना भारत की अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और संवर्धन के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। एक्स पर 12 सितंबर को पोस्ट में यूनेस्को (इंडिया) ने कहा कि यूनेस्को में भारत का स्थायी प्रतिनिधिमंडल यह घोषणा करते हुए प्रसन्न है कि भारत की सात संपत्तियों को यूनेस्को के विश्व विरासत सम्मेलन की अंतरिम सूची में जोड़ा गया है। प्राकृतिक श्रेणी के तहत इन सात संपत्तियों में पंचगनी और महाबलेश्वर (महाराष्ट्र) में डेक्कन ट्रैप, सेंट मैरी द्वीप समूह (उडुपी, कर्नाटक) की भूवैज्ञानिक विरासत, मेघालय युग की गुफाएं (पूर्वी खासी हिल्स, मेघालय), नागा हिल ओफियोलाइट (किफिर, नागालैंड) हैं। अन्य संपत्तियों में एर्रा मट्टी डिब्बालु (विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश) की प्राकृतिक विरासत, तिरुमाला हिल्स (तिरुपति, आंध्र प्रदेश) की प्राकृतिक विरासत और वर्कला (केरल) की प्राकृतिक विरासत शामिल हैं।

- **महाराष्ट्र के पंचगनी और महाबलेश्वर में डेक्कन ट्रैप्स और आंध्र प्रदेश में तिरुमाला हिल्स किए गए शामिल**

समुद्री बीच की सफाई

मुंबई में शनिवार को दादर बीच पर युवा स्वच्छता अभियान में शामिल हुए, जो बीच प्लीज नामक एक युवा समुदाय द्वारा संचालित किया जाता है। यह समुदाय दादर बीच, मीठी नदी बेसिन, और नवी मुंबई के मैंग्रोव जंगलों में सफाई अभियान चलाता है। एजेंसी

क्रेज के बाद भी आखिरकार लोग क्यों जला रहे लबूबू डॉल

लबूबू डॉल इस समय काफी चर्चा में है, खासकर बॉलीवुड और सोशल मीडिया पर। फैशन स्टेटमेंट बन चुकी इस डॉल को लोग अब जलाने पर तुले हैं...कई तो इसे जमीन में दफना रहे हैं। अजीब और डरावनी दिखने वाली गुड़िया की बड़ी-बड़ी आंखें, नुकीले दांत और शैतानी मुस्कान वाली लाबूबू डॉल इतना ट्रेंड में आई कि इसकी कीमत लाखों रुपये तक पहुंच गई। बॉलीवुड की अभिनेत्री उर्वशी रौतेला से लेकर हॉलीवुड की रेहाना तक ने इससे जुड़ी तस्वीरें सोशल मीडिया पर पोस्ट की। इसका क्रेज इस कदर था कि लोग इसे चाबी के छल्ले से लेकर बैग तक में की-चेन की तरह इस्तेमाल करने लगे।

नॉर्डिक परियों की कहानियों से है प्रेरित

- लाबूबू एक काल्पनिक कैरेक्टर है, जिसे 2015 में हांगकांग के आर्टिस्ट कासिंग लुंग ने बनाया था। ये नॉर्डिक परियों की कहानियों से प्रेरित है। इसका लुक जितना डरावना है, उतना ही स्टाइलिश माना जाता है और यही इसकी सबसे बड़ी खासियत है।
- के-पॉप स्टार लीसा (ब्लैकपिंक) ने भी सोशल मीडिया पर लाबूबू डॉल के साथ फोटो शेयर की थी, जिसके बाद अब तक कई बड़े इंटरनेशनल सेलेब्रिटीज इस ट्रेंड का हिस्सा बन चुके हैं।

अर्चना गौतम व भारती सिंह का डरावना किस्सा

अभिनेत्री अर्चना गौतम ने एक डरावना किस्सा शेयर किया, जिसमें उन्होंने बताया कि एक दोस्त के लबूबू डॉल लाने के बाद उसके पापा की मृत्यु हो गई और शादी टूट गई। उन्होंने लोगों को यह डॉल न खरीदने की सलाह दी है। कॉमेडियन भारती सिंह ने अपने बेटे गोला के व्यवहार में बदलाव के कारण लबूबू डॉल को जलाकर नष्ट कर दिया था। उनका कहना है कि डॉल के आने के बाद उनका बेटा ज्यादा शरारती हो गया था। बाद में उन्हें राज कुंद्रा से एक और लबूबू डॉल मिली, जिसे उन्होंने दफनाने का फैसला किया।

चीन की कंपनी पॉप मार्ट ने मशहूर किया

- लाबूबू को चीन की कंपनी पॉप मार्ट ने मशहूर किया। साल 2019 में कंपनी ने इसे 'ब्लाइंड बॉक्स' फॉर्मेट में बेचना शुरू किया। यानी इसे एक बॉक्स में बैचा जाता है लेकिन बॉक्स के अंदर कौन-सी डॉल निकलेगी, ये पता नहीं होता है. ऐसे में लोग इसे लकी ड्रॉ की तरह खरीद रहे हैं। जब तक उन्हें अपनी पसंद का लबूबू न मिल जाए, वो इस ब्लाइंड बॉक्स को बार-बार खरीदते हैं। बॉक्स खोलने का एक्साइटमेंट और फिर उसमें से एक खास या लिमिटेड एडिशन डॉल निकलने की खुशी, इसी के चलते धीरे-धीरे लाबूबू डॉल की पॉपुलैरिटी इतनी बढ़ गई।

बच्चों को इससे दूर रखने की सलाह

सोशल मीडिया पर ऐसे कई वीडियो वायरल हो रहे हैं जिसमें अभिभावक को इस गुड़िया से बच्चों को दूर रखने की सलाह दी जा रही है। क्योंकि कई लोग इसके शैतानी होने का दावा कर रहे हैं। हालांकि इस बात की पुष्टि हम नहीं करते हैं। हाल ही में बीजिंग में एक 131 सेंटीमीटर ऊंची लाबूबू डॉल की नीलामी 1.08 मिलियन युआन यानी करीब 1.2 करोड़ रुपये में हुई थी। इसके छोटे वर्जन भी लाखों रुपये में बिके थे। बॉलीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे भी इस डॉल के साथ नजर आ चुकी हैं।

वर्ल्ड ब्रीफ

रूस के कामचातका क्षेत्र के पूर्वी तट के पास 7.4 तीव्रता का भूकंप

मॉस्को। रूस के कामचातका क्षेत्र के पूर्वी तट के पास शनिवार तड़के 7.4 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया। अमेरिकी भूविज्ञान सर्वेक्षण (यूएसजीएस) ने यह जानकारी दी। यूएसजीएस के अनुसार, भूकंप का केंद्र पेट्रोपावलोव्स्क-कामचात्स्की से 111.7 किलोमीटर पूर्व में और जमीन में 39 किलोमीटर की गहराई पर था। किसी तरह के जान माल के नुकसान की तत्काल कोई सूचना नहीं मिली है। प्रशांत सुनामी चेतावनी प्रणाली ने संक्षेप में कहा कि भूकंप से सुनामी का खतरा है, लेकिन बाद में अपनी वेबसाइट से इस खतरे को हटा दिया। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी ने कहा कि तटीय क्षेत्रों में समुद्र के स्तर में मामूली बदलाव के बारे में चेतावनी जारी की गई थी, लेकिन इसका मतलब है कि नुकसान की संभावना बहुत कम है।

खैबरपख्तूनख्वा में 35 आतंकवादी मारे गए

पेशावर। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में दो अलग-अलग अभियानों में प्रतिबंधित संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) से कथित तौर पर जुड़े कम से कम 35 आतंकवादी मारे गए हैं। पाकिस्तानी सेना ने शनिवार को यह जानकारी दी। सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने बताया कि दोनों अभियानों में आतंकवादियों से लड़ाई में 12 सैनिकों ने भी अपनी जान गंवाई। आईएसपीआर के मुताबिक, ये अभियान पिछले चार दिन में चलाए गए। उसने बताया कि सुरक्षा बलों ने बाजौर जिले में खुफिया जानकारी के आधार पर अभियान चलाया और भीषण मुठभेड़ में टीटीपी के 22 आतंकवादी मारे गए।

डलास में होगा भारतीय व्यक्ति का अंतिम संस्कार

ह्यूस्टन। भारतीय मूल के होटल मैनेजर चंद्रमौली बॉब नागमलैय्या का अंतिम संस्कार उनका परिवार टेक्सास के फ्लावर माउंड स्थित फ्लावर माउंड फैमिली फ्यूनरल होम में करेगा। चंद्रमौली "बॉब" नागमलैय्या की अमेरिका के डलास में इस सप्ताह हत्या कर दी गई थी। चंद्र मौली 'बॉब' नागमल्लैया की हत्या उसके सहकर्मी योर्डानिस कोबोस-मार्टिनेज (37) ने चाकू से हमला करके की थी। नागमलैय्या पर हमले की गवाह उनकी पत्नी निशा और 18 वर्षीय बेटे गौरव की मदद के लिए शुरू किए गए चंदा अभियान के तहत करीब दो लाख अमेरिकी डॉलर की धनराशि एकत्र हो चुकी है। इस धनराशि का उपयोग नागमलैय्या के अंतिम संस्कार और गौरव की कॉलेज की पढ़ाई का खर्च उठाने के लिए किया जाएगा।

नेपाल के राष्ट्रपति ने भंग की संसद, मार्च में होंगे नए चुनाव, राजनीतिक दलों ने की आलोचना

काठमांडू घाटी और अन्य हिस्सों से कर्फ्यू हटा, जनजीवन हो रहा सामान्य, दुकानें और शॉपिंग मॉल खुले

काठमांडू, एजेंसी

नेपाल के प्रमुख राजनीतिक दलों ने राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल के संसद भंग करने के फैसले की शनिवार को कड़ी आलोचना की और इस कदम को असंवैधानिक तथा लोकतंत्र के लिए एक गंभीर झटका बताया है। दो दिनों के हिंसक प्रदर्शन के बार देश में स्थिति धीरे-धीरे सामान्य होने लगी है।

पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार की सिफारिश पर संसद को भंग करने के बाद, पौडेल ने यह भी घोषणा की कि अगले वर्ष पांच मार्च को नए चुनाव कराए जाएंगे। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से सहयोग मांगा। कई दिन तक बंद रहने के बाद दुकानें, किराना स्टोर, सब्जी बाजार और शॉपिंग मॉल फिर से खुल गए तथा सड़कों पर आवाजाही फिर से शुरू हो गई। कई जगहों पर सफाई अभियान चलाया गया, जिनमें प्रमुख सरकारी इमारतें भी शामिल हैं।

देश में एक सप्ताह तक हिंसक विरोध प्रदर्शन होने और इसके चलते केपी शर्मा ओली के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद कार्की (73) देश की पहली महिला प्रधानमंत्री नियुक्त हुई। ओली ने मंगलवार को सैकड़ों प्रदर्शनकारियों के उनके कार्यालय में घुसकर उनके इस्तीफे की मांग के तुरंत बाद इस्तीफा दे दिया था। देशव्यापी प्रदर्शन में 50 से अधिक लोगों की जान चली गयी। एक अनुमान के मुताबिक इस पर्वतीय देश में 'जेन जेड' के विरोध प्रदर्शनों के दौरान होटल उद्योग को 25 अरब

अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की काठमांडू के टुडीखेल स्थित ट्रॉमा सेंटर में प्रदर्शनों के पीड़ितों से मिलने पहुंचीं।

राष्ट्रपति पौडेल ने संसदीय चुनाव कराने में सभी पक्षों से मांगा सहयोग

काठमांडू। नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा के लिए अगला चुनाव कराने में सभी पक्षों से सहयोग करने की शनिवार को अपील की। ये चुनाव 5 मार्च को होने हैं। देश में एक सप्ताह तक हिंसक विरोध प्रदर्शन होने और इसके चलते केपी शर्मा ओली के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने तथा सुशीला कार्की के देश की पहली महिला प्रधानमंत्री नियुक्त होने के बाद यह निर्णय लिया गया। राष्ट्रपति ने एक बयान में सभी से आग्रह किया कि वे लोगों के हितों की रक्षा और आत्म-अनुशासन बनाए रखते हुए समय पर चुनाव कराने के लिए कड़ी मेहनत से अर्जित अवसर का उपयोग करें।

नेपाल के दलों और वकीलों ने संसद भंग करने को असंवैधानिक और मनमाना बताया

काठमांडू। नेपाल के प्रमुख राजनीतिक दलों और वकीलों के शीर्ष निकाय ने राष्ट्रपति के संसद भंग करने के फैसले की कड़ी आलोचना की और इस कदम को असंवैधानिक, मनमाना तथा लोकतंत्र के लिए एक गंभीर झटका बताया है। यह आलोचना शुक्रवार को अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की की अध्यक्षता में पहली कैबिनेट बैठक में प्रतिनिधि सभा को भंग करने की सिफारिश किए जाने और राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल द्वारा इसे तुरंत मंजूरी दिए जाने के बाद आई। राष्ट्रपति कार्यालय द्वारा जारी एक नोटिस के अनुसार, प्रतिनिधि सभा 12 सितंबर, 2025 की रात 11 बजे से भंग हो गई है। इसमें कहा गया कि राष्ट्रपति ने नए संसदीय चुनाव कराने की तारीख मार्च 2026 तय की है। सभी प्रमुख राजनीतिक दलों ने संसद भंग करने के इस कदम की निंदा की है। इस कदम को अस्वीकार करते हुए, देश की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी, नेपाली कांग्रेस ने चेतावनी दी कि संविधान का उल्लंघन करने वाली कोई भी कार्रवाई अस्वीकार्य होगी। एक समाचार पोर्टल की रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार को नेपाली कांग्रेस की केंद्रीय कार्यकारी समिति की बैठक में यह निष्कर्ष निकला कि संसद भंग करने के फैसले ने देश की लोकतांत्रिक उपलब्धियों को खतरे में डाल दिया है। नेपाली कांग्रेस के महासचिव विश्व प्रकाश शर्मा ने कहा कि संविधान का कोई भी उल्लंघन गंभीर सवाल खड़े करता है। सीपीएन-यूएमएल के महासचिव शंकर पोखरेल ने इस कदम को चिंताजनक बताया। नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी-लेनिनवादी) के नेता के हवाले से समाचार पोर्टल ने कहा, अतीत में, संसद को भंग करने के अधिकतर सरकारों के प्रयासों को असंवैधानिक बताकर चुनौती दी गई थी। विडंबना यह है कि वही आवाजें अब संसद को भंग करने का समर्थन कर रही हैं। हमें सतर्क रहना चाहिए। सीपीएन (माओवादी केंद्र) ने भी प्रतिनिधि सभा को भंग करने के फैसले पर असहमति व्यक्त की।

प्रधानमंत्री के रूप में कार्की की नियुक्ति महिला सशक्तिकरण का शानदार उदाहरण : मोदी

इंफाल, एजेंसी

- बोले-- नेपाल में सत्ता हस्तांतरण के समय पड़ोसी देश के लोगों के साथ दृढ़ता से खड़ी रही नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को नेपाल की अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की को पदभार संभालने पर बधाई दी और उनकी नियुक्ति को महिला सशक्तीकरण का एक शानदार उदाहरण बताया। मणिपुर की राजधानी इंफाल में एक जनसभा को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि भारत और नेपाल साझा इतिहास, आस्था और सांस्कृतिक संबंधों से जुड़े घनिष्ठ मित्र रहे हैं तथा नई दिल्ली वहां सत्ता हस्तांतरण के समय पड़ोसी देश के लोगों के साथ दृढ़ता से खड़ी रही।

प्रधानमंत्री ने कहा, मैं 140 करोड़ भारतीयों की ओर से कार्की को बधाई देता हूं। मुझे विश्वास है कि वह नेपाल में शांति, स्थिरता और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करेंगी। नेपाल की पूर्व प्रधान न्यायाधीश सुशीला कार्की शुक्रवार रात देश की अंतरिम सरकार का नेतृत्व करने वाली पहली महिला प्रधानमंत्री बनीं। मोदी ने कहा, कार्की का उस देश के शीर्ष पद पर आसीन होना महिला सशक्तीकरण का एक उदाहरण है। कार्की के अंतरिम प्रधानमंत्री बनने से कई दिनों से जारी राजनीतिक अनिश्चितता समाप्त हो गई। सोशल मीडिया पर प्रतिबंध के कारण देशव्यापी आंदोलन के चलते केपी शर्मा ओली को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा था। कार्की को अंतरिम सरकार का नेतृत्व करने के लिए राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल, नेपाल के शीर्ष सैन्य अधिकारियों और सरकार विरोधी प्रदर्शनों का नेतृत्व करने वाले युवा प्रदर्शनकारियों की एक बैठक के बाद चुना गया था। मोदी ने नेपाल के लोगों की भी सराहना की और उल्लेख किया कि पिछले कुछ दिनों में राजनीतिक उथल-पुथल के बीच, कैसे नागरिक, खासकर युवक और महिलाएं, इमारतों की सफाई और रंग-रोगन में हिस्सा ले रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा, मैं नेपाल के लोगों को भी बधाई देना चाहता हूं, जिन्होंने इतने अशांत समय के बावजूद लोकतांत्रिक मूल्यों को सर्वोच्च रखा है। मोदी ने कहा कि दोनों देश एक साथ आगे बढ़ रहे हैं तथा नेपाल की लोकतांत्रिक यात्रा और स्थिरता की आकांक्षा का समर्थन करने के लिए नयी दिल्ली की प्रतिबद्धता दोहराई।

नाटो देशों से रूसी तेल खरीद बंद करने की अपील चीन पर 50 से 100 प्रतिशत टैरिफ की धमकी दी

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, एजेंसी

- ट्रुथ सोशल पर पोस्ट किया वह रूस पर बड़े प्रतिबंध लगाने के लिए तैयार हैं, यदि सभी सहमत हो तो

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को कहा कि नाटो देशों को यूक्रेन संघर्ष खत्म करने में मदद के लिए चीन पर 50 से 100% शुल्क लगाना चाहिए और रूस से तेल खरीदना बंद कर देना चाहिए। इससे एक दिन पहले अमेरिका ने जी-7 देशों से रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर शुल्क लगाने का अनुरोध किया था।

ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट किया कि वह रूस पर बड़े प्रतिबंध लगाने के लिए तैयार हैं, बशर्ते सभी नाटो देश सहमत हो जाएं और ऐसा ही करना शुरू कर दें तथा मास्को से तेल खरीदना बंद कर दें। राष्ट्रपति ने कहा कि जीत के लिए नाटो की प्रतिबद्धता 100 प्रतिशत से बहुत कम रही है, और कुछ लोगों द्वारा रूसी तेल की खरीद चौंकाने वाली है। उन्होंने कहा, यह रूस के साथ आपकी बातचीत की स्थिति और सौदेबाजी की शक्ति को बहुत कमजोर करता है। कहा कि जब नाटो देश सहमत होंगे, तो वह आगे बढ़ने के लिए तैयार हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि चीन पर 50 प्रतिशत से 100 प्रतिशत तक शुल्क लगाने से इस घातक, लेकिन हास्यास्पद युद्ध को खत्म करने में बहुत मदद मिलेगी। चीन का रूस पर मजबूत नियंत्रण व पकड़ है, और ये शक्तिशाली शुल्क उस पकड़ को तोड़ देंगे। ट्रंप ने यह भी कहा कि यूक्रेन युद्ध उनका संघर्ष नहीं है और अगर वह राष्ट्रपति होते तो यह संघर्ष कभी शुरू ही नहीं होता।

यह बाइडेन और जेलेंस्की का युद्ध है। मैं यहां केवल इसे रोकने और हजारों रूसी और यूक्रेनी लोगों की जान बचाने के लिए हूं... अगर नाटो मेरे कहे अनुसार करता है, तो युद्ध जल्दी खत्म हो जाएगा और जाने भी बच जाएगी! अगर नहीं, तो आप मेरा और अमेरिका का समय, ऊर्जा और पैसा बर्बाद कर रहे हैं।

भारतीय मूल के व्यक्ति को मां की हत्या के जुर्म में आजीवन कारावास

लंदन। इंग्लैंड के बर्मिंघम स्थित घर में अपनी मां की हत्या करने वाले 39 वर्षीय भारतीय मूल के व्यक्ति को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। अदालत के फैसले में कहा गया कि दोषी को पहले कम से कम 15 साल जेल में बिताने होंगे और इसके बाद ही उसे पैरोल दिए जाने पर विचार किया जाएगा। दोषी सुरजीत ने अपनी 76 वर्षीय मां मोहिंदर कौर की हत्या का जुर्म स्वीकार कर लिया था। पिछले वर्ष सितंबर में कई बार वार किए जाने से लगी चोट के कारण कौर की मौत हो गई थी। बर्मिंघम क्राउन कोर्ट में सिंह को उस दौरान सजा सुनाई गई, जब यह बात सामने आई कि टीवी के रिमोट को लेकर हुए विवाद में नशे में धुत सिंह ने अपनी मां पर हमला कर दिया था।

गाजा शहर पर हमले तेज, 32 की मौत

दीर अल-बलाह, एजेंसी

- इजराइल ने फलस्तीनियों से गाजा शहर को खाली करने की अपील की मृतकों में 12 बच्चे शामिल

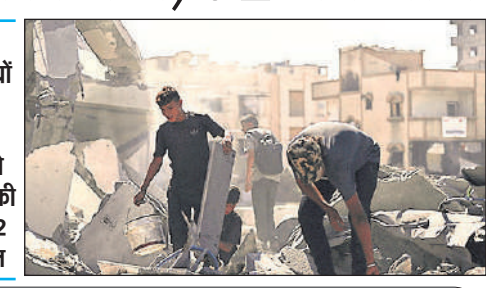

इजराइल ने गाजा शहर में अपने हमले तेज कर दिए हैं और उसके हवाई हमलों में कम से कम 32 लोगों की मौत हुई है। चिकित्सा कर्मचारियों ने शनिवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि फलस्तीनियों से गाजा शहर खाली करने की अपील की गई है। शिफा अस्पताल के अनुसार, मृतकों में 12 बच्चे शामिल हैं।

इजराइल ने हाल के दिनों में गाजा शहर में हमले तेज कर दिए हैं, कई ऊंची इमारतों को नष्ट कर दिया है और हमास पर उनमें निगरानी उपकरण लगाने का आरोप लगाया है। इसने निवासियों को शहर छोड़ने का आदेश दिया है, जो सबसे बड़े फलस्तीनी शहर पर कब्जा करने के उद्देश्य से एक हमले का हिस्सा है। इजराइल इसे हमास का आखिरी गढ़ कहता है जहां लाखों लोग अब भी अकाल की स्थिति से जूझ रहे हैं।

पाकिस्तान इस बात को झुठला नहीं सकता कि लादेन उसकी जमीन पर मारा गया : इजराइल

संयुक्त राष्ट्र। इजराइल ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में पाकिस्तान पर दोहरे मानदंड अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि इस्लामाबाद इस बात को झुठला नहीं सकता कि अलकायदा प्रमुख ओसामा बिन लादेन को उसने ही अपनी सरजमीं पर पनाह दी और वह वहीं मारा गया। इजराइल के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत डैनी डैनन ने पाकिस्तान के राजदूत असीम इफ्तिखार अहमद की ओर इशारा करते हुए कहा, जब बिन लादेन को पाकिस्तान में मार गिराया गया था, तब यह सवाल नहीं पूछा गया था कि विदेशी धरती पर एक आतंकवादी को क्यों निशाना बनाया गया? डैनन ने कहा, किसी ने यह सवाल नहीं पूछा।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 14 सितंबर, रविवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-आश्विन, पक्ष-कृष्ण पक्ष, अष्टमी 15 सितंबर 03.06 तक तत्पश्चात नवमी।

आज का पंचांग

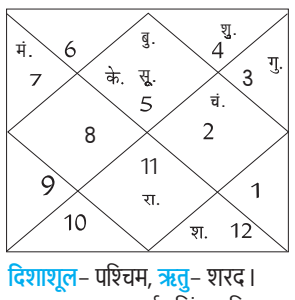

दिशाशूल- पश्चिम, ऋतु- शरद। चन्द्रबल- वृषभ, कर्क, सिंह, वृश्चिक, धनु, मीन। ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद। नक्षत्र- रोहिणी 08.41 तक तत्पश्चात मृगशिरा।

मेष — आज अपने विषय में गलत धारणा बनाने से बचें। व्यर्थ के खर्चों के कारण आपका बजट बिगड़ सकता है। ऐसे सभी लोगों से दूरी बनाकर रखें, जो नकारात्मक बातें करते हों। सर्दी-जुकाम और हल्के बुखार की स्थिति भी बन सकती है।

वृष — आज प्रेम विवाह को लेकर घर में चर्चा करना चाहते हैं तो दिन शुभ है। अव्यावहारिक विचारों के कारण उपहास हो सकता है। आपको स्वाभिमान की चिंता हो सकती है। विदेश यात्रा में आ रही बाधा दूर होगी। आंखों में दर्द की शिकायत हो सकती है।

मिथुन — आज कार्यक्षेत्र में आपकी उपेक्षा हो सकती है। मित्रों से अपने मन की बातें शेयर कर सकते हैं। पारिवारिक वातावरण तनावपूर्ण हो सकता है। सोच-विचारकर ही आपको लोगों के सामने प्रतिक्रिया देनी चाहिए।

कर्क — आज छोटी किंतु आधारभूत समस्याओं का समाधान ढूंढने का प्रयास करेंगे। इसका सकारात्मक परिणाम आपको अवश्य मिलेगा। आप जिन कार्यों को प्राथमिकता क्रम में रखेंगे उन्हें अवश्य ही पूर्ण कर लेंगे।

सिंह — आज व्यापार में नई साझेदारी को लेकर कुछ निर्णय कर सकते हैं। सरकारी योजनाओं का लाभ मिल सकता है। आपके काम की गति में अचानक तेजी आ सकती है। किसी महत्वपूर्ण कार्य के पूरा होने से आनंदित महसूस करेंगे।

कन्या — आज व्यवसाय में कुछ रुकावटें आ सकती हैं। भविष्य को लेकर योजना बनाने के लिए दिन अनुकूल है। महिलाओं को अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना चाहिए। कोई समस्या हो तो अपने बड़ों से उसे साझा करें। संतान के विवाह की चिंता रहेगी।

तुला — आज आप अपने काम पर ही ध्यान दें। दूसरों के मामलों में पड़ने से बचें। व्यावसायिक दृष्टिकोण से दिन बहुत सामान्य रहने वाला है। आपका मन कुछ अशांत हो सकता है। आप जिनसे प्रेम और सम्मान की अपेक्षा रखते हैं, वो आपको भाव नहीं देंगे।

वृश्चिक — आज सहयोगियों के ऊपर अधिक निर्भर न हों। विरोधी आपके विरुद्ध षड्यंत्र रच सकते हैं। आपकी वाणी और व्यवहार से मित्रजन अत्यंत प्रसन्न रहेंगे। नौकरीपेशा लोगों को निवेश से जुड़ी चिंता हो सकती है। मशीनरी से जुड़े कारोबार में लाभ प्राप्त होगा।

धनु — आज आर्थिक समस्याओं को लेकर थोड़े परेशान हो सकते हैं। बच्चों के भविष्य की चिंता हो सकती है। विद्यार्थी पढ़ाई को लेकर कम गंभीर रहेंगे। धार्मिक क्रियाकलापों से जुड़ने का प्रयास करेंगे। इससे आपकी कार्यक्षमता में वृद्धि होगी।

मकर — आज शरीर में कुछ थकावट महसूस हो सकती है। व्यर्थ की बहसबाजी से स्वयं को दूर रखें। लोग आपसे सहायता की अपेक्षा रख सकते हैं। व्यवसाय में नया प्रयोग करने से बचें। आपको अपनी जिम्मेदारियों पर विशेष ध्यान देना होगा।

कुंभ — आज अपनी कार्यशैली में सुधार लाने का प्रयास करें। किसी महत्वपूर्ण निर्णय को लेकर मन में कुछ कन्फ्यूजन रहने की संभावना है। बातचीत के माध्यम से संपत्ति विवाद हल हो सकते हैं। राजनीति से जुड़े लोगों को विरोधियों से सावधान रहना चाहिए।

मीन — आज आपके मन में उच्च पद और प्रतिष्ठा की इच्छा प्रबल होगी। अपनी तीव्रबुद्धि का कुशल प्रयोग करेंगे। दांपत्य जीवन में चल रही अनबन खत्म होने की संभावना है। नौकरीपेशा जातकों का कार्यक्षेत्र में सम्मान बढ़ेगा। किसी दूर के रिश्तेदार से मिलना हो सकता है।

सुडोकू-99

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

				2		6		8
		9	1			4		
	8			7			1	
	1	6				3		
	7						8	
		5		6		7		
	5			4			9	
		3			5	2		
4		1		3				

सुडोकू - 98 का हल

3	6	9	4	8	2	5	7	1
7	2	4	5	1	9	3	6	8
8	1	5	3	6	7	4	9	2
2	7	1	9	3	8	6	5	4
6	4	8	2	7	5	1	3	9
5	9	3	6	4	1	8	2	7
9	3	7	1	5	4	2	8	6
1	5	2	8	9	6	7	4	3
4	8	6	7	2	3	9	1	5

भारतीय क्रिकेट टीम के नए जर्सी प्रायोजक का चयन अगले दो से तीन हफ्तों में हो जाएगा और बोलियां 16 सितंबर को बंद होंगी। अभी तक कोई नाम सामने नहीं आया है। कई बोलीदाता शामिल हैं। इसके अंतिम रूप देने के बाद सबको बताया जाएगा।
-राजीव शुक्ला

स्टेडियम

बरेली, रविवार, 14 सितंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

निशानेबाजी में ईशा ने स्वर्ण पदक जीता

निंगबो (चीन) : ओलंपियन और मौजूदा मिश्रित टीम पिस्टल विश्व चैंपियन ईशा सिंह ने शनिवार को यहां आईएसएसएफ विश्व कप राइफल/पिस्टल में महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर भारत के पदकों के सूखे को खत्म किया। निंगबो ओलंपिक स्पोर्ट्स सेंटर में 20 वर्षीय ईशा ने एक रोमांचक फाइनल में स्थानीय खिलाड़ी याओ कियानक्सुन को 0.1 अंक से हराया। दक्षिण कोरिया की मौजूदा ओलंपिक चैंपियन ओह येजिन ने कांस्य पदक जीता। इस स्पर्धा में यह ईशा का पहला विश्व कप स्वर्ण पदक है और इसने भारत को पदक तालिका में पांचवें स्थान पर पहुंचने में मदद की। भारत के साथ चार और देश एक स्वर्ण पदक के साथ तालिका में संयुक्त रूप से पांचवें स्थान पर है। मेजबान चीन दो स्वर्ण, चार रजत और एक कांस्य के साथ पदक तालिका में शीर्ष पर है। भारत ने इस टूर्नामेंट में हर स्पर्धा में अपने चौथे से छठे क्रम के निशानेबाजों को उतारा है।

एशियाई टेबल टेनिस चैंपियनशिप 11 से

नई दिल्ली : यूएई के हटने के बाद 22 देशों ने भुवनेश्वर में होने वाली 28वीं आईटीटीएफ-एटीटीयू एशियाई टेबल टेनिस टीम चैंपियनशिप में भाग लेने की पुष्टि की है। आयोजकों ने इस जानकारी को साझा करते हुए 500 से ज्यादा प्रतिभागियों के इसमें भाग लेने की उम्मीद जताई। ओडिशा पहली पर एशियाई स्तर की टेबल टेनिस चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा। प्रतियोगिता का आयोजन 11 से 15 अक्टूबर तक कलिंगा स्टेडियम में होगा।

राष्ट्रीय खेल बोर्ड का गठन तीन महीने में

नई दिल्ली : राष्ट्रीय खेल प्रशासन अधिनियम के तहत महासंघों को मान्यता देने या निलंबित करने और उनके वित्तीय आचरण की निगरानी करने का सर्वोच्च अधिकार रखने वाले बहुप्रतीक्षित राष्ट्रीय खेल बोर्ड (एनएसबी) का गठन दिसंबर के अंत तक कर दिया जाएगा। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने अगले साल जनवरी के अंत तक इस अधिनियम को पूरी तरह से लागू करने का वादा किया है और एनएसबी का गठन उस प्रक्रिया का महत्वपूर्ण पड़ाव होगा।

समय रात 8 बजे से

टीम इंडिया का पाकिस्तान के खिलाफ पलड़ा भारी

सूर्यकुमार यादव।

दुबई, एजेंसी

सूर्यकुमार यादव की अगुआई वाली भारतीय टीम रविवार को एशिया कप में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ यहां होने वाले मुकाबले में प्रबल दावेदार होगी। दिलचस्प बात है कि पिछले कुछ महीनों में सीमा पर बढ़े तनाव के बावजूद इस मुकाबले को लेकर किसी तरह की 'हाइप' नहीं है। चार महीने बाद भारत में टी-20 विश्व कप को देखते हुए मुकाबला महत्वपूर्ण है। लेकिन कई साल में पहली बार भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले क्रिकेट मैच में उस तरह के उत्साह का अभाव है। जो दोनों देशों के बीच मैच में अक्सर होता है। जबकि यह रविवार को खेला जा रहा है। भारत के अंतिम एकादश में शुभमन गिल, सूर्यकुमार, अभिषेक शर्मा जैसे बल्लेबाज, जसप्रीत बुमराह जैसा तेज गेंदबाज, कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती जैसे स्पिनर मौजूद हैं। कागज पर भारतीय टीम पाकिस्तान की तुलना में कहीं अधिक खतरनाक दिखती है जो नए कप्तान सलमान अली आगा के नेतृत्व में अपनी पकड़ बनाने की कोशिश कर रही है। हालांकि इस प्रारूप की बदलने वाली प्रकृति को देखते हुए उलटफेर की संभावना हमेशा बनी रहती है, पर इस मजबूत भारतीय टीम के खिलाफ इसकी संभावना कम है है।

अहमदाबाद में क्रिकेट प्रशंसकों ने मैच के प्रति लोगों का ध्यान आकर्षित किया। एजेंसी

- एशिया कप में दोनों टीमों के बीच आज रोमांचक मुकाबले की उम्मीद

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद से दोनों देशों के बीच संबंधों में कड़वाहट भर गई। इसके बाद हुए सैन्य अभियान और जनता के गुस्से ने महाद्वीपीय क्रिकेट के इस सबसे हाई-प्रोफाइल मैच की तैयारी को बहुत फीका बना दिया। मैच के हजारों टिकट अब भी उपलब्ध हैं और शुक्रवार को भारत के अभ्यास सत्र में बहुत कम दर्शक पहुंचे। मैच को लेकर पहले की तरह उत्साह भी गायब है। सोशल मीडिया पर अपील की जा रही हैं कि भारत इस मैच का बहिष्कार करे।

टीम

भारत : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल, अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, संजू सैमसन, रिंकू सिंह।

पाकिस्तान : फखर जमां, हसन नवाज, खुशदिल शाह, साइम अयूब, सलमान आगा, हुसैन तलत, फहीम अशरफ, मोहम्मद नवाज, मोहम्मद हारिस, साहिबजादा फरहान, अबरार अहमद, हारिस रऊफ, हसन अली, सलमान मिर्जा, शाहीन अफरीदी, सुफियान मुकीम।

भारत ने डेविस कप क्वालीफायर्स में पहली बार प्रवेश कर रचा इतिहास

सुमित नागल ने विश्व ग्रुप वन मुकाबले में स्विटजरलैंड के हेनरी बर्नेट को पहले उलट एकल में हराया

बील (स्विटजरलैंड), एजेंसी

भारत ने पहली बार डेविस कप क्वालीफायर्स में प्रवेश कर लिया जब सुमित नागल ने विश्व ग्रुप वन मुकाबले में स्विटजरलैंड के प्रतिभाशाली हेनरी बर्नेट को पहले उलट एकल में शनिवार को हराकर भारत को 3-1 से जीत दिलाई। इससे पहले एन श्रीराम बालाजी और रित्विक बोलीपल्ली की जोड़ी याकूब पॉल और डोमिनिक स्ट्रिकर से हार गई थी जिससे मेजबान की वापसी की उम्मीदें जाग गई थी।

नागल को चौथे मुकाबले में जेरोम किम से खेलना था, लेकिन स्विस टीम ने मौजूदा जूनियर ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन बर्नेट को उतारा जो 1-6, 3-6 से हार गए। इससे पहले कल दक्षिणेश्वर सुरेश और सुमित नागल ने एकल मुकाबलों में जेरोमी किम और मार्क आंद्रिया हुसलेर को हराकर भारत को 2-0 से बढत दिला दी थी। भारत की विदेश में किसी यूरोपीय टीम पर 32 साल में यह पहली जीत है। इससे पहले लिएंडर पेस और रमेश कृष्णन ने 1993 में फ्रांस को क्वार्टर फाइनल में हराया था। भारत ने दिल्ली में 2022 में डेनमार्क को ग्रासकोर्ट पर हराया था। डेविस कप क्वालीफायर का पहला दौर जनवरी 2026 में खेला जायेगा।

32

साल में यह पहली जीत है भारत की विदेश में किसी यूरोपीय टीम पर

नागल ने जीत के बाद कहा यह काफी बड़ी जीत है। हम यूरोप में बहुत समय बाद जीते हैं और हमने इसके लिये काफी मेहनत की है। युगल मुकाबला कठिन था क्योंकि दोनों टीमों ने शानदार खेल दिखाया।

इससे पहले बालाजी और बोलीपल्ली को दो घंटे 26 मिनट तक चले मुकाबले में 7-6, 4-6, 5-7 से पराजय झेलनी पड़ी। बालाजी और स्ट्रिकर ने शुरूआत में काफी अच्छी सर्विस करके एक भी अंक गंवाये बिना अपनी सर्विस बरकरार रखी। बोलीपल्ली के डबल फाल्ट पर भारत ने पहला अंक गंवाया। भारतीय जोड़ी ने पॉल पर दबाव बनाये रखा लेकिन ड्यूस अंक के बाद स्विस जोड़ी ने वापसी की। भारतीय जोड़ी ने स्ट्रिकर की सर्विस पर छठे गेम में तीन ब्रेक प्वाइंट बनाए। इसमें से तीसरा भुनाया जब स्ट्रिकर का फोरहैंड शॉट नेट में जा लगा। अगले गेम में बालाजी के स्मैश पर भारत ने 5.3 की बढत बना ली। फोरहैंड रिटर्न पर बालाजी की गलती से स्विस टीम को वापसी का मौका मिला और पॉल ने ब्रेक प्वाइंट भुनाकर स्कोर बराबर कर दिया। टाइब्रेकर में पॉल की लगातार गलतियों से भारत ने पहला सेट जीत लिया। दूसरे टेस्ट में भी स्कोर 4-4 से बराबरी पर था। बालाजी को नौवे गेम में निर्णायक ब्रेक प्वाइंट हासिल करने का मौका मिला लेकिन वह वॉली चूक गए।

पॉल का फोरहैंड पर रिटर्न बाहर चला गया जिस पर भारत को फिर अवसर मिला लेकिन स्ट्रिकर के फोरहैंड पर शानदार रिटर्न से यह भी चूक गया। पॉल ने अपनी सर्विस बरकरार रखी और बोलीपल्ली की सर्विस टूटने पर भारत ने दूसरा सेट गंवा दिया। तीसरे सेट में बोलीपल्ली ने डबल फॉल्ट किया और बैकहैंड पर भी गलती की। पॉल के फोरहैंड विनर पर स्विस जोड़ी को तीन मैच प्वाइंट मिले और बोलीपल्ली की रिटर्न नेट में जाने पर उन्होंने तीसरा सेट और मैच जीत लिया।

श्रीलंका के पथुम निसांका (बाएं) और कामिल मिशारा जश्न मनाते हुए। एजेंसी

श्रीलंका ने बांग्लादेश को छह विकेट से हराया

अबु धाबी, एजेंसी

कसी हुई गेंदबाजी के बाद पथुम निशंका (50) और कमिल मीशारा (नाबाद 46) की शानदार बल्लेबाजी की बदौलत पर श्रीलंका ने शनिवार को एशिया कप के ग्रुप बी मुकाबले में बांग्लादेश को को 32 गेंदें शेष रहते छह विकेट से हरा दिया है।

140 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने दूसरे ही ओवर में 13 रन के स्कोर पर कुसल मेंडिस (तीन) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये कमिल मीशारा पथुम निशांका के साथ दूसरे विकेट के लिए 95 रनों की साझेदारी कर अपनी टीम को जीत के लक्ष्य की ओर अग्रसर किया। 11वें ओवर में मेहदी हसन ने पथुम निशंका को आउटकर बंगलादेश को दूसरी सफलता दिलाई। पथुम निशंका ने 34 गेंदों में छह चौके और एक छक्का लगाते हुए 50 रनों की पारी खेली। 14वें ओवर में तंजिम हसन साकिब ने दसून शनका (एक) को आउटकर मैच में रोमांच पैदा कर दिया। बंगलादेश की हार में उसके द्वारा दिये 21 अतिरिक्त रनों का भी योगदान रहा। श्रीलंका ने 14.4 ओवर में चार विकेट पर 140 रन बनाकर मुकाबला छह विकेट से जीत लिया।

पहले दिन निराश किया भारतीय खिलाड़ियों ने

विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप

टोक्यो, एजेंसी

भारत के पैदल चाल खिलाड़ियों ने विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के शुरुआती दिन 35 किमी स्पर्धाओं में निराश किया। संदीप कुमार और प्रियंका गोस्वामी ने क्रमशः पुरुषों और महिलाओं के वर्ग में शनिवार को 23वां और 24वां स्थान हासिल किया।

पुरुषों की 35 किमी पैदल चाल स्पर्धा में एक अन्य भारतीय खिलाड़ी राम बाबू को चौथा रेड कार्ड मिलने के बाद अयोग्य घोषित कर दिया गया। तब तक वह 24 किमी की दूरी तय कर चुके थे। राम बाबू दो साल पहले बुडापेस्ट विश्व चैंपियनशिप में 27वें स्थान पर रहे थे।

वह दो 2 घंटे 29 मिनट और 56 सेकंड के समय के साथ मौजूदा राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक हैं। सुबह की इस स्पर्धा में 50 खिलाड़ियों में से 34 ने रेस पूरी की, जबकि 10 इसे पूरा करने में नाकाम रहे और छह अयोग्य घोषित हो गए। 39 साल के संदीप ने दो घंटे 39 मिनट और 15 सेकंड का समय लिया।

टोक्यो में विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में महिलाओं की 100 मीटर हीट में संयुक्त राज्य अमेरिका की शाकारी रिचर्डसन (बीच में), ऑस्ट्रेलिया की टोरी लुईस (दूसरे बाएं), जर्मनी की जीना ल्यूकेंकेम्पर (दाएं) और रिपब्लिक ऑफ कांगो की नताचा नगोए। एजेंसी

लक्ष्य, सात्विक और चिराग हांगकांग ओपन फाइनल में

हांगकांग, एजेंसी

भारत के लक्ष्य सेन दो साल में पहले बड़े टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंच गए हैं जबकि सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की स्टार पुरुष जोड़ी ने भी शनिवार को सीधे गेम में जीत के साथ हांगकांग ओपन सुपर 500 के फाइनल में प्रवेश किया।

अलमोड़ा के 23 वर्ष के 2021 विश्व चैंपियनशिप कांस्य पदक विजेता लक्ष्य ने दुनिया के नौवे नंबर के खिलाड़ी चीनी ताइपै के चोउ तियेन चेन को 56 मिनट तक चले सेमीफाइनल में 23-21, 22 -20 से मात दी। इससे पहले सात्विक और चिराग की दुनिया की नौवें नंबर की इस जोड़ी ने चीनी ताइपे के बिंग-वेई लिन और चेन चेंग कुआन को 21-17, 21-15 से हराकर इस सत्र में छह सेमीफाइनल मुकाबलों में मिली हार के बाद अपने पहले फाइनल में जगह बनाई। आठवीं वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी का सामना चीन के लियांग वेई केंग और वांग चांग तथा चीनी ताइपे के फैंग-चिह ली और फैंग-जेन ली के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा। चिराग ने कहा आखिर हम फाइनल में पहुंचे।पिछले साल चीन ओपन के बाद से सात सेमीफाइनल खेले हैं। हम लगातार सेमीफाइनल में हार रहे थे।

चिराग शेट्टी व सात्विक साईराज।

- खिताब जीतने का लंबा इंतजार खत्म करने का मौका

एशिया कप के फाइनल में पहुंची महिला टीम

हांगझाऊ (चीन), एजेंसी

भारतीय महिला हॉकी टीम ने महिला एशिया कप 2025 में जापान के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करते हुए 1-1 से ड्रॉ खेला। इसके बाद हुए दूसरे मैच में चीन ने दक्षिण कोरिया को 1-0 से हरा दिया। इसी के साथ भारत महिला टीम एशिया कप 2025 के फाइनल में जगह बना ली है।

इससे पहले भारत बनाम जापान मुकाबला ब्यूटी डुंग डुंग ने (सातवें मिनट) में शुरुआती गोल और जापान की शिहो कोबायाकावा ने (58वें मिनट) में किये गये गोल की बदौलत ड्रा पर छूटा। भारत के फाइनल में खेलने का फैसला चीन और दक्षिण कोरिया के मैच पर निर्भर था। मुकाबले के शुरुआत में ब्यूटी डुंग डुंग ने (सातवें मिनट) में गोलकर भारत को बढ़त दिलाई। इसके बाद भारत ने आक्रामक खेल जारी रखा और पहले क्वार्टर में स्कोर 1-0 रहा। दूसरे क्वार्टर में जापान बराबरी के गोल की तलाश में उतरा और शुरुआती कुछ मिनटों में उसे एक पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन भारत ने बिना किसी परेशानी के उसे रोक दिया। भारतीय टीम ने गेंद पर कब्जे में रखते हुए आक्रमण खेल दिया, लेकिन जापान की रक्षापंक्ति मजबूत रही और पहले हाफ के बाद स्कोर 1-0 रहा। इसके बाद तीसरा क्वार्टर भी गोल रहित रहा। अंतिम क्वार्टर में जापान ने बराबरी की कोशिश में अपने हमले तेज कर दिए। और भारतीय महिला हॉकी टीम का डिफेंस जापानी हमलों को विफल करता रहा।

क्वार्टर के मध्य में, भारत ने वापसी की और कई पेनल्टी कॉर्नर हासिल करके विरोधियों पर दबाव बना दिया। अंतिम मिनटों में, जापान ने शिहो कोबायाकावा (58वें मिनट) के जरिए गोल करके स्कोर 1-1 कर दिया। दोनों टीमें बराबरी पर रहीं और हूटर बजने तक स्कोर 1-1 से बराबर था। दिन के दूसरे सुपर4 के आखिरी मैच में चीन ने कोरिया को 1-0 से हरा दिया। इस परिणाम के साथ ही भारतीय टीम एशिया कप के फाइनल में पहुंच गई। फाइनल में भारत का मुकाबला रविवार को चीन से होगा।

जापान व भारत की खिलाड़ी भिड़ती हुईं।

- भारतीय महिला हॉकी टीम ने जापान के साथ ड्रॉ खेला, फिर चीन ने दक्षिण कोरिया को हराया

इंग्लैंड की रिकॉर्ड रनों की आंधी में उड़ा दक्षिण अफ्रीका

मैनचेस्टर (इंग्लैंड) : फिल सॉल्ट के इंग्लैंड के लिए सबसे तेज टी20 शतक और इस प्रारूप के की सबसे बड़ी पारी के बूते इस टीम ने शुक्रवार को दक्षिण अफ्रीका पर रिकॉर्ड 146 रन की बड़ी जीत दर्ज की। सॉल्ट के नाबाद 141 रन और जोस बटलर की 83 रन की ताबड़तोड़ पारी से इंग्लैंड ने दो विकेट पर 304 रन बनाने। यह अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इस प्रारूप का तीसरा सबसे बड़ा स्कोर है। इंग्लैंड की पारी में 18 छक्के और 30 चौके लगे। दक्षिण अफ्रीका ने लक्ष्य का पीछा करते हुए तीन विकेट पर 64 रन बना लिए थे, लेकिन आठवें ओवर में कप्तान एडेन मारक्रम की 20 गेंदों में 41 रनों रन की पारी पर विराम लगने के बाद टीम की हार तय हो गई। दक्षिण अफ्रीका 17वें ओवर में 158 रन पर सिमट गई।

महिला क्रिकेट | **तीन मैचों की एकदिवसीय शृंखला का पहला मुकाबला आज**

ऑस्ट्रेलिया से हिसाब बराबर करने का मौका

मुल्लांपुर, एजेंसी

भारतीय महिला टीम रविवार से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरू हो रही तीन मैचों की एकदिवसीय से विश्व कप की तैयारियों को पुख्ता करने के साथ इस मजबूत प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ मिली पिछली हार का हिसाब बराबर करने के इरादे से मैदान में उतरेगी।

इस शृंखला से हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली टीम को आगामी घरेलू विश्व कप के लिए अपनी टीम को बेहतर बनाने का मौका मिलेगा। दोनों देशों के बीच पिछले साल दिसंबर में ऑस्ट्रेलिया में तीन मैचों की शृंखला में भारत का सूपड़ा 0-3 से साफ हो गया था। इस दौरे के बाद हालांकि भारतीय टीम ने अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने आयरलैंड को 3-0 से हराया, श्रीलंका में दक्षिण अफ्रीका की मौजूदगी के साथ हुई त्रिकोणीय शृंखला में जीत दर्ज की और फिर इंग्लैंड दौरे पर भी टी20 अंतर्राष्ट्रीय (3-2) और वनडे (2-1) दोनों दोनों प्रारूपों में जीत दर्ज की। स्ट्रेस फैक्चर के कारण क्रिकेट से नौ महीने दूर रहने के बाद तेज गेंदबाज रेणुका सिंह की अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी पर सबकी नजरें टिकी हैं। मुख्य चयनकर्ता नीतू डेविड ने उनकी वापसी को महत्वपूर्ण बताया।

कप्तान एलिसा हीली व हरमनप्रीत कौर।

उन्होंने कहा रेणुका हमारे लिए एक अनमोल खिलाड़ी हैं। उन्हें कुछ परेशानियां थीं और वह खेल से बाहर थीं, लेकिन अब वह उपलब्ध हैं। वह हमारी मुख्य खिलाड़ी हैं. यह एक बड़ा टूर्नामेंट है और खुशी है कि वह टीम का हिस्सा हैं।

रेणुका, क्रांति गौड़ (जिन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ वनडे में सबसे ज्यादा विकेट लिए हैं) और अरुंधति रेड्डी के साथ मिलकर भारत के तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुवाई करेंगी। स्पिन गेंदबाजी विभाग भी काफी मजबूत है। इसमें श्रीलंका में त्रिकोणीय सीरीज में प्रभावित करने वाली स्नेह राणा, युवा श्री चारानी के साथ दीप्ति शर्मा और राधा यादव की अनुभवी जोड़ी शामिल हैं। स्मृति मंधाना के साथ सलामी बल्लेबाज के तौर पर प्रतिका रावल बल्लेबाजी में पारी का आगाज करेंगीं।

चंडीगढ़ में अभ्यास सत्र के दौरान भारतीय खिलाड़ी और अन्य। एजेंसी